{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 31 अगस्त 2026
भाद्रपद कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 337
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

चित्रकूट में बाढ़ से हालात होटलों में फंसे लोग, हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू

6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, बिहार में गंगा-गंडक उफान पर, 15 जिले हाई अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून का असर अलग-अलग रूप में देखने को मिल रहा है। मध्य प्रदेश के चित्रकूट समेत कई जिलों में भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं, जबकि बिहार में गंगा और गंडक नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। दूसरी ओर राजस्थान के 17 जिलों में मानसून कमजोर रहने से सूखे जैसे हालात पैदा हो गए हैं। मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है।

बिहार में गंगा-गंडक का जलस्तर बढ़ा

बिहार में भी नदियों के बढ़ते जलस्तर ने चिंता बढ़ा दी है। पटना में दीघा घाट डूब चुका है, जबकि पश्चिम चंपारण के बगहा स्थित डुमरिया घाट पर गंडक नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। प्रशासन ने राज्य के 15 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा गया है।

मंदाकिनी खतरे के निशान से 26 फीट ऊपर

मध्य प्रदेश के सतना, चित्रकूट, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब 26 फीट ऊपर पहुंच गया। घाटों के आसपास करीब 400 दुकानें पानी में डूब गईं। कई लोग घरों और होटलों में फंस गए हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। दो हेलिकॉप्टरों के साथ एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम जारी है।

छत्तीसगढ़ में पांच दिन बारिश

छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होगी, जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

नैनीताल-काठगोदाम मार्ग पर पहाड़ी दरकी

उत्तराखंड में भी बारिश के कारण परेशानी बढ़ी है। नैनीताल जाने वाली मुख्य सड़क पर पहाड़ी दरकने से नैनीताल-काठगोदाम मार्ग पर जाम लग गया। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के बीच भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसे देखते हुए प्रशासन को संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और आपदा प्रबंधन टीमों को तैयार रखने की सलाह दी गई है।

राजस्थान में 17 जिलों में सूखे जैसे हालात

मानसून की कमजोर स्थिति ने राजस्थान में चिंता बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जयपुर समेत 15 शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। कमजोर मानसून के कारण जयपुर सहित राज्य के 17 जिलों में सूखे जैसे हालात बताए जा रहे हैं। बारिश की कमी से किसानों और खेती पर भी असर पड़ने की आशंका है।

युवा नशा मुक्ति थीम पर कंटेंट बनाएं- पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 137वें एपिसोड में युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान को जन-आंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाले वीडियो और अन्य कंटेंट तैयार करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'मन की बात' देश में हो रहे नए और प्रेरणादायक प्रयासों को सामने लाने का मंच बन गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं की रचनात्मकता और सोशल मीडिया की पहुंच का इस्तेमाल नशे के खिलाफ अभियान को मजबूत करने में किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति की थीम पर कंटेंट बनाकर अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता का संदेश पहुंचाने को कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के दौरान देश में चले तिरंगा अभियान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस बार 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं। उन्होंने 'सूर्यपथ तिरंगा' का उल्लेख करते हुए कहा कि फिजी से लेकर दुनिया के कई हिस्सों में तिरंगा शान से फहराया गया। पीएम ने कहा कि अगस्त का महीना देशभक्ति के रंगों से भरा रहता है और इस बार 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के कारण यह और खास हो गया है।

बढ़ रही एवोकाडो की मांग, किसान कमा रहे मुनाफा

प्रधानमंत्री मोदी ने देश में बढ़ती एवोकाडो की मांग का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इसकी खेती से किसान अच्छी कमाई कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के कडपा के किसान वरदराज का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि किसान ने करीब 4 टन एवोकाडो का उत्पादन कर स्थानीय बाजार में इसकी आपूर्ति की।

युवाओं ने बदली गंगा घाटों की तस्वीर

स्वच्छता के महत्व पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब स्वच्छता का संकल्प लोगों की आदत बन जाता है तो पूरे इलाके की पहचान बदल सकती है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित पटवाई गांव के आकाश और रोहन का उदाहरण दिया। दोनों ने 'क्लीन-अप पटवाई' टीम बनाकर युवाओं के साथ चार गंगा घाटों की सफाई की, कई तालाबों को संवारा और एक टन से अधिक प्लास्टिक कचरा हटाया।

खास खबर

आतंकी साजिश में दोषी को सात साल की कैद

नई दिल्ली। आईएसआईएस से जुड़ी आतंकी साजिश के मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने सैयद फासिउर रहमान उर्फ सैयद फसीह उर रहमान को सात साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 48 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अनुसार, मामले में साजिश का उद्देश्य लक्षित हत्याओं को अंजाम देकर सांप्रदायिक दंगे भड़काना और प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के एजेंडे को आगे बढ़ाना था। एनआईए की जांच के मुताबिक, इस मामले में मुख्य आरोपी मेहबूब पाशा ने बेंगलुरू के गुरप्पनपाल्या स्थित अपने घर पर कई बैठकें की थीं। इन्हीं बैठकों में कथित तौर पर लक्षित हत्याओं की योजना बनाई गई थी। जांच एजेंसी का कहना है कि इस साजिश का मकसद सांप्रदायिक तनाव भड़काने के साथ आईएसआईएस के लिए एक विलायत यानी प्रांत स्थापित करना था।

विजय सरकार ने घटा दी स्टालिन की सिक्योरिटी

चेन्नई। तमिलनाडु की विजय सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सुरक्षा घटा दी है। डीएमके चीफ को पहले जेड प्लस सिक्योरिटी मिली हुई थी। अब उसे घटाकर जेड श्रेणी कर दी गई है। इस फैसले के बाद अब स्टालिन की सुरक्षा में 54 की जगह 34 सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। मुख्य सचिव एसपी कुमार की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में गृह सचिव के. मणिवासन और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शामिल हुए। इस मीटिंग में स्टालिन को उपलब्ध कराई जा रही सुरक्षा की समीक्षा की गई। खतरे के आकलन और सुरक्षा जरूरतों के आधार पर उनकी सुरक्षा को जेड+ से घटाकर जेड श्रेणी करने का फैसला लिया गया। बता दें कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस जैसे सरकारी पदों पर तैनात बड़े अफसरों को सुरक्षा सरकार की ओर से दी जाती है। इसमें ऊंचा रुतबा रखने वाले लोगों को भी केंद्र सरकार सिक्योरिटी देती है। सरकार ने सिक्योरिटी की पांच कैटेगरी बना रखी है।

ई20 पेट्रोल पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली। ई20 पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग को लेकर 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में होगी। नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका दायर की है। जिसमें कहा गया है कि, पेट्रोल पंप के नॉजिल पर यह स्पष्ट तौर पर लिखा होना चाहिए कि, पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग की मात्रा कितनी है। सुप्रीम कोर्ट इसी याचिका की सुनवाई करेगा। अदालत की 31 अगस्त की कॉज लिस्ट के मुताबिक, मामला जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच के सामने पेश किया जाएगा।

आईएएस दिव्या मित्तल ने इस्तीफा दिया

लखनऊ। यूपी की चर्चित आईएएस दिव्या मित्तल (43) ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। अभी वह लखनऊ में राजस्व विभाग में विशेष सचिव थीं। दिव्या ने मुख्य सचिव एसपी गोयल को इस्तीफा भेज दिया है। रविवार सुबह उन्होंने फेसबुक-इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। दिव्या मित्तल का अचानक इस्तीफा ब्यूरोक्रेसी में सुर्खियों में है। इस्तीफा क्यों दिया, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि, चर्चा है कि 4 महीने से वह साइडलाइन थीं। फील्ड पोस्टिंग चाहती थीं। 2013 बैच की दिव्या मित्तल 13 साल से नौकरी कर रही थीं। अभी उनकी 17 साल की नौकरी बची हुई थी। दिव्या मित्तल मिर्जापुर, बस्ती और देवरिया की डीएम रह चुकी हैं। काम को लेकर बेहद सख्त मानी जाती थीं। अफसरों को मौके पर ही फटकार लगा देती थीं। 4 महीने पहले ही देवरिया डीएम से उनका ट्रांसफर लखनऊ हुआ था।

आईपीएस जगमोहन मीणा का इस्तीफा नामंजूर, सेवा में बरकरार

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी जगमोहन मीणा का इस्तीफा नामंजूर किया है। इसके साथ ही, मीणा भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के पद पर सेवा में बरकरार रहने वाले है। आईपीएस मीणा ने जुलाई में व्यक्तिगत कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दिया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि यह निर्णय उन्होंने परिवार और मित्रों से चर्चा के बाद लिया है और उनके इस्तीफे के पीछे कोई बाहरी दबाव या राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है। राजस्थान के सीकर मूल के और आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र मीणा ने ओडिशा कैडर में रहते हुए अंगुल, गंजाम और मलकानगिरी के एसपी सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्हें वर्ष 2019 में वीरता पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। उनके इस्तीफे के बाद ऐसी अटकलें थीं कि वे राजस्थान लौटकर पारिवारिक कारोबार से जुड़ सकते हैं, हालांकि उन्होंने अपने भविष्य की योजनाओं को निजी बताया था। अब इस्तीफा नामंजूर होने के बाद उनके आगे के कदम को लेकर स्थिति फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन समारोह में सीजेआई बोले

गंभीर मामलों में संसद का इंतजार नहीं करती न्यायपालिका

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा है कि नए तरह के अपराधों से निपटने के लिए न्यायपालिका संसद द्वारा कानून बनाए जाने का इंतजार नहीं करती। उन्होंने 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर फ्रॉड का उदाहरण देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई की और केंद्र व राज्यों को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। सीजेआई ने लंदन में आयोजित 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन समारोह में यह बात कही। उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों में ठग वीडियो कॉल के जरिए खुद को पुलिस, न्यायपालिका या सरकारी विभाग का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और उनसे पैसे ऐंठते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2025 में इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए केंद्र और राज्यों से डिजिटल अरेस्ट की समस्या का आकलन करने तथा इसे अलग अपराध के रूप में परिभाषित करने की दिशा में कदम उठाने को कहा था।

सीजेआई सूर्यकांत ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकने वाले कानून पीएमएलए के कथित दुरुपयोग से जुड़ी शिकायतों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यवस्था पूरी तरह अचूक नहीं होती। जांच एजेंसियां पर गिरफ्तारी के स्पष्ट कारण नहीं बताने और जरूरत से ज्यादा हिरासत में रखने जैसे आरोप लगाए गए हैं। ऐसे मामलों में न्यायपालिका ने हस्तक्षेप कर राहत दी है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में बताना जरूरी है। केवल मौखिक रूप से कारण बताना पर्याप्त नहीं है। सीजेआई ने अरविंद केजरीवाल बनाम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि मुकदमे से पहले लंबे समय तक हिरासत में रखना किसी व्यक्ति के लिए सजा का विकल्प नहीं बनना चाहिए।

अवैध धन की बरामदगी बड़ी चुनौती

सीजेआई ने कहा कि दुनियाभर में हर साल बड़े पैमाने पर अवैध धन की मनी लॉन्ड्रिंग होती है, लेकिन उसकी तुलना में बरामद होने वाली रकम बेहद कम है। उनके मुताबिक अवैध संपत्ति और धन को वापस हासिल करना अभी भी आर्थिक अपराधों से निपटने की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल है।

कौटिल्य के अर्थशास्त्र का दिया उदाहरण

भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए सीजेआई ने करीब 2300 साल पुराने कौटिल्य के अर्थशास्त्र का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि इसमें सरकारी अधिकारियों द्वारा राजकोष से धन निकालने के विभिन्न तरीकों का उल्लेख मिलता है।

सवाल पूछने या असहमति जताने पर छात्रों को धमकाना असंवैधानिक- जस्टिस भुइयां

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने दिल्ली के नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि छात्रों को केवल इसलिए धमकाया या दंडित नहीं किया जा सकता, क्योंकि उन्होंने पद पर बैठे अधिकारियों से अलग विचार जाहिर किए हैं। जस्टिस भुइयां ने स्पष्ट किया कि सवाल पूछने का अधिकार लोकतांत्रिक नागरिकता का मूल तत्व है, यह अवज्ञा का कृत्य नहीं, बल्कि नागरिकता, स्वतंत्रता और संवैधानिक जिम्मेदारी की अनिवार्य अभिव्यक्ति है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सवाल पूछने पर छात्रों को डराना या उन्हें सजा देना संविधान के खिलाफ है और यह सत्ता व पद का दुरुपयोग है। विश्वविद्यालयों में मुक्त विचार और कठिन सवालों के लिए जगह होनी चाहिए। जस्टिस भुइयां ने कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं कि सभी लोग एक ही तरह सोच रहे। संविधान विभिन्न विश्वासों, विचारों और मान्यताओं वाले लोगों को समान गरिमा के साथ रहने और लोकतांत्रिक जीवन में भाग लेने का ढांचा देता है। मतभेद होना स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार करना जरूरी है, क्योंकि असहमति के बिना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ ही समाप्त होता है। जस्टिस भुइयां ने असहिष्णुता को संविधान की मूल भावना के विपरीत बताया, जो एक प्रकार की हिंसा बन सकती है।

पंचायत प्रतिनिधियों के टीए-डीए और समारोह पर रोक

नई दिल्ली। 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर ग्रामीण स्थानीय निकायों को मिलने वाले अनुदान के उपयोग को केंद्र सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है। यह दिशा-निर्देश वित्त आयोग के 2026-27 से 2030-31 के लिए लागू किए गए हैं। गाइडलाइन में वित्त आयोग की राशि को पंचायतों के विकास कार्यों पर खर्च करने पर जोर दिया गया है। उपलब्ध आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार अनुदान का उपयोग पंचायत प्रतिनिधियों के वेतन, स्थापना संबंधी खर्च या अन्य गैर मदों में नहीं किया जा सकेगा। वित्त आयोग ने स्पष्ट किया है कि अनटाइड ग्रांट का इस्तेमाल भी स्थानीय जरूरतों और संविधान की 11वीं अनुसूची में शामिल 29 विषयों के लिए ही किया जायेगा। 16वें वित्त आयोग ने ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए पांच वर्षों में 4.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के अनुदान की सिफारिश की है। इसमें 80 प्रतिशत बेसिक और 20 प्रतिशत परफॉर्मेंस ग्रांट है। बेसिक ग्रांट का आधा हिस्सा स्वच्छता, ठोस कचरा प्रबंधन और जल प्रबंधन जैसे कार्यों के लिए निर्धारित किया गया है। टीए-डीए और समारोह पर पूर्ण प्रतिबंध को लेकर आधिकारिक गाइडलाइन में स्पष्ट शब्दों में प्रावधान की पुष्टि नहीं हुई है।

अवैध गिरफ्तारी पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने पुलिस को फटकारा, डीसीपी हाजिर हों -कोर्ट ने कहा-

सिर्फ वर्दी पहनने से नागरिकों की स्वतंत्रता से खिलवाड़ नहीं कर सकते

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने व्हाइटफील्ड पुलिस द्वारा एक व्यक्ति को कथित तौर पर अवैध रूप से हिरासत में लेने के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए व्हाइटफील्ड डिवीजन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सैदुलु अदावथ को तलब कर फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि पुलिस नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को कानून के विपरीत सीमित नहीं कर सकती। कोर्ट ने राज्य के पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक (डीजीपी-आईजीपी) को सभी रैंकों के पुलिसकर्मियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने हिंदू राष्ट्र समन्वय समिति के मोहन गौड़ा की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि यदि पुलिसकर्मी अवैध गिरफ्तारी या हिरासत में शामिल पाए जाते हैं तो उनके पद या रैंक की परवाह किए बिना अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। ऐसे मामलों को अदालत के संज्ञान में लाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों पर भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है। मामला स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के शो के रद्द होने से संबंधित एक फेसबुक पोस्ट को लेकर दर्ज केस से जुड़ा है। पुलिस ने मोहन गौड़ा के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था। पोस्ट में शो रद्द होने को 'हिंदू एकता की जीत' बताया गया था। समिति की ओर से व्हाइटफील्ड में शो की अनुमति नहीं देने की मांग को लेकर पुलिस से शिकायत भी की गई थी।

अदालत ने पाया कि पुलिस ने 4 अगस्त को रात करीब 2 बजे मामला दर्ज किया। इसके अगले दिन दो सब-इंस्पेक्टर और दो कांस्टेबल उडुपी पहुंचे, जहां याचिकाकर्ता मौजूद था। पुलिस उसे उसकी कार में व्हाइटफील्ड ले आई। अदालत ने इस कार्रवाई के तरीके पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने पाया कि पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर पुलिस ने याचिकाकर्ता को 5/6 अगस्त 2026 की तारीख वाला भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 35(3) के तहत नोटिस दिया। खास बात यह है कि इस नोटिस में उसे अगले तीन दिनों के भीतर पूछताछ के लिए पेश होने को कहा गया था।

कोर्ट ने इसे गंभीर उल्लंघन माना, क्योंकि नोटिस दिए जाने से पहले ही याचिकाकर्ता पुलिस की हिरासत में था। अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि जब नोटिस में व्यक्ति को तीन दिन का समय दिया गया था तो पुलिस को उसे उडुपी से पकड़कर व्हाइटफील्ड लाने की जरूरत क्यों पड़ी। सुनवाई के दौरान डीसीपी ने कहा- याचिकाकर्ता के स्वेच्छा से अपनी निजी कार से व्हाइटफील्ड पुलिस स्टेशन आने की बात कही। वहीं, याचिकाकर्ता के वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि उसे परिणाम भुगतने की चेतावनी देकर लाया गया था और दो सब-इंस्पेक्टर व दो कांस्टेबल भी उसकी कार में साथ आए थे। बाद में डीसीपी ने कहा, कि याचिकाकर्ता फोन नहीं उठा रहा था, इसलिए पुलिस को उडुपी जाना पड़ा। इस पर अदालत ने कहा कि जब नोटिस में ही पेश होने के लिए तीन दिन का समय दिया गया था तो तत्काल उसे हिरासत में लेने की कार्रवाई उचित नहीं ठहराई जा सकती।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के मंच शुद्धिकरण पर भड़कीं प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के मंच के शुद्धिकरण को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमलावर है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि यदि वे वास्तव में संविधान का सम्मान करते हैं, तब घटना में शामिल लोगों के खिलाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) कानून के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराए। प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी पोस्ट में कहा कि हल्द्वानी में कांग्रेस नेता खरगे की रैली के बाद भाजपा-आरएसएस से जुड़े लोगों द्वारा मंच का शुद्धिकरण किया गया। उन्होंने इस कृत्य को निंदनीय और शर्मनाक मानसिकता का प्रतीक बताकर संविधान और एससी/एसटी कानून का गंभीर उल्लंघन और अपराध करार दिया। कांग्रेस महासचिव ने घटना को 20 दिन बीत जाने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की ओर से कोई कार्रवाई न होने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी देश के संविधान का सम्मान करते हैं, तब उन्हें उत्तराखंड में इस अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ तुरंत एफआईआर करवाकर एससी/एसटी कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए।

रेलवे इतिहास में गुजरात की नई उड़ान

देश की पहली एलएनजी-डीजल डुअल फ्यूल डेमू ट्रेन 4 सितंबर को भरेगी रफ्तार

अहमदाबाद। भारतीय रेलवे के इतिहास में गुजरात के नाम एक और गौरवशाली उपलब्धि जुड़ने जा रही है। देश की पहली एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) और डीजल आधारित डुअल-फ्यूल डेमू ट्रेन अहमदाबाद के साबरमती रेलवे स्टेशन से अपनी ऐतिहासिक यात्रा शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। आधुनिक तकनीक और पर्यावरण संरक्षण का बेहतरीन संगम मानी जा रही इस ट्रेन को आगामी 4 सितंबर 2026 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह पहल भारतीय रेलवे के लिए न केवल तकनीकी नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि स्वच्छ और हरित ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था की ओर भी एक बड़ी छलांग मानी जा रही है। इस परियोजना के माध्यम से रेलवे डीजल पर अपनी निर्भरता कम करने के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय कमी लाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए साबरमती डीजल कोचिंग डिपो में विशेष रूप से 1400 हॉर्सपावर क्षमता वाले दो पावर कार इंजन तैयार किए गए हैं। अत्याधुनिक डुअल-फ्यूल तकनीक से लैस इन इंजनों को इस तरह विकसित किया गया है कि वे डीजल और एलएनजी दोनों ईंधनों का उपयोग कर सकें। ट्रेन को यात्रियों के लिए पटरी पर उतारने से पहले रेलवे प्रशासन ने इसकी सुरक्षा, विश्वसनीयता और परिचालन क्षमता की व्यापक जांच की है।

कुछ ना कहना

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं 95 आवेदकों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

आधार केंद्र, फसल बीमा, दिव्यांग प्रमाण-पत्र और आर्थिक सहायता सहित विभिन्न मामलों पर हुई सुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में आज 1 सितंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर कुमार सत्यम की अध्यक्षता में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, श्री एमआर कोल तथा एसडीएम श्री गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों का नियमानुसार एवं शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 95 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

बुदबुदा में आधार केंद्र खोलने की मांग

वारासिवनी विकासखंड की ग्राम पंचायत बुदबुदा के सरपंच हंसराज कावरे ने बुदबुदा में आधार पंजीयन केंद्र खोलने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि आसपास की पंचायतों को मिलाकर करीब 65 से 70 हजार की आबादी को आधार संबंधी सेवाओं के लिए सुविधा मिलेगी। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने इस मामले में ई-गवर्नेंस के जिला प्रबंधक को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

फसल बीमा की राशि नहीं मिलने की शिकायत का मौके पर समाधान

लामता तहसील के ग्राम बसेगांव के किसान राधेश्याम पिता दलवीर साहू ने वर्ष 2025 की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की राशि नहीं मिलने की शिकायत प्रस्तुत की। कलेक्टर के निर्देश पर उप संचालक कृषि श्री फूलसिंग मालवीय ने मौके पर ही पोर्टल पर किसान का आधार नंबर दर्ज कर स्थिति की जांच की। जांच में सामने आया कि अगस्त माह में किसान के बैंक खाते में 26 हजार रुपये की फसल बीमा राशि जमा हो चुकी है।

दिव्यांग प्रमाण-पत्र के नवीनीकरण के निर्देश

किरनापुर विकासखंड के ग्राम डूंडासिवनी की श्रुति मेश्राम ने वर्ष 2015 में बने अपने दिव्यांग प्रमाण-पत्र के नवीनीकरण की मांग की। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला निःशक्त पुनर्वास केंद्र के प्रभारी को प्रमाण-पत्र का शीघ्र नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए।

आर्थिक सहायता के प्रकरणों पर भी हुई सुनवाई

परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम सोनेवानी के लक्ष्मीचंद गौतम ने बीमारी के उपचार एवं बच्चों की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। इसी प्रकार वारासिवनी की शाहजहां शाह ने कैंसर से पीड़ित पत्नी के उपचार के लिए सहायता मांगी। तिरोड़ी तहसील के ग्राम कोसुम्बा की खुशबू खोबरागड़े ने अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए आर्थिक सहायता का आवेदन दिया। तीनों प्रकरणों में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा उप संचालक सामाजिक न्याय को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

अन्य आवेदनों पर भी अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश

लालबर्रा जनपद की ग्राम पंचायत भांडामुर्री के पूर्व सरपंच घनश्याम बिसेन ने 15वें वित्त आयोग से निर्मित चबूतरे की 99 हजार रुपये की लंबित राशि के भुगतान का मामला रखा। इस पर जनपद पंचायत लालबर्रा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वारासिवनी के हुड़कीटोला-पिपरिया की पूनम बाई ने पति के चले जाने के बाद बच्चों के पालन-पोषण और रोजगार के लिए सहायता मांगी। मामले में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

कटंगी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम टेकाड़ी-मथरा के अम्बे् आजीविका स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष एवं सचिव शिकायत लेकर आयी थी कि उनके समूह द्वारा ग्राम में राशन दुकान का संचालन किया जा रहा है। लेकिन समूह में शामिल महिला पूजा सूर्यवंशी के पति आशिष सूर्यवंशी द्वारा शराब पीकर फर्जी शिकायत कर समूह की अध्यक्ष एवं सचिव को पद से हटाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। कटंगी तहसीलदार द्वारा भी पूर्व में शिकायत की जांच कर दोबारा झूठी शिकायत करने पर 20 हजार रुपये का दंड लगाने कहा गया था। इसके बाद भी आशिष सूर्यवंशी द्वारा झूठी शिकायत कर उन्हेंन परेशान किया जा रहा है। इस प्रकरण में आजीविका मिशन की जिला कार्यक्रम प्रबंधक को आवश्यभक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में वसीम रजा शिकायत लेकर आये थे कि उनके द्वारा पत्नी सायना परवीन के नाम से बस क्रमांक एमपी-09-एफए-6513 श्रीराम फायनेंस कंपनी से ऋण लेकर संचालित किया जा रहा है। उसके द्वारा हर वर्ष बस का बीमा यूनाईटेड कंपनी से किया जा रहा है। इसके बाद भी श्रीराम फायनेंस कंपनी द्वारा उनकी अनुमति के बगैर बस का अपनी कंपनी में बीमा करा दिया गया है। श्रीराम कंपनी द्वारा हर माह 05 तारीख को उसके बैंक खाते से ऋण की किश्त काट ली जाती है, इसके बाद भी उस पर हर माह बाउंसिंग चार्ज लगाया जा रहा है और बैलेंस बाकी का लेटर जारी किया जा रहा है। कंपनी के मैनेजर से सम्पर्क करने पर वह पिछले 11 माह से टाल-मटोल कर रहा है। अतः उसे श्रीराम बीमा फायनेंस कंपनी से जबरन कराये गये बीमा की राशि वापस दिलायी जाये। इस प्रकरण में नगर पुलिस अधीक्षक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

प्रधानमंत्री आवास की मांग लेकर पहुंचे गणेश भैयालाल

तहसील किरनापुर के ग्राम पंचायत खारा निवासी गणेश भैयालाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास स्वीकृत कराने का आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि उनका परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में रह रहा है और आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनाने में असमर्थ है। उन्होंने आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। इस प्रकरण में जनपद सीईओ को कार्रवाई के निर्देश दिए।

पशुशेड बनाने की अनुमति की मांग

ग्राम मोरिया, तहसील लामता निवासी मीरा बाई उराड़े ने निजी मकान के आंगन में पशुशेड बनाने की अनुमति देने का आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि आंगन में बना पुराना पशुशेड 10 अगस्त 2026 को तहसीलदार, पटवारी, कोटवार एवं पुलिस दल द्वारा तोड़ दिया गया था। पशुशेड नहीं होने के कारण उनके पशु बरसात में खुले में रहने को मजबूर हैं। उन्होंने पुनः पशुशेड बनाने की अनुमति देने की मांग की। इस प्रकरण एसडीएम बालाघाट को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

भूमि से अवैध कब्जा हटाने की मांग

तहसील किरनापुर के ग्राम पाथरी निवासी गौरीशंकर कोहरे ने अपनी भूमि से अवैध कब्जा हटाकर वास्तविक कब्जा दिलाने की मांग की। उन्होंने बताया कि ग्राम पाथरी स्थित खसरा नंबर 117 की भूमि राजस्व अभिलेखों में उनके नाम दर्ज है, लेकिन कुछ लोगों ने जबरन कब्जा कर पोल एवं फेंसिंग कर दी है। पूर्व में शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने सीमांकन, मौके की जांच एवं अवैध कब्जा हटाने की मांग की। इस प्रकरण में किरनापुर तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

क्क्क्र राशन कार्ड बनवाने की मांग

ग्राम पेंढरई निवासी टिकेश्वरी सोनी ने गरीबी रेखा के अंतर्गत राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है तथा क्क्क्र राशन कार्ड नहीं होने के कारण शासन की राशन एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने परिवार की आर्थिक स्थिति का परीक्षण कर क्क्क्र राशन कार्ड बनवाने की मांग की। इस प्रकरण में तहसीलदार बालाघाट को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

69 तेंदूपत्ता मजदूरों ने मांगी लंबित मजदूरी

तेंदूपत्ता सीजन 2026 में कार्य करने वाले 69 मजदूरों ने लंबित मजदूरी का भुगतान कराने की मांग को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। मजदूरों के अनुसार तेंदूपत्ता फड़ों पर विभिन्न कार्य करने के बाद उनकी कुल मजदूरी 10 लाख 46 हजार 751 रुपये बनी थी। इसमें से 2 लाख 87 हजार रुपये का भुगतान किया गया है, जबकि शेष राशि के भुगतान को लेकर मजदूरों ने शिकायत की। उन्होंने मामले की जांच कर लंबित मजदूरी दिलाने की मांग की। इस प्रकरण में वन विभाग के अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

अतिथि शिक्षक ने मांगी पुनः ज्वाइनिंग

जनसुनवाई में ग्राम कटंगा, तहसील लांजी निवासी नामाजी सहारे ने अतिथि शिक्षक वर्ग-2, सामान्य विज्ञान के पद पर पुनः ज्वाइनिंग दिलाने की मांग की। उन्होंने बताया कि मेरिट पैनल के आधार पर 27 अगस्त 2026 को ईपीईएस शासकीय हाईस्कूल मोहगांव (जाम) में अतिथि शिक्षक के पद पर उनकी ज्वाइनिंग हुई थी। ज्वाइनिंग के बाद वे नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित होकर उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर भी कर रहे थे। उनका कहना था कि कुछ अन्य अभ्यर्थियों द्वारा संकुल प्राचार्य एवं शाला प्रभारी पर दबाव बनाए जाने के कारण उनकी ज्वाइनिंग निरस्त कर दी गई। उन्होंने ज्वाइनिंग एवं उपस्थिति से संबंधित दस्तावेज भी आवेदन के साथ प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को मामले की जांच कर नियमानुसार समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दूध में मिलावट की जांच के लिए खाद्य विभाग ने रैपिड किट से की जांच

मंगल डेयरी के बिना लाइसेंस संचालित वर्कशॉप को कराया बंद, केक हब को नोटिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खाद्य सुरक्षा प्रशासन भोपाल के निर्देशों के बाद बालाघाट में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा दूध में मिलावट की प्रारंभिक जांच के लिए रैपिड टेस्टिंग किट का उपयोग शुरू किया गया है। इस किट के माध्यम से दूध में सुक्रोज, ग्लूकोस, स्टार्च, साल्ट, माल्टोडेक्स्ट्रिन सहित अन्य पदार्थों की मिलावट की प्रारंभिक जांच आसानी से की जा सकती है।

इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सांची मिल्क प्लांट, अरिहंत दूध डेयरी, दमाहे दूध डेयरी एवं गुड़िया दूध डेयरी का निरीक्षण किया। इस दौरान दूध के नमूनों की रैपिड किट के माध्यम से प्रारंभिक जांच की गई। जांच में दूध में उपरोक्त पदार्थों की मिलावट नहीं पाई गई। विभाग द्वारा आमजन को मिलावट के प्रति जागरूक एवं सचेत करने के उद्देश्य से भी रैपिड किट के माध्यम से जांच की जा रही है।

मंगल डेयरी की वर्कशॉप में मिली अनियमितता

दुर्गा चौक बालाघाट स्थित मंगल डेयरी की जांच के दौरान पाया गया कि रिटेल लाइसेंस के तहत संचालित प्रतिष्ठान के समीप स्थित वर्कशॉप में दूध एवं दुग्ध पदार्थों का निर्माण किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने यहां छापामार कार्रवाई करते हुए दूध, दही, खोवा एवं पनीर के नमूने जांच के लिए लिए। वर्कशॉप का खाद्य लाइसेंस नहीं होने पर उसका खाद्य कारोबार तत्काल बंद कराया गया तथा बिना लाइसेंस खाद्य कारोबार संचालित करने का प्रकरण दर्ज किया गया।

केक हब में अस्वच्छता मिलने पर नोटिस

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत की जांच के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग ने केक हब का निरीक्षण किया। निर्माण स्थल की जांच में अस्वच्छता पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत धारा 32 का नोटिस जारी किया गया। इसके अलावा केक बेस एवं बटरस्कॉच क्रश के नमूने जांच के लिए लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत न्यायालयीन दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने कहा है कि जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और मिलावट पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जांच एवं कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

In The Court Of Manish Kumar Singh, I Civil Judge Senior Division, District Court, Balaghat

Presiding Officer:- मनीष कुमार सिंह

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000002/2026)

आभा करिहार..........................आवेदक

Vs

नेमेश्वरी पटले..........................अनावेदक

Process Id-/2026

पेशी तारीख- 16/09/2026

प्रेषिती-

(1) **आम जनता** पता- **आम जनता**

(2) **आम जनता**

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक **आभा करिहार** पता ने मृतक **लक्ष्मीप्रसाद पटले** निवासी मेडिकल चौक हीरापुर भरवेली की रूपए 6,07,666/- ग्रेज्यूविटी की राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 16 September 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 16 September 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें । सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 22 August 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश

कृपया ध्यान दें:-

१. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

प्रदेश में सबसे अधिक नेत्र रोगियों को लाभ पहुंचाने वाले जिला पंचायत सदस्य प्रकाश उके को किया सम्मानित

देवजी नेत्रआलय जबलपुर के द्वारा किया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जिला पंचायत सदस्य प्रकाश उके को उनके समाजसेवी कार्य और मात्र एक माह में रिकार्ड ५०० से अधिक नेत्र रोगियों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन कराकर ना केवल पीडित हितग्राहियों की मदद की। बल्कि उनके द्वारा किए गए प्रयास और प्रचार प्रसार से रिकॉर्ड हितग्राहियों को इसका लाभ भी प्राप्त हुआ। जिसको देखते हुए एशिया के सबसे बड़े देवजी नेत्रआलय जबलपुर के संचालक मंडल के द्वारा उनको प्रशस्ति पत्र और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि प्रकाश उके द्वारा १ से ३१ अगस्त २०२६ तक अपने जिला

पंचायत क्षेत्र में अधिक से अधिक प्रचार और शिविर आयोजित कर नेत्र रोगियों की जांच करवाई गई। जिसका परिणाम यह रहा की वर्ष २०१७ से आज तक किसी भी जन प्रतिनिधियों के द्वारा ५७५ की संख्या में मोतियाबिन्द ऑपरेशन संपन्न नही करवाएं गए। इसके पूर्व किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा २५० से अधिक मोतियाबिन्द ऑपरेशन नही करवाएं गए थे। इस कड़ी में ३१ अगस्त २०२६ को देवजी नेत्रआलय की टीम के द्वारा ग्राम पंचायत कटोरी में सरपंच और ग्रामीणों की उपस्थिति में उनको सम्मानित किया गया। प्रकाश उके जिला पंचायत सदस्य बनने के पूर्व से अपने सेवा कार्यों के लिए जाने जाते है। जिसका परिणाम यह रहा की जब उन्होंने चुनाव में जीत हासिल की तो रिकार्ड वोटों से विजय हुए और पूरे प्रदेश में सबसे अधिक मतो से चुनाव जीतने वाले जिला पंचायत सदस्य बनने का गौरव प्राप्त किया।

नशे से बिगड़ रहा गांव का माहौल, युवा पीढ़ी हो रही बर्बाद

शराबबंदी को लेकर एकजुट हुईं महिलाएं, कलेक्ट्रेट पहुंचकर लगाई गुहार

जनसुनवाई में सामूहिक आवेदन देकर रतनारा में शराब बिक्री बंद कराने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गांव में खुलेआम अवैध शराब की बिक्री से बिगड़ते माहौल और युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को लेकर ग्राम रतनारा की महिलाएं एवं ग्रामीण मंगलवार को एकजुट होकर जिला मुख्यालय पहुंचे।जहा महिलाओं ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में सामूहिक आवेदन प्रस्तुत कर गांव में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि शराब के कारण गांव का शांतिपूर्ण वातावरण प्रभावित हो रहा है और इसका सबसे अधिक असर युवा पीढ़ी एवं बच्चों पर पड़ रहा है।

गांव को बनाए नशामुक्त

ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम सौंपे आवेदन में बताया कि ग्राम रतनारा में शराब की बिक्री होने के कारण गांव का माहौल लगातार प्रभावित हो रहा है।शराब के सेवन से लोगों के व्यवहार में बदलाव आने के साथ ही परिवारों में भी परेशानियां उत्पन्न होने की आशंका बनी रहती है। महिलाओं का कहना है कि वे अपने गांव को नशामुक्त, सुरक्षित और शांतिपूर्ण देखना चाहती हैं।

युवाओं और बच्चों पर पड़ रहा नकारात्मक असर

महिलाओं ने कहा कि गांव में शराब की उपलब्धता का सीधा प्रभाव युवा वर्ग पर पड़ रहा है। कम उम्र के बच्चे और युवा भी नशे की ओर आकर्षित हो सकते हैं।इससे आने वाली पीढ़ी के भविष्य को लेकर ग्रामीण चिंतित हैं। उनका कहना है कि यदि गांव में शराब की बिक्री पर प्रभावी रूप से रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

शराब पीने और बेचने वालों पर जुर्माने की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि गांव में शराब बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और अवैध रूप से शराब की बिक्री पर पूरी तरह अंकुश लगाया जाए। महिलाओं ने स्पष्ट कहा कि गांव का माहौल खराब करने वाली शराब बिक्री को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।जनसुनवाई में पहुंची महिलाओं ने कहा कि गांव में शराब पीने और बेचने वालों पर जुर्माना लगाए जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि लोगों में कानून और प्रशासन का भय बना रहे। उनका कहना है कि केवल कार्रवाई की खानापूर्ति करने के बजाय शराब बिक्री पर स्थायी रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

आंदोलन की रणनीति बनाएंगी जाएगी

ग्रामीणों ने अपने सामूहिक आवेदन में कहा कि वे चाहते हैं कि ग्राम रतनारा नशामुक्त, सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण वाला गांव बने। उन्होंने प्रशासन से शराब बिक्री के संबंध में जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई करने तथा गांव में नशे के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाने की मांग की है।महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि शराब बिक्री पर रोक लगाने के लिए जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन की रणनीति बनाएंगी।

जमीन बेचना है

52 डिसमील

बस स्टैण्ड के पास

भिलाई रोड

गायत्री मंदिर के सामने

मो. 7611166768

डॉ. मिनल नगपुरे

आपको जन्मदिवस की ढेरों शुभकामनाएं

- शुभेच्छु -

श्रीमती जानकी जी एस नगपुरे(मम्मी पापा)

श्रीमती प्रिंसी प्रवीण ठाकुर (बहन जीजा)

कु प्रिसा /परिसा ठाकुर (बहन बेटी)

समस्त नगपुरे परिवार ग्राम धपेरा मोहगांव(लालबर्रा)

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली

उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

हरछठ पर्व ,बलराम जयंती आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में बुधवार को हरछठ पर्व और भगवान श्री कृष्ण के बड़े भ्राता भगवान बलराम जी की जयंती, हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी।जहां हरछठ पर्व और बलराम जयंती पर जिले भर में जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन होंगे।जो देर शाम तक जारी रहेंगे।जहां इस पर्व विशेष पर सुहागन महिलाएं अपनी संतान की दीर्घायु के लिए निर्जल व्रत धारण करेंगी, तो वही विशेष पूजा अर्चना के साथ परिवार की सुख, समृद्धि, यश ,कीर्ति, पारिवारिक सुख सहित अन्य मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मन्नते मांगेगी। वही भगवान बलराम जी की जयंती पर खासतौर पर ग्रामीण अंचलों में विशेष पूजा अर्चना के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।

बाजार हुए गुलजार ,महिलाओं ने खरीदी पूजन सामग्री

बात अगर हरछठ व्रत और बलराम जयंती की करें तो बालाघाट जिले में हरछठ व्रत और बलराम जयंती प्रतिवर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है और जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं। बालाघाट जिले में यह पर्व बड़ी ही आस्था, विश्वास और श्रद्धा के साथ व्रतधारी महिलाओं के घर में मनाया जाता है,जहां महिलाओं को पूजा के लिए आमंत्रित किया जाता है और पूजन उपरांत उन्हें बांस से बनी टोकरी में लाई, महुआ, चने और पूजन में चढ़े फलों का प्रसाद वितरित किया जाता है।इस विशेष पर्व की तैयारी को लेकर हरछठ व्रत से एक दिन पूर्व अर्थात मंगलवार 1 सितंबर को पूजन सामग्री खरीदने महिलायें भारी संख्या में बाजार पहुंची, जहां से पूजन सामग्री के अलावा पूजन में च ?ने वाले फल और बांस से बनी छोटी टोकनियों की खरीददारी की गई।

संतान की दीर्घायु के लिए, होंगी विशेष पूजा

आज हरछठ का व्रत नगर मुख्यालय सहित पूरे जिले में विधिविधान से मनाया जायेगा।जहां व्रतधारी महिलाएं विशेष पूजा अर्चना कर संतान की सुख समृद्धि परिवार के यश कीर्ति आदि की मंगल कामनाएं करेंगी। वही शाम को एक निश्चित समय अवधि में व्रत तोड़कर जल और मिष्ठान ग्रहण करेंगी।धार्मिक मान्यता के अनुसार हरछठ पर्व के दिन महिलायें अपने संतान की दीर्घायु और उसके स्वस्थ्य जीवन की कामना के लिए व्रत रखकर पूजन आदि करती हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान हलधर यानी कि बलराम जी उनके पुत्रों को लंबी आयु प्रदान करते हैं। वहीं संतान उत्पत्ति की भी कामना पूरी करते हैं। इस दिन अपनी संतान की लंबी उम्र की कामना के साथ माताएं पूरे मन से पूजन करती हैं। माना जाता है कि जो माताएं इस व्रत को करती हैं उनके पुत्र के जीवन पर आए संकट दूर होते हैं।हिंदू पंचांग के मुताबिक हरछठ आज बुधवार 2 सितंबर को है।ऐसा कहा जाता हैं की इस दिन जोता बोया अन्न नहीं खाना चाहिये। इसलिए इस व्रत में पसही के चावल और महुए की मिठास से बनी चीजे खा कर व्रत खोला जाता है।

खड़गे के कार्यक्रम स्थल के कथित 'शुद्धिकरण' पर कांग्रेस का हल्लाबोल

राहुल गांधी पर एफआईआर के विरोध में हनुमान चौक पर जोरदार धरना-प्रदर्शन, कांग्रेस बोली—यह लोकतंत्र और संविधान का अपमान

कथित जातिगत भेदभाव के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस, एफआईआर वापस लेने और 'शुद्धिकरण' मामले में निष्पक्ष जांच की मांग

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ दलित नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम के बाद कार्यक्रम स्थल पर कथित रूप से गंगाजल का छिड़काव कर 'शुद्धिकरण' किए जाने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। इसी मामले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा और आरएसएस पर कथित जातिवादी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए मंगलवार रात नगर में जोरदार प्रदर्शन किया।राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा हनुमान चौक पर धरना-प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने वाले राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का प्रयास है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और एफआईआर वापस लेने की मांग की।

राहुल गांधी पर एफआईआर को बताया उल्टा चोर कोतवाल को डांटे जैसा

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कथित घटना को लेकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। कांग्रेस के अनुसार इसके बजाय राहुल गांधी के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर दी गई।उन्होंने इसे उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली स्थिति बताते हुए राहुल गांधी ने सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि संविधान में निहित समानता और सामाजिक न्याय की बात करना अपराध नहीं हो सकता।

कांग्रेस डरने वाली नहीं, सड़क से संसद तक लड़ेगी लड़ाई

धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी किसी भी प्रकार के जातिगत भेदभाव और छुआछूत की मानसिकता को स्वीकार नहीं करेगी। नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर के जरिए कांग्रेस की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी लोकतंत्र, संविधान, समानता और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर अपनी लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि यदि समाज के किसी वर्ग के साथ भेदभाव होता है तो उसके खिलाफ आवाज उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है।

एफआईआर वापस लेने और कथित 'शुद्धिकरण' की निष्पक्ष जांच की मांग

धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दो प्रमुख मांगें उठाई। पहली मांग राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने की रही। वहीं दूसरी मांग हल्द्वानी में कार्यक्रम स्थल पर कथित 'शुद्धिकरण' किए जाने के मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की रही।कांग्रेस नेताओं का कहना था कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि वास्तविक तथ्य सामने आ सकें और यदि किसी स्तर पर कानून का उल्लंघन हुआ है तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जा सके।

हनुमान चौक पर जुटे कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता

धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान श्याम पंजवानी, कैलाश साहू, राजेश ठाकुर, अनिल बनोटे, शमीम सिद्दीकी, अल्लाह रखा, छविराम पंचेश्वर, निर्मल कल्लू सोनी, डॉ. अमर बिसेन, निखिल गौतम, गुलाबचंद नागपुरे, केवल सिंह झरिया, राम सिंह भाटिया, अफरोज खान, राजू यादव, शब्बीर पटेल, प्रकाश पप्पू मदनकर, शानू राय, धर्मेंद्र बोपचे, जुबेदा अंसारी, उषा मिश्रा, विनोद वंशकार, डॉ. मुकेश वरकडे, डॉ. दुर्गा वरकडे, सुमन केवलानी, सीमा सिंह, मधु चौक, तेजलाल सुलाखे, संतोष बाहेश्वर, फिरोज कुरैशी, राजू बॉस सहित अनेक कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दलित नेता के कार्यक्रम के बाद 'शुद्धिकरण' शर्मनाक- श्याम

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए ब्लाक कांग्रेस कमेटी नगर अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, सम्मान और गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार देता है। ऐसे में देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम के बाद कार्यक्रम स्थल का कथित रूप से 'शुद्धिकरण' किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा कि यदि किसी दलित नेता के कार्यक्रम के बाद किसी स्थान को कथित रूप से 'अपवित्र' मानकर उसका शुद्धिकरण किया जाता है तो यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं है, बल्कि दलित, आदिवासी और वंचित समाज के सम्मान से जुड़ा गंभीर सवाल है।कांग्रेस ने कहा कि देश को संविधान और समानता के रास्ते पर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, न कि जाति के आधार पर भेदभाव की मानसिकता को बढ़ावा देने की।

बैगा बच्चों की मौत पर अब नगर में होंगा राष्ट्रीय महाधरना, जुटेंगे देशभर के आदिवासी संगठन

5 सितंबर को आंबेडकर चौक में होगा प्रदर्शन; 18 ट्रायबल राज्यों के प्रतिनिधी होंगे शामिल, 3 सितंबर के बालाघाट बंद को भी पूरा समर्थन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर-बिरसा क्षेत्र में बैगा आदिवासी बच्चों की मौत का मामला अब स्थानीय आंदोलन से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की तैयारी है। आदिवासी समाज संगठन ने मृत बैगा बच्चों को न्याय दिलाने और प्रभावित आदिवासी क्षेत्रों की बदहाल स्वास्थ्य एवं मूलभूत सुविधाओं को लेकर 5 सितंबर को नगर के आंबेडकर चौक में राष्ट्रीय महाधरना प्रदर्शन आयोजित करने की घोषणा की है।उक्त जानकारी सर्व आदिवासी समाज संगठन के अध्यक्ष भुवनसिंह कोर्राम ने 1 सितंबर मंगलवार देर शाम आयोजित एक पत्रकारवार्ता के दौरान दी।उन्होंने दावा किया कि इस राष्ट्रीय महाधरने में देश के करीब 18 ट्रायबल राज्यों के आदिवासी संगठनों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि शामिल होंगे। आंदोलन के दौरान प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के साथ मृत बच्चों के परिवारों को न्याय और आर्थिक सहायता देने की मांग की जाएगी।

दिल्ली में हुई बैठक में उठा बैगा बच्चों की मौत का मुद्दा

भुवनसिंह कोर्राम ने बताया कि गत दिनों दिल्ली में राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति की कोर कमेटी की बैठक आयोजित हुई थी। यह समिति आदिवासी समाज से जुड़े राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर संघर्ष करती है।उन्होंने कहा कि बैठक में बालाघाट के बैहर क्षेत्र में हुई बैगा आदिवासी बच्चों की मौतों के मामले पर भी गंभीरता से चर्चा हुई। संगठन का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में विशेष रूप से संरक्षित जनजाति के बच्चों की मौत का मामला केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय है।उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आवाज उठाने और केंद्र तथा राज्य सरकार के समक्ष जवाबदेही तय करने की मांग रखी जाएगी।

3 सितंबर के बालाघाट बंद को पूरा समर्थन

अध्यक्ष भुवनसिंह कोर्राम ने बताया कि 3 सितंबर को बालाघाट बंद के आह्वान को आदिवासी संगठन का पूरा समर्थन है। उन्होंने कहा कि बैगा बच्चों की मौत के मामले में पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए तथा मौतों के लिए यदि किसी अधिकारी या जिम्मेदार व्यक्ति की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि बच्चों की मौत को लेकर समाज में आक्रोश है और इसी आक्रोश को लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन के माध्यम से प्रशासन और सरकार तक पहुंचाया जाएगा।

80 साल बाद भी बैगा अंचल में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

अध्यक्ष भुवनसिंह कोर्राम ने कहा कि आजादी के 80 साल बाद भी आदिवासी क्षेत्रों में लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि आदिवासी क्षेत्रों के विकास के नाम पर करोड़ों रुपये की राशि उपलब्ध कराई जाती है, लेकिन इसका अपेक्षित लाभ धरातल पर नजर नहीं आता।उन्होंने विशेष रूप से स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आज भी ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ता है। उनके अनुसार कई बैगा परिवार आज भी झिरिया के पानी पर निर्भर हैं।उन्होंने शिक्षा व्यवस्था और आंगनबाड़ी सुविधाओं का भी उल्लेख करते हुए कहा कि कई क्षेत्रों में पर्याप्त शैक्षणिक एवं बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं है।

बैगा विशेष रूप से संरक्षित जनजाति, फिर भी हालात चिंताजनक

भुवनसिंह कोर्राम ने कहा कि बैगा जनजाति विशेष रूप से संरक्षित जनजातीय समूह में शामिल है। ऐसे समुदाय के लोगों तक शासन की योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।उन्होंने आरोप लगाया कि बैगा जनजाति के विकास के लिए मिलने वाली राशि का उपयोग अपेक्षित तरीके से नहीं हो रहा है। संगठन अब इस बात की जांच की मांग करेगा कि आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए प्राप्त करोड़ों रुपये की राशि कहां खर्च हुई और उसका धरातल पर कितना लाभ पहुंचा।

शीतकालीन सत्र में उठेगा मामला

आदिवासी संगठन ने बैगा बच्चों की मौत के मामले को संसद के शीतकालीन सत्र में भी उठाने की तैयारी की है। भुवनसिंह कोर्राम ने कहा कि सांसदों के माध्यम से बैगा क्षेत्रों की स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और विकास योजनाओं से जुड़े मुद्दे संसद में उठाए जाएंगे।संगठन यह भी मांग करेगा कि आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए मिली राशि के उपयोग की जांच हो और यह पता लगाया जाए कि योजनाओं का वास्तविक लाभ विशेष रूप से संरक्षित बैगा जनजाति तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है।

5 सितंबर को आंबेडकर चौक से निकलेगी विशाल रैली

राष्ट्रीय महाधरना प्रदर्शन के दौरान आंबेडकर चौक से विशाल रैली निकाले जाने की तैयारी है। संगठन के अनुसार रैली कालीपुतली चौक और जयस्तंभ चौक होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचेगी। यहां जिला प्रशासन को विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा जाएगा।भुवनसिंह कोर्राम ने बताया कि राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति की कोर कमेटी के प्रमुख पदाधिकारी और नेता भी महाधरने में शामिल होने वाले हैं।आंदोलन में शामिल राष्ट्रीय स्तर के प्रतिनिधियों को प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण भी कराया जाएगा, ताकि वे मौके पर आदिवासी परिवारों की वास्तविक स्थिति देख सकें।

राष्ट्रीय मंच पर उठेगा बालाघाट के बैगा बच्चों की मौत का मुद्दा

आदिवासी संगठन ने कहा है कि 5 सितंबर का महाधरना केवल एक दिन का प्रदर्शन नहीं, बल्कि बैगा समाज के अधिकारों और मूलभूत सुविधाओं को लेकर व्यापक आंदोलन की शुरुआत होगी। संगठन का कहना है कि मृत बच्चों के परिवारों को न्याय, आर्थिक सहायता, जिम्मेदारों पर कार्रवाई और प्रभावित क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। भुवनसिंह कोर्राम ने आदिवासी समाज के लोगों से बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि यह लड़ाई केवल मृत बच्चों के परिवारों की नहीं, बल्कि बैगा समाज के हक, अधिकार और सम्मान की लड़ाई है।

मर्री टोल पर कल गरजेंगे ट्रांसपोर्टर-व्यापारी संघ

लोकल वाहनों से टोल वसूली के विरोध में 3 सितंबर को प्रदर्शन, कलेक्टर-सांसद से चर्चा के बाद भी नहीं निकला समाधान, एक माह से चल रही कवायद बेनतीजा, समय सीमा खत्म होने के बाद संगठनों ने लिया आंदोलन का निर्णय

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। बालाघाट-गोंदिया हाईवे पर स्थित मर्री टोल प्लाजा पर स्थानीय वाहनों से टोल टैक्स वसूली को लेकर विवाद अब आंदोलन की ओर बढ़ गया है। लोकल वाहनों से टोल वसूली बंद कराने की मांग को लेकर जिले के विभिन्न परिवहन एवं व्यापारी संगठनों ने 3 सितंबर को मर्री टोल प्लाजा पहुंचकर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। संगठनों ने प्रशासन को प्रदर्शन की लिखित सूचना भी दे दी है। स्थानीय वाहन मालिकों और व्यवसायियों का कहना है कि मर्री टोल प्लाजा पर बालाघाट के लोकल वाहनों से टोल वसूली शुरू होने के बाद परिवहन कारोबार से जुड़े लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। खासकर ट्रक ट्रांसपोर्ट, बस संचालन, सब्जी एवं अनाज मंडी से जुड़े वाहनों तथा अन्य मालवाहक वाहनों के लगातार आवागमन के कारण यह खर्च कारोबारियों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है।

कलेक्टर से लेकर सांसद तक रखी मांग, फिर भी नहीं बनी बात

लोकल वाहनों से टोल वसूली के मामले को लेकर संगठनों ने पहले प्रशासन के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी।4 अगस्त को कलेक्टर से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा गया, जिसमें स्थानीय वाहनों को टोल वसूली से राहत देने की मांग रखी गई। इसके बाद 5 अगस्त को मर्री टोल प्लाजा पहुंचकर एनएचएआई के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा की गई। संगठनों ने स्थानीय वाहनों से टोल वसूली के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया।मामला यहीं नहीं रुका। 26 अगस्त को सांसद से भी चर्चा कर समस्या के निराकरण की मांग की गई। बताया गया कि संबंधित स्तर पर समस्या के समाधान के लिए 1 सितंबर तक का समय दिया गया था। लेकिन समय सीमा समाप्त होने के बाद भी कोई ठोस समाधान सामने नहीं आने पर परिवहन एवं व्यापारी संगठनों में नाराजगी बढ़ गई।

एकजुट हुए कई संगठन, सड़क पर उतरने का फैसला

1 सितंबर की बैठक में सर्वसम्मति से लिया निर्णय

समस्या के समाधान को लेकर लगातार प्रयासों के बावजूद बात नहीं बनने पर 1 सितंबर को विभिन्न संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूरे मामले पर चर्चा के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अब शांतिपूर्ण तरीके से मर्री टोल प्लाजा पहुंचकर प्रदर्शन किया जाएगा।बैठक में बालाघाट ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, बस एसोसिएशन, सब्जी मंडी यूनियन, थोक अनाज यूनियन, बैनगंगा मजदूर संघ, जय हिंद टॉकीज मालवाहक यूनियन, सीमेंट-लोहा यूनियन सहित अन्य संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।संगठनों का कहना है कि लगातार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष अपनी समस्या रखने के बावजूद यदि समाधान नहीं होता है तो स्थानीय वाहन मालिकों और व्यापारियों के हित में आंदोलन करना मजबूरी बन गया है।

लोकल वाहनों पर टोल का अतिरिक्त भार क्यों?

परिवहन एवं व्यापारी संगठनों के अनुसार स्थानीय स्तर पर संचालित वाहनों को बार-बार मर्री टोल प्लाजा से गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रत्येक आवागमन पर टोल देना पड़ने से वाहन संचालन की लागत बढ़ रही है। इसका सीधा असर ट्रांसपोर्ट कारोबार, मंडियों से जुड़े व्यापार और माल ढुलाई पर पड़ने की बात कही जा रही है।संगठनों का तर्क है कि स्थानीय कारोबार से जुड़े वाहनों के लिए ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे उन्हें बार-बार टोल भुगतान के अतिरिक्त आर्थिक बोझ से राहत मिल सके।

मांग पूरी नहीं हुई तो आगे भी आंदोलन की चेतावनी

विभिन्न संगठनों ने प्रशासन को प्रदर्शन की पूर्व सूचना देते हुए मामले में शीघ्र उचित निर्णय लेने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि 3 सितंबर को मर्री टोल प्लाजा पहुंचकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के माध्यम से अपनी मांग अधिकारियों के समक्ष रखी जाएगी। प्रदर्शन में स्थानीय वाहन मालिकों, ट्रांसपोर्टरों और व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। संगठनों ने स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य लोकल वाहनों से टोल वसूली के कारण पड़ रहे आर्थिक भार से राहत दिलाना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि का किया वितरण

बालाघाट जिले के मेधावी विद्यार्थियों की मेहनत का सम्मान, 4,071 छात्र-छात्राओं को मिली लैपटॉप की 10.17 करोड़ रुपये की राशि

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना-2026 के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय हेतु राशि वितरण का राज्य स्तरीय कार्यक्रम आज 1 सितंबर को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल), भोपाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के बैंक खातों में लैपटॉप क्रय हेतु राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों से प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले पात्र विद्यार्थियों को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय के लिए प्रदान की गई। बालाघाट जिले में योजना के अंतर्गत कुल 4,071 विद्यार्थी पात्र हैं। इनमें 1,520 बालक एवं 2,551 बालिकाएं शामिल हैं। जिले के इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय हेतु कुल 10 करोड़ 17 लाख 75 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जिले के समस्त हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में किया गया। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालयीन स्टाफ ने सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में भी यह महत्वपूर्ण पहल रही।

आमाटोला ददिया के शास. प्राथ. स्कूल में बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पढ़ाई करने को मजबूर बच्चें

शौचालय क्षतिग्रस्त, भवन निर्माण के 4 साल में ही उखड़ने लगी टाइल्स, बच्चों एवं शिक्षकों को हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया के अंतर्गत आने वाली ग्राम आमाटोला स्थित शास. प्राथमिक स्कूल की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। महज 4-5 वर्ष पूर्व बने नवीन स्कूल भवन और परिसरों में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी के कारण यहां पढ़ाई करने वाले ब'चों और शिक्षकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि करीब 11 लाख रूपयों की लागत से नवीन भवन का निर्माण किया गया है। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण निर्माण के कुछ साल बाद ही कमरों में लगी टाइल्स उखडने लगी है एवं दीवारों पर दरारे आने लगी है। साथ ही स्कूल परिसर में स्थित शौचालय भी क्षतिग्रस्त हो चुका है जिसका अब तक मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। ऐसी स्थिति में अगर बच्चों को शौचालय लगता है तो वे अपने घर जाते है। वहीं शिक्षकों को बाहर जाना पड़ रहा है। साथ ही हेंडपंप भी खराब है, अगर नल-जल योजना का पानी नही आने पर दुर स्थित हेंडपंप से मध्यान्ह भोजन के लिए रसोईयों एवं प्यास लगने पर बच्चों को पानी लाना पडता है। वहीं स्कूल तक पहुंच मार्ग में गंदगी होने से बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि भवन निर्माण पंचायत के माध्यम से करवाया गया है और स्कूल की समस्या से पंचायत के सरपंच, सचिव एवं जिम्मेदारों को भी अवगत करवा दिया गया है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इस तरह से आमाटोला ददिया के शासकीय प्राथमिक स्कूल के भवन की दयनीय स्थिति के साथ ही बुनियादी सुविधाओं के अभाव में बच्चें पढ़ाई करने मजबूर है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे अभिभावक एवं बच्चों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

4-5 साल में ही उखड़ने लगीं टाइल्स, निर्माण कार्य पर सवाल

आपकों बता दे कि आमाटोला ददिया स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल का भवन पूर्व में कच्चा था, जो जीर्णशीर्ण हो जाने के बाद बच्चों को पढ़ाई एवं शिक्षकों को अध्यापन कार्य करवाने में परेशानी होती थी। जिसके बाद शासन से नवीन भवन निर्माण स्वीकृत होने के बाद करीब 11 लाख रूपयों की लागत से 4 से 5 वर्ष पूर्व नवीन भवन का निर्माण किया गया है। वहीं भवन के साथ ही शौचालय का भी निर्माण किया गया है। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण निर्माण के कुछ साल बाद ही टाइल्स उखडने लगी है। ताज्जुब की बात यह है कि शौचालय का टेक नल-जल योजना की पाइपलाइन के समीप किया गया है, ऐसी स्थिति में पानी दुषित हो रहा है। वहीं शौचालय भी क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिसकी मरम्मत हेतु पंचायत को दिसंबर 2025 में स्कूल प्रशासन एवं ग्रामीणों के द्वारा अवगत करवा दिया गया है। लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इस तरह से स्कूल में विभिन्न समस्या बनी हुई है जिससे सबसे अधिक परेशानी बच्चों को हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि भवन निर्माण के दौरान भारी अनियमितता बरती गई है। 4-5 साल पहले बनी इस इमारत का फर्श जर्जर हो चुका है और जगह-जगह से टाइल्स उखड़ चुकी हैं। इसके चलते बच्चों को बैठने और पढ़ाई करने में काफी असुविधा होती है।

शौचालय क्षतिग्रस्त, खुले में जाने को मजबूर

स्कूल परिसर में बना शौचालय पूरी तरह से खराब और बदहाल स्थिति में है। सेप्टिक टैंक का निर्माण भी गुणवत्ताहीन (कच्चा/जालीदार) किया गया है। शौचालय की सुविधा न होने के कारण बच्चों को अचानक आवश्यकता पड़ने पर अपने घर या बाहर जाना पड़ता है, वहीं शिक्षकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं स्कूल में लगा हैंडपंप खराब पड़ा है। नल-जल योजना के तहत भी नियमित पानी की आपूर्ति नहीं हो पाती है। जिस दिन नल का पानी नहीं आता, उस दिन मध्यांह भोजन बनाने और बच्चों के पीने के लिए रसोइया को दूर स्थित हेंडपंप से पानी लाना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा स्कूल की समस्या को दुर करने हेतु कोई प्रयास नही किये जा रहे है जिससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

भवन निर्माण में बरती गई है अनियमितता - चंद्रकुमार

चंद्रकुमार बिसेन ने बताया कि आमाटोला ददिया में 4 से 5 वर्ष पूर्व करीब 11 लाख रूपयों की लागत से पंचायत एजेंसी के द्वारा स्कूल के भवन का निर्माण किया गया लेकिन निर्माण कार्य में अनियमितता बरती गई है। निर्माण के कुछ साल बाद ही टाइल्स उखड़ने लगी है, शौचालय क्षतिग्रस्त हो चुका है, पानी की समस्या बनी हुई है। इस समस्या से पंचायत को पूर्व में अवगत करवा दिया गया है लेकिन उनके द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। श्री बिसेन ने बताया कि स्कूल में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जिम्मेदारों से मांग है कि स्कूल भवन एवं शौचालय का मरम्मत कार्य करवाये ताकि बच्चों को अच्छी सुविधा मिले।

पंचायत को समस्या से करवा दिया गया है अवगत - सुनिल

प्राथमिक शिक्षक सुनिलकुमार हिरकने ने बताया कि कमरों में लगी टाइल्स उखड़ने लगी है एवं शौचालय भी क्षतिग्रस्त है, इस समस्या से पंचायत को दिसंबर 2025 में अवगत करवा दिया गया है, लेकिन अब तक मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। साथ ही स्कूल में पानी की भी समस्या बनी हुई है। आगे बताया कि शौचालय क्षतिग्रस्त होने से बच्चों सहित शिक्षकों को भी परेशानी हो रही है इसलिए हमारी मांग है कि उसका जल्द मरम्मत कार्य किया जाये।

बघोली में जनदर्शन कार्यक्रम में विधायक ने ग्रामीणों की सुनीं समस्याएं, मौके पर दिये निराकरण के निर्देश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ ग्राम पंचायत बघोली में मंगलवार को भूमिपूजन, लोकार्पण एवं 'जनदर्शन' कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विधायक

श्रीमती मुंजारे ने ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ पैदल चलकर विकास कार्यों के स्थलों का दौरा किया। इस दौरान विधायक श्रीमती मुंजारे ने ग्राम पंचायत स्तर पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने वाले कई विकास कार्यों के तहत 15 वें वित्त आयोग (पंचायत निधि) से स्वीकृत 6 लाख रूपये की लागत से बनने वाले 3 नये शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का भूमिपूजन। विधायक निधि से निर्मित डॉ. भीमराव आंबेडकर, ज्योतिबाराव फुले एवं सावित्रीबाई फुले सभामंच, वार्ड नंबर 20 में नई स्ट्रीट लाइट व्यवस्था का लोकार्पण किया। वहीं भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम के पश्चात पंचायत भवन परिसर में जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती, डॉ. भीमराव आंबेडकर, महात्मा ज्योतिबाराव फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया गया। जनदर्शन कार्यक्रम में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं को सुना। वहीं त्वरित समाधान की दिशा में कदम उठाते हुए उन्होंने मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को फोन लगाकर जनसमस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिये। इस दौरान सरपंच एवं ग्रामीणों ने भी विधायक महोदया से ग्राम विकास हेतु बघोली गोंडी मोहल्ला से कटंगटोला, ओपन जिम, हायर सेकेण्डरी स्कूल के नवीन भवन का जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने सहित अन्य ज्वलंत समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने आश्वस्त किया गया है।

कीचड़युक्त मार्ग का निरीक्षण, सड़क निर्माण का मिला आश्वासन

कार्यक्रम के दौरान विधायक श्रीमती मुंजारे ने बघोली गोंडी मोहल्ला से कटंगटोला तक जाने वाले पहुंच मार्ग का जमीनी निरीक्षण किया। बारिश के कारण यह मार्ग पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो चुका है। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों, किसानों और स्कूली छात्र-छात्राओं ने विधायक को आवागमन में हो रही परेशानियों से अवगत करवाये। जिस पर विधायक श्रीमती मुंजारे ने जल्द से जल्द इस मार्ग को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना या ग्रेवल सड़क से जोड़कर पक्का निर्माण करवाने आश्वस्त किया है। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती मुंजारे ने कहा कि सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्रत्येक ग्राम तक पहुंचाना हमारा संकल्प है। साथ ही यह भी कहा कि विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में आवश्यकता के अनुरूप विकास कार्य निरंतर करवाये जायेगें। इस अवसर पर बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल, उपसरपंच देवराम महेरकर, जनपद सदस्य श्रीमती रजवन झनकारसिंह उइके, पूर्व सरपंच शहजादा पटेल, मुकेश समरित, राजेश बघेल, बाबूलाल कटरे, नजब खान, फईम खान, आरिफ खान, देवराम कुड़वेती, सेवानिवृत्त शिक्षक सुखचंद रहांगडाले, पन्नालाल समरित, खेमलाल साहू, कैलाश रंगारे, राजेश टेम्भरे, मनोज समरित, मनीराम रहांगडाले, जियालाल साटोने, कमलेश खरोले, कृपाशंकर साटोने, विपिन साहू, सत्यसील मेश्राम, शंकरलाल माने, आशीष बारेकर, नारायण यादव, गौरीशंकर समरित, तेजराम पटले, उपयंत्री अनुराग यादनिक, पंचायत सचिव लक्ष्मीप्रसाद सोनवाने, सहायक सचिव महेंद्र चौधरी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा बिसेन, निशा कटरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सब्जी बेचने वाली की बेटी बनी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट जेजेए परीक्षा की टॉपर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। कहते हैं-जहां चाह होती है, वहां राह जरूर निकलती है। परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत क्यों न हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत में ईमानदारी हो तो सफलता की राह में कोई अभाव बाधा नहीं बन सकता। इस बात को सच साबित किया है बालाघाट जिले की तीन बेटियों ने, जिन्होंने अपने निकटवर्ती राज्य छत्तीसगढ़ की हाईकोर्ट जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट (जेजेए) परीक्षा में शानदार सफलता अर्जित कर जिले का नाम रोशन किया है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट द्वारा आयोजित जेजेए परीक्षा 2025 का परिणाम 31 अगस्त की शाम को घोषित किया गया। इन तीन बेटियों में ग्राम गर्रा की कु. रेशमा बनवाले ने अनारक्षित प्रवर्ग में प्रथम स्थान हासिल कर टॉप किया है। मुख्य परीक्षा में निर्धारित 50 अंकों में से रेशमा ने 49.5 अंक प्राप्त किए। उनकी इस उपलब्धि को इसलिए भी विशेष माना जा रहा है, क्योंकि रेशमा का परिवार आर्थिक रूप से बेहद सामान्य परिस्थितियों से गुजरता है। उनके पिता का निधन हो चुका है और परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनकी माँ श्रीमती लक्ष्मी बनवाले के कंधों पर है। गर्रा चौक पर छोटी-सी गुमटी लगाकर सब्जी बेचने वाली लक्ष्मी बनवाले ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने परिवार का पालन-पोषण किया और बेटी की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। जिस माँ के हाथ दिनभर सब्जियां बेचकर परिवार का पेट पालने में व्यस्त रहते थे। उसी माँ ने अपनी बेटी के सपनों को पंख देने के लिए उसे उच्च शिक्षा दिलाई। आज उसी बेटी ने छत्तीसगढ़

हाईकोर्ट की प्रतिष्ठित परीक्षा में टॉप कर अपनी माँ के संघर्ष को सफलता में बदल दिया है। वहीं रेशमा की कहानी केवल एक परीक्षा में प्रथम आने की कहानी नहीं, बल्कि यह उस माँ की तपस्या और बेटी के संकल्प की कहानी है, जिसने अभावों को अपनी मंजिल के रास्ते में आड़े नहीं आने दिया। वहीं रेशमा की सफलता के साथ ही बालाघाट की दो अन्य बेटियों ने भी इसी परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। बैहर की कु. सावि धानेश्वर ने अनारक्षित प्रवर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। जिन्होने 50 में से 49.25 अंक हासिल किए हैं। वहीं लांजी की कु. अलका चंद्रवंशी ने अनारक्षित प्रवर्ग में 25 वां स्थान प्राप्त कर सफलता हासिल की है। खास बात यह है कि तीनों ही बेटियां बालाघाट जिले से हैं और उन्होंने प्रख्यात प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शक डामेन्द्र धानेश्वर के मार्गदर्शन में अध्ययन करते हुए यह मुकाम हासिल किया है। स्वयं डामेन्द्र धानेश्वर अपने समय में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की परीक्षा में टॉपर रह चुके हैं। तीनों बेटियों की सफलता ने यह भी साबित किया है कि छोटे शहरों और सामान्य परिवारों से आने वाले विद्यार्थी भी यदि सही मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत करें तो बड़े से बड़े प्रतियोगी परीक्षा परिणाम में अपनी जगह बना सकते हैं।

125 पदों की परीक्षा में छत्तीसगढ़ से बाहर के अभ्यर्थियों के लिए केवल 46 अवसर

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट द्वारा जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के 125 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी। इनमें 46 पद अनारक्षित प्रवर्ग के लिए थे। छत्तीसगढ़ राज्य के बाहर के अभ्यर्थी केवल अनारक्षित प्रवर्ग में ही आवेदन कर सकते थे। ऐसे में बालाघाट की इन बेटियों के लिए प्रतिस्पर्धा और भी चुनौतीपूर्ण थी। वहीं तीनों बेटियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डामेन्द्र धानेश्वर ने कहा कि यह उपलब्धि केवल तीन विद्यार्थियों की सफलता नहीं है, बल्कि यह उन तमाम विद्यार्थियों के लिए उम्मीद की किरण है जो सीमित संसाधनों के बावजूद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। विशेषकर गरीब और सामान्य परिवारों के बेटे-बेटियों को इससे यह विश्वास मिलेगा कि मेहनत, सही दिशा और निरंतरता के बल पर वे भी बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर सकते हैं।

नेवरगांव ला. हायर सेकेण्डरी स्कूल में दो दिवसीय जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सोमवार से जारी दो दिवसीय जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का मंगलवार को समापन किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल की उभरती खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए एक सुदृढ़ मंच प्रदान करना था। आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान मैदान पर खिलाड़ियों की गति, फुर्ती और उत्कृष्ट खेल कौशल ने दर्शकों तथा खेल प्रेमियों को खासा रोमांचित किया। वहीं बालक-बालिका में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग से उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित बालक-बालिकाएं अब आगामी समय में संभागीय स्तर पर बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस तरह से दो दिवसीय जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में जिलेभर के

शासकीय/अशासकीय विद्यालयों की टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। यह दो दिवसीय जिला स्तरीय बालक-बालिका खो-खो प्रतियोगिता शासकीय उच्च. माध्य. विद्यालय नेवरगांव ला. के प्राचार्य राजेन्द्र कटरे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। चर्चा में शास. उमावि. नेवरगांव ला. के प्राचार्य आरके कटरे ने बताया कि सोमवार से जारी दो दिवसीय जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का मंगलवार को समापन किया गया। इस दौरान जिलेभर के स्कूलों के 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के विद्यार्थियों काखो-खो प्रतियोगिता संपन्न हुआ है और उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है। इस दो दिवसीय जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगित को संपन्न करवाने में विभिन्न स्कूलों से आये शिक्षक दिनेश राहंगडाले, आशा सुलाखे, अश्विनी भरणे, केके बावनकर, दिनेश कटरे, गणेश बोढ़े, इकबाल कुरैशी, रितेश मेरावी, निखिल लिल्हारे, लालचंद देवारे, प्रमोद शरणागत, युग बेलगे, ज्योति पंचेश्वर, अंकुश, चित्तरेखा, पंडेल, नेवरगांव ला. स्कूल के प्राचार्य आरके कटरे, क्रीडा प्रभारी लुकेश गौतम, ममता दांते, कांता राहंगडाले, केबी बिसेन, ओएस मर्सकोले, गीतेश्वरी खैरवार, विलास गजभिये, राधेश्याम ठाकरे, कु. हीना गेडाम सहित

मरार माली समाज के ब्लॉक पदाधिकारी, जिला प्रतिनिधि एवं प्रकोष्ठ प्रभारियों की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली निवासी मरार माली समाज ब्लॉक सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर के निवास स्थान पर 2 सितंबर को शाम 4 बजे से मरार माली समाज लालबर्रा ब्लॉक के पदाधिकारियों, जिला प्रतिनिधि एवं प्रकोष्ठ प्रभारियों की बैठक आहुत की गई है। चर्चा में ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश माते ने बताया कि आयोजित बैठक में ब्लॉक आमसभा में पारित निर्णय की हार्ड कापी तैयार करने, समिति पंजीयन, जिला आमसभा की कॉफी का गांव-गांव में प्रचार करने, महत्मा फुले के स्टेचू, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी। इस अवसर पर मरार माली समाज के ब्लॉक पदाधिकारी, जिला प्रतिनिधि एवं प्रकोष्ठ प्रभारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील श्री माते ने की है।

३ साल बाद भी मोहगांव खुर्द में नल-जल योजना अधूरी

भारी अनियमितता से आक्रोशित ग्रामीणों ने पीएचई एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द में प्रधानमंत्री नल जल योजना विभागीय उपेक्षा और भारी अनियमितताओं की भेंट चढ़ चुकी है। योजना की स्वीकृति के तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी कार्य अधूरा पड़ा है,जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के लिए तरसना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या से आक्रोशित ग्रामवासियों ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी विजय तिवारी को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य जल्द पूर्ण कराने और सुचारू जलापूर्ति की मांग की है।

अधूरी योजना गंदे पानी की सप्लाई से बीमारी का खतरा

ज्ञापन में बताया की ग्राम मोहगाँव खुर्द में लगभग तीन वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री नल जल योजना की स्वीकृति मिली थी। जिसको लेकर ग्रामीणों में बेहद हर्ष का माहौल बना हुआ था परंतु एक लंबा समय बचने के बाद भी योजना आज तक पूर्ण नहीं हो पाई है जिससे लोगों का उत्साह निराशा में बदल गया है। इस दौरान ग्राम के लोगों को पर्याप्त पानी योजना के माध्यम से नहीं मिल पा रहा है ग्राम के अधिकांश लोगों को पारंपरिक जल स्रोत या पीने के लिए दूर दराज से पानी लाकर अपनी पूर्ति करनी पड़ रही है। ऐसे में ग्रामीणों में बेहद आक्रोश व्याप्त है जिसको लेकर पूर्व में कई बार शिकायत एवं मांग की जा चुकी है। परंतु वर्तमान तक उक्त समस्या पर कोई गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया है ,जिसका परिणाम है कि आज भी ग्रामीणों को शासन की लाखों की नल जल योजना से पानी का वितरण सुचारु नहीं हो पा रहा है। ग्राम के कुछ ही स्थान पर यह पानी पहुंच पा रहा है। ग्राम के अंदर जो पाइपलाइन का विस्तार है वह भी अधूरा है गंदा पानी नलों से निकल रहा है ऐसे में स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें होने की संभावना बनी हुई है।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने यह रखी मांग

ज्ञापन में ग्रामीणों के द्वारा प्रमुख रूप से मांग की गई है कि गाँव के सभी घरों तक अभी तक पानी के कनेक्शन ही नहीं पहुँच पाए हैं। जिन घरों में कनेक्शन दिए भी गए हैं वहाँ सुचारू रूप से पानी का वितरण नहीं किया जा रहा है। वाल्व कनेक्शन की जगह से पाइपलाइन में बेहद गंदा पानी आ रहा है,जिससे गाँव में जलजनित बीमारियों और संक्रमण फैलने का गंभीर खतरा बना हुआ है। वार्ड क्रमांक १०,१२, और १३ में वाल्व ना लगाए जाने के कारण पानी के वितरण में भारी अव्यवस्था हो रही है। साथ ही वाल्व टैंक पर ढक्कन नही होने से सुरक्षा और स्वच्छता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामवासियों ने मांग की है कि ज्ञापन में उल्लिखित सभी समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए तत्काल सुधार कार्य कराया जाए ताकि ग्रामीणों को सुगमता से स्वच्छ पेयजल मिल सके।

३ वर्ष बीत जाने के बाद भी नल जल योजना का कार्य पूर्ण नहीं है-झामसिंह बिसेन

ग्रामीण झामसिंह बिसेन ने बताया कि ग्राम पंचायत मोहगांव में ३ वर्ष हो गया है नल जल योजना स्वीकृत हुए आज तक योजना पूर्ण नहीं हुई है। कनेक्शन सभी घरों में नहीं मिल पाये हैं जो कनेक्शन है उसमें भी गंदा पानी पाइपलाइन से आ रहा है जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ा हुआ है। अभी बरसात का दिन चल रहा है वाल्व जो है वह लीकेज है जिससे गंदा पानी आ रहा है हम सभी यह समस्या लेकर यहां पर एसडीओ पीएचई से मिलने के लिए आए हुए हैं। निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हुआ है टंकी भी पूरी नहीं हुई है जबकि यह निर्माण तीन वर्षों से चल रहा है इसमें अब पंचायत पानी का वितरण कर रही है। हम चाह रहे हैं कि सभी को शुद्ध पेयजल मिले गंदे पानी पर रोक लगे और जल्द से जल्द योजना पूरी हो।

ग्रामीणों को नही मिल रहा नल जल योजना का पानी-रमेश राहगंडाले

ग्रामीण रमेश राहगंडाले ने बताया कि गर्मी से हमारे यहां नल जल की परेशानी बनी हुई है वाटर सप्लाई वाले से हमने बात भी किया किंतु हमारे यहां वाल्व कहीं नहीं लगाए हैं। अधिकारी बीच में आए थे उन्हें भी यह समस्याएं बताई गई है गड्ढों में गंदा पानी भरा हुआ है वह घर में आ रहा है। जो पाइपलाइन डाली गई है वह भी गलत है अधिकांश तो वार्ड नंबर १२ और १३ में समस्या है साथ ही ग्राम के और भी वार्ड है जहां लोग बाहर से पानी ला रहे हैं। पूरे गांव में चार वार्ड है जिसमें पानी जाता है वह भी निस्तार के उपयोग में ले रहे हैं हैंडपंप से पीने का पानी लाते हैं १०० मीटर से अधिक दूरी पर जाना पड़ रहा है। जहां समस्या है वहां ६ से ७ हैंडपंप है अधिकारी का कहना है कि ठेकेदार से चर्चा कर कार्य करवाया जाएगा।

ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट कर शासन द्वारा निर्धारित कार्यवाही के अनुसार आगे कार्य करवाया जाएगा-विजय तिवारी

एसडीओ विजय तिवारी ने बताया कि मोहगांव खुर्द में ठेकेदार के द्वारा कार्य किया जा रहा जहाँ रीवा की कंट्रक्शन कंपनी के द्वारा कार्य करवाया जा रहा है। परंतु इसमें देखने में आ रहा है कि कार्य में लापरवाही बारतने कार्य पूर्ण नही करने के कारण उन्हें ब्लैक लिस्ट करने के लिए पत्र वरिष्ठ कार्यालय को भेज दिया गया है। यदि वह ब्लैक लिस्ट हो जाते हैं तो शासन द्वारा निर्धारित कार्यवाही के अनुसार आगे कार्य करवाया जाएगा।

ठग महिला गिरोह सक्रिय,वृद्धा पेंशन निकालने आई महिला को झांसा देकर मंगलसूत्र, पायल और पेंशन के पैसे ठगे

बीमारी के इलाज का प्रलोभन देकर अज्ञात महिला ने बुजुर्ग को बनाया शिकार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के जय स्तंभ चौक पर दिनदहाड़े एक बुजुर्ग महिला को अपनी ठगी का शिकार बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। अज्ञात शातिर महिला ने शासकीय योजना के तहत बीमारी के इलाज के नाम पर १८०००० रूपये दिलाने का झांसा देकर पीडिता के सोने चांदी के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद पीडिता ने वारासिवनी थाना पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है जिसके बाद पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

शातिर महिला के झांसे में ऐसे फंसी वृद्धा

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर १० निवासी कमलाबाई पति स्व.मेखलाल टांडेकर अपने परिवार के साथ रहती हैं। उन्हें शासन की ओर से हर महीने वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त होती है। १ सितंबर की दोपहर करीब २.३० बजे कमलाबाई अपने आवश्यक दस्तावेज लेकर महाराष्ट्र बैंक के पास स्थित कियोस्क केंद्र से १५०० रूपये की पेंशन राशि निकालकर पैदल घर लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में एक अज्ञात महिला ने उन्हें रोक लिया और बातचीत के दौरान मनगढ़ंत कहानी सुनाते हुए कहा कि सरकार गंभीर रूप से बीमार बुजुर्गों को इलाज के लिए १८०००० की सहायता राशि दे रही है। भारी भरकम राशि का प्रलोभन देकर आरोपी महिला उन्हें जय स्तंभ चौक स्थित कमलापत के पास एक सुनसान जगह पर ले गई। झांसे में लेकर आरोपी महिला ने प्रक्रिया पूरी करने का बहाना बनाकर कमलाबाई के गले से सोने का मंगलसूत्र, पैर की चांदी की पायल और कियोस्क से निकाले गए १५०० रूपये नकद अपने पास रख लिए। इसके बाद पीड़िता को वहीं बैठाकर अभी वापस आती हूँ कहकर मौके से रफूचक्कर हो गई। जब १० मिनट बीत जाने के बाद भी महिला वापस नहीं लौटी तो पीड़िता को अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ और वह फूट.फूट कर रोने लगी। बुजुर्ग महिला को रोता देख आसपास मौजूद परिचितों ने तुरंत उनके परिजनों को सूचित किया। परिजनों के मौके पर पहुंचने के बाद पीडिता को लेकर पुलिस थाने पहुंचे जहाँ शिकायत दर्ज कराई।

क्षेत्र में पहले भी हो चुकी हैं ऐसी कई वारदातें

गौरतलब है कि वारासिवनी क्षेत्र में भोले भाले बुजुर्गों को निशाना बनाने वाले इस गिरोह की यह पहली वारदात नहीं है। इससे पूर्व भी बस स्टैंड, बसों के भीतर एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अज्ञात महिलाओं के द्वारा इसी तरह का प्रलोभन देकर बुजुर्ग महिलाओं के सोने चांदी के जेवर और नकदी पार करने की कई घटनाएं घटित हो चुकी हैं। पीडितों द्वारा पूर्व में भी थाने में शिकायतें दर्ज कराई गई हैं लेकिन अभी तक इस शातिर गिरोह का भंडाफोड़ नहीं हो सका है और ना ही किसी भी पीडिता को उनका सामान वापस मिला है। लगातार हो रही इन वारदातों से साफ है कि बेखौफ अपराधियों में पुलिस का कोई भय नहीं रह गया है। फिलहाल स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्कूल की बदहाली और शिक्षकों की कमी से नाराज पालकों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत किन्ही स्थित शासकीय प्राथमिक शाला मंदिर टोला में व्याप्त समस्याओं, जर्जर भवन और शिक्षकों की कमी को लेकर छात्र छात्राओं के पालकगणों का १ सितम्बर को गुस्सा फूट पड़ा। पालकों ने एकत्र होकर तहसीलदार खैरलांजी में तीरथ प्रसाद अक्षरिया को एक ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के जल्द से जल्द निराकरण की मांग की है। इस अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला मंदिर टोला किन्ही के समस्त पालकगण एवं समग्र शिक्षा समिति के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक शिक्षक के भरोसे ३२ बच्चों का भविष्य

ज्ञापन में पालकों ने बताया कि प्राथमिक शाला मंदिर टोला में कक्षा १ से ५ तक कुल ३२ छात्र.छात्राएं अध्ययनरत हैं। इतने बच्चों को पढ़ाने के लिए विद्यालय में वर्तमान में मात्र एक ही शिक्षक पदस्थ हैं। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब उक्त शिक्षक को अध्यापन के साथ साथ अन्य विभागीय कार्य जैसे बीएलओ ड्यूटी आदि भी सौंप दिए जाते हैं। जब शिक्षक विभागीय कार्य से बाहर जाते हैंए तो बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो जाती है और उन्हें रसोइया के भरोसे छोड़ना पड़ता है। इससे बच्चों की शिक्षा और भविष्य को लेकर अभिभावक बेहद चिंतित हैं। विद्यालय की पुरानी इमारत अत्यंत जर्जर अवस्था में है ,जिससे कभी भी कोई दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है। विद्यालय परिसर एवं आसपास कचरा और गंदगी फैली हुई है। पालकों के अनुसार परिसर में पूर्व में कई बार जहरीले सांप भी निकल चुके हैं जिससे बच्चों की जान को खतरा बना रहता है।

पालकों यह रखी मांग

ज्ञापन में विधार्थियो के पालको के द्वारा प्राथमिक शाला मंदिर टोला में तत्काल अतिरिक्त शिक्षक की पदस्थापना करने, जर्जर भवन का तकनीकी निरीक्षण करवाकर अनुपयोगी होने की स्थिति में उसे तुरंत डिस्मेंटल यानि ध्वस्त कराया जाये, विद्यालय परिसर की साफ सफ ई कराकर आसपास और ग्राउंड में सीमेंटीकरण कराया जायें। इसमें पालकों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इन समस्याओं का निराकरण कर ३२ बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई तो समस्त पालक और ग्रामीण जन मिलकर स्कूल में ताला बंद करेंगे और उग्र चक्का जाम आंदोलन करने पर मजबूर होंगे जिसकी संपूर्ण जवाबदारी स्वयं शासन प्रशासन की होगी।

जान का खतरा बना हुआ है

ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष २०२० से पुराना शाला भवन जर्जर अवस्था में है जिसे ध्वस्त करने की मांग हमारे द्वारा लगातार की जा रही है परंतु इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। वहीं विषैला जीव जंतुओं का डर हर समय बना रहता है हमारे छोटे छोटे बच्चे शिक्षा अध्ययन करने के लिए आते हैं। जहां दो शिक्षक थे इसमें एक शिक्षक छुट्टी पर गई है तो अब एक शिक्षक है जो अन्य विभागीय कार्य भी देख रहा है। ऐसे में शिक्षा की गुणवत्ता पूरी तरह समाप्त हो गई है, जिसका प्रभाव हमारे बच्चों के परीक्षा परिणाम में देखने को मिलेगा। यदि ऐसा ही रहा तो भविष्य में कोई दुर्घटना भी घटित हो सकती है ,क्योंकि स्कूल में ध्यान देने वाला शिक्षक अधिक समय कार्यों से बाहर रहता है। ऐसे में इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा बच्चों को स्कूल शिक्षित करने भेजना भी अब जोखिम भरा लगने लगा है।

नगर की सड़को के दोनो छोर फैले अतिक्रमण को नपा परिषद करेगी व्यवस्थित-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद में मंगलवार को जनता दरबार के माध्यम से पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने नागरिको से सीधा संवाद, उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान की दिशा में आवश्यक पहल की। जनमानस की भारी भीड ने साबित कर दिया की जनता भी एक ही जगह पर विभिन्न प्रकार की समस्याओं के समाधान के प्रयास को बेहद पंसद कर रही है। जनता दरबार में वार्ड एक पारस नगरी से लगभग आधा दर्जन महिलाओं ने आकर शिकायत दर्ज करायी की अधिक संख्या में मकान निर्माण के बाद भी सड़क व नाली की कमी सभी को महसूस हो रही है। इस कमी के कारण रास्तो में कीचड व बरसात के पानी के जमाव ने परेशानीयों को बडा दिया है। साथ ही प्रकाश व्यवस्था के लिये विद्यूत खंबो की समस्या भी परेशानी का सबब बन रही है। इस समस्या को गंभीरता से लेकर नपा प्रशासन ने अधिकारीयों को स्थल निरिक्षण कर वैकल्पिक व्यवस्था बनाने के तत्काल निर्देश प्रदान किये है। इसी तरह नेहरू चौक के हाथ ठेला संघ ने एक साथ आकर अवगत कराया की उनके टीन शैड के नीचे साफ सफाई सहित बैठने की व्यवस्था अति आवश्यक है। सौदर्यीकरण के इस कार्य में मेहनत करने के लिये भी संघ तैयार है। इसी तरह वार्ड क्रमांक १५ से शरद डेकाटे ने लिखित शिकायत में बताया की नगर में अनेको जगहो चाय दुकानो सहित अन्य व्यवसायी बर्तन धोने सहित अन्य कार्यो का पानी सड़क पर ही बहा देते है। साथ ही कुछ दुकानदार अपनी दुकान के सामने ही अनुपयोगी सामग्री फेककर आवागमन की व्यवस्था को प्रभावित कर रहे है। इन समस्याओं पर नपा परिषद ने तत्काल अपनी गंभीरता दिखायी है। जनता दरबार में प्राचीन श्रीराम मंदिर के सामने से संस्कृति वस्त्रालय तक सड़क किनारे मनमानी वाहनो के खडे होने व आवागमन प्रभावित होने पर भी गंभीरता दिखायी गयी। साथ ही अनुमति से अधिक निर्माण कार्य को संज्ञान में लेकर तत्काल उपयंत्री को निर्देश प्रदान किये गये। इसी तरह नपा अध्यक्ष, सीएमओ व पुरी टीम ने निर्णय लिया की मुनादी के बाद अब आखरी बार संयूक्त टीम बनाकर मुख्य नगर पर दुकानदारो से अपील की जायेगी। जिससे सडक किनारे, फुटफाट पर और मनमानी अतिक्रमण को हटाने का निवेदन किया जायेगा। अन्यथा कड़क कार्यवाही की चेतावनी भी दी जायेगी। नपा के सफाई अमले को बुलाकर नगर सहित मकानो के पीछे की नालियो तक में किटनाशक का छिडकाव, फागींग मशीनो से मच्छरो का खात्मा और बेतहाशा बड गये आवारा कुत्तो को पकडने के लिये बालाघाट के एनजीओ की मदद लेने का निर्देश अमले व कार्य प्रभारीयो को प्रदान किया गया।

जर्जर सड़क और क्षतिग्रस्त पुलिया के निर्माण की मांग को लेकर राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सांवरी से लोधीटोला मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के जिलाध्यक्ष जावेद अली के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर कुमार सत्यम एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा कर जर्जर सड़क व क्षतिग्रस्त पुलिया का जल्द से जल्द निर्माण कराने की मांग की हैं। इस अवसर पर प्रदेश सचिव राकेश सिंघारे, प्रकाश दुबे, अरशद कुरैशी ,राजेश कोलते सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

खराब मार्ग से ग्रामीण और छात्र परेशान

ज्ञापन में बताया की ग्राम पंचायत सांवरी से लोधीटोला जाने वाली सड़क बेहद जर्जर हो चुकी है वहीं मार्ग पर स्थित पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इस मार्ग पर आसपास स्कूल और अस्पताल स्थित हैं जिससे प्रतिदिन स्कूली विद्यार्थियों, कॉलेज छात्र छात्राओं, मरीजों और आम ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी विकराल हो जाती है। पुलियां के जलमग्न होने के कारण मार्ग का संपर्क पूरी तरह कट जाता है। जिससे आपातकालीन स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाना या बच्चों का स्कूल जाना असंभव हो जाता है। जहां ग्रामीणों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है वही दुर्घटनाएं रोजाना घटित होकर लोग चोटिल भी हो रहे हैं। यह स्थिति पहली बार नहीं है लंबे समय से लोग वहां पर परेशान है । ऐसे में समय रहते जो मरम्मत कर सुविधा उपलब्ध करानी थी वह भी नहीं हो पाई है यही कारण है कि स्थिति इतनी दैनिय हो गई है कि लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

मार्ग खराब और आवागमन बदहाल हो चुका है-जावेद अली

जिलाध्यक्ष जावेद अली ने बताया की यह मार्ग काफी समस्या भरा है जहां आवागमन पूरी तरह बदहाल हैं। इसके लिये जिला कलेक्टर के साथ साथ जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरसवार, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री भरत अड़में एवं सेतु विभाग के एसडीओ सनोडिया से मिलकर जनसमस्या की गंभीरता से अवगत कराया। जहाँ हमने तत्काल प्रभाव से सड़क और पुलिया निर्माण की स्वीकृति जारी कर कार्य शुरू कराने का आग्रह किया हैं। इसमें प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आश्वस्त किया है कि जल्द ही आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर स्वीकृत दिलाते हुए सड़क एवं पुलिया का निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा।

तेलंगाना और कर्नाटक की मतदाता सूचियां

संबंधों को प्रगाढ़ करने का भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा चलाई जा रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की वजह से देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों के मतदान का अधिकार छिनने का मामला साफ तौर पर सामने आ रहा है। सुप्रीम कोर्ट से आगे बढ़ने की इजाजत मिलने के बाद आक्रामक तरीके से, एसआईआर ने अब तेलंगाना और कर्नाटक में मतदाता सूचियों से पांचवें हिस्से के बराबर नाम - जो क्रमश: लगभग 22 फीसदी और 19.5 फीसदी हैं - हटा दिए हैं और हटाए गए नामों की यह तादाद देश में सबसे ज्यादा है। सबसे ज्यादा छंटाई इन दोनों राज्यों की राजधानियों में हुई है - बेंगलुरु में पांच निर्वाचन क्षेत्रों में आधे से ज्यादा मतदाता कम हो गए हैं, जबकि हैदराबाद के 15 में से नौ क्षेत्रों में 40 फीसदी से ज्यादा मतदाता हटा दिए गए हैं। इस किस्म की कटौतियां महज किनारों पर मौजूद फालतू हिस्सों को छांटने तक ही सीमित नहीं हो सकतीं। अगर ये बातें सही हैं, तो ईसीआई की अपनी संक्षिप्त पुनरीक्षण (समरी रिविजन) प्रक्रियाओं के कारण हाल के चुनावों में मतदाता सूचियों में जरूरत से ज्यादा नाम शामिल हो गए थे और ऐसा उन जगहों पर हुआ जहां देश के दूसरे हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग आकर बसे थे। और अगर नामों को हटाने को सही ठहराना है, तो जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन्हें राज्य छोड़कर जाना पड़ा होगा - क्योंकि कर्नाटक या तेलंगाना के अंदर ही कहीं और जाने पर मतदाता का नाम उसी राज्य की दूसरी जगह की मतदाता सूची में चला जाएगा, पूरी तरह से हटेगा नहीं। फिर भी, न तो हाल के सर्वेक्षण के आंकड़ों से और न ही सरकार के अपने जनसंख्या संबंधी अनुमानों से इसकी पुष्टि होती है।

बिहार एसआईआर के दौरान, अदालत ने पूछा था कि राजनीतिक पार्टियों ने गलत तरीके से हटाए गए नामों को फिर से शामिल करने के लिए इतनी कम आपत्तियां क्यों दर्ज कराईं। यह सवाल इन दक्षिणी राज्यों के लिए भी मौजूं हो सकता है। इसकी एक वजह यह हो सकती है कि मतदाता पहचान-पत्र नागरिकों के लिए कुछ सालों में सिर्फ एक बार ही काम आता है, लिहाजा वे इसे लेकर ज्यादा उत्साह नहीं दिखाते। इससे यह समझा जा सकता है कि मतदाताओं पर जिम्मेदारी डालने वाली इस प्रक्रिया की वजह से इतने बड़े पैमाने पर कटौतियां क्यों होती हैं। इस बीच, ईसीआई की पारदर्शिता की कमी के चलते इन आंकड़ों में कोई ठोस सबूत साबित कर पाना मुश्किल है। आयोग द्वारा पुनरीक्षण के दौरान अब तक किसी भी राज्य का मतदाता-जनसंख्या अनुपात प्रकाशित नहीं किया गया है, जबकि ऐसा करना अनिवार्य है और यह कम पंजीकरण की जांच का एकमात्र तरीका है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नाम हटाने की प्रक्रिया का लिंग-वार ब्योरा जारी करने की भी जहमत नहीं उठाई। इसके बजाय, उन्होंने पुरानी मतदान केंद्र संख्या के बगैर गूगल ड्राइव की कई लिंक पर सूचियां बिखेर दीं, जिससे सत्यापन का काम मुश्किल हो गया है। इस किस्म की लापरवाही का नतीजा पश्चिम बंगाल में साफ दिखता है, जहां ईसीआई की संदिग्ध तार्किक विसंगति (लॉजिकल डिसक्रेपेंसी) प्रक्रिया के कारण लाखों मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो गए और उन्हें अदालत की देखरेख में बने न्यायाधिकरणों में जाकर अपनी शिकायत दर्ज करानी पड़ी। चुनाव के कई महीनों बाद, सूचना के अधिकार के तहत मिले रिकॉर्ड से पता चलता है कि 19 न्यायाधिकरणों के सामने आई लगभग 38 लाख अपीलों में से बमुश्किल 82,000 अपीलों पर ही फ़ैसला हुआ है और इनमें से 90 फीसदी से ज्यादा फैसले अपना नाम वापस जुड़वाने की चाहत रखने वाले मतदाताओं के पक्ष में रहे हैं। ईसीआई - एक ऐसा संस्थान जिसकी तारीफ कभी अमीर लोकतंत्र भी इतनी बड़ी संख्या में भारतीयों को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने की वजह से करते थे - अब सभी वयस्कों के मतदान करने के अधिकार की राह में एक रोड़ा बन गया है।

युवाचार्य महावीर कुमार- अध्यात्म-जगत में एक नवीन युग-संभावना का उद्घाटन

कुछ घटनाएं इतिहास में दर्ज होती हैं और कुछ घटनाएं इतिहास की दिशा बदलने की क्षमता रखती हैं। तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा मुख्य मुनि महावीर कुमारजी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में युवाचार्य मनोनीत किया जाना ऐसी ही घटना है। 27 जुलाई 2026, आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी को लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा परिसर में हुई यह घोषणा तेरापंथ की लगभग ढाई शताब्दी पुरानी आचार्य-परम्परा में एक नया अध्याय जोड़ने वाली है। लेकिन इस घटना को केवल एक धार्मिक संगठन के भावी नेतृत्व के निर्धारण के रूप में देखना इसके वास्तविक महत्व को सीमित करना होगा। यह मनोनयन साधना की गहराई, ज्ञान की व्यापकता, मानवीय चेतना की ऊष्मा और नेतृत्व की विलक्षण प्रतिभा के एक ऐसे समन्वय की प्रतिष्ठा है, जो आने वाले समय में अध्यात्म को नई भाषा, नई दृष्टि और नया वैश्विक आयाम दे सकता है।

तेरापंथ में युवाचार्य का पद किसी राजनीतिक या प्रशासनिक उत्तराधिकार जैसा पद नहीं है। यहां नेतृत्व अधिकार से नहीं, आत्मानुशासन से अर्जित होता है; प्रतिष्ठा पद से नहीं, साधना से मिलती है; और उत्तराधिकार किसी वंश का नहीं, विचार, मर्यादा, तप और आध्यात्मिक संस्कारों की निरंतरता का होता है। आचार्य श्री महाश्रमण जी ने इसी स्वस्थ परम्परा का निर्वाह करते हुए मुनि महावीर कुमार जी को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। इसलिए यह प्रश्न अधिक महत्वपूर्ण है कि मुनि महावीर कुमार जी कौन हैं और उनके युवाचार्यत्व में भविष्य के अध्यात्म की कौन-सी संभावनाएं दिखाई देती हैं?

मुनि महावीर कुमार जी का जीवन इस प्रश्न का उत्तर स्वयं देता है। अल्पायु में दीक्षा ग्रहण करने से लेकर मुख्य मुनि जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व तक की उनकी यात्रा केवल पदों की यात्रा नहीं है। यह आत्मसंयम, स्वाध्याय, तप, अनुशासन, चिंतन और निरंतर आत्मपरिष्कार की यात्रा है। उनके व्यक्तित्व में आध्यात्मिक साधक की गंभीरता के साथ आधुनिक समय को समझने वाले चिंतक की दृष्टि दिखाई देती है। यही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उनके जीवन का एक उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि आध्यात्मिक साधना को उन्होंने ज्ञान से अलग नहीं माना। पर्यावरणीय चिंतन पर उनका शोध और जैन आगमों में पर्यावरणीय दृष्टि का अध्ययन यह संकेत देता है कि उनकी दृष्टि केवल परम्परा के संरक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि परम्परा में निहित उन जीवन-मूल्यों को समकालीन विश्व की समस्याओं से जोड़ने वाली है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार उन्हें जैन आगमों में पर्यावरणीय चिंतन पर शोध के लिए पीएचडी उपाधि भी प्राप्त हुई है। यह तथ्य आज विशेष अर्थ रखता है। दुनिया जलवायु संकट, पर्यावरणीय असंतुलन, हिंसा, मानसिक तनाव और असीमित उपभोग की संस्कृति से जूझ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन का अपरिग्रह, संयम, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश केवल धार्मिक सिद्धांत नहीं रह जाता, बल्कि मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। यदि अध्यात्म आधुनिक समस्याओं के समाधान से जुड़ता है, तभी वह जीवंत और प्रभावी बनता है।

युवाचार्य महावीर कुमार की संभावित भूमिका इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाती है। उनका व्यक्तित्व हमें यह विश्वास दिलाता है कि आने वाला अध्यात्म केवल मंदिरों, उपाश्रयों और प्रवचन सभाओं तक सीमित रहने वाला अध्यात्म नहीं होगा। वह मनुष्य के मन, परिवार के संस्कार, समाज के चरित्र, पर्यावरण की रक्षा और वैश्विक सह-अस्तित्व से जुड़े प्रश्नों पर भी अपना प्रभाव डालेगा। आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ा संकट बाहरी संसाधनों का नहीं, आंतरिक संतुलन का है। मनुष्य के पास ज्ञान बहुत है, लेकिन विवेक कम होता जा रहा है। सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन संतोष घटा है। संपर्क के साधन बढ़े हैं, लेकिन आत्मीयता कम हुई है। स्वतंत्रता का विस्तार हुआ है, लेकिन आत्मानुशासन कमजोर पड़ा है। आर्थिक विकास ने जीवन को गति दी है, लेकिन उस गति की दिशा पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। ऐसे समय में अध्यात्म की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। मगर ऐसा अध्यात्म, जो जीवन से भागना नहीं सिखाए; बल्कि जीवन को अधिक जागरूकता, संयम, करुणा और उत्तरदायित्व के साथ जीना सिखाए।

युवाचार्य महावीर कुमार जी की साधना की दिशा इसी जीवंत अध्यात्म की ओर संकेत करती है। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता है मानवीय चेतना की ऊष्मा। अध्यात्म तभी प्रभावी होता है जब उसमें मनुष्य के प्रति करुणा हो। केवल ज्ञान मनुष्य को बड़ा विद्वान बना सकता है, लेकिन करुणा उसे बड़ा मनुष्य बनाती है। केवल अनुशासन व्यवस्था पैदा कर सकता है, लेकिन आत्मीयता समाज को जोड़ती है। युवाचार्य महावीर कुमार के व्यवहार में सरलता, सहजता, विनम्रता और आत्मीयता का समन्वय उनकी आध्यात्मिकता को मानवीय धरातल प्रदान करता है। उनकी दृष्टि में धर्म विभाजन की दीवार नहीं, मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाला सेतु बन सकता है। यही दृष्टि आज की विभाजित दुनिया के लिए अत्यंत आवश्यक है।

आज जाति, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा और आर्थिक विषमता के आधार पर समाजों में दूरी बढ़ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन का अनेकांत और सह-अस्तित्व केवल दार्शनिक अवधारणाएं नहीं, बल्कि सामाजिक शांति के व्यावहारिक सूत्र बन सकते हैं। युवाचार्य महावीर कुमार जी की भूमिका यहां एक आध्यात्मिक सेतु की हो सकती है-परम्परा और आधुनिकता के बीच, धर्म और समाज के बीच, व्यक्ति और विश्व के बीच तथा आत्मकल्याण और लोकमंगल के बीच। उनके नेतृत्व का सबसे महत्वपूर्ण आयाम युवा चेतना हो सकता है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश भारत में युवा शक्ति यदि चरित्र, विवेक और नैतिकता से जुड़ती है तो वह राष्ट्र के भविष्य को बदल सकती है। लेकिन यदि वही युवा केवल उपभोग, प्रतिस्पर्धा, नशे, आभासी दुनिया और तात्कालिक सफलता की दौड़ में उलझ जाए तो उसकी ऊर्जा विघटनकारी भी बन सकती है।

तेरापंथ की मूल चेतना-अहिंसा, संयम, अनुशासन, अनेकांत, अपरिग्रह और आत्मजागरण-आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। आवश्यकता केवल इतनी है कि इन मूल्यों को आधुनिक मनुष्य की भाषा में, आधुनिक समस्याओं के संदर्भ में और वैश्विक समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रस्तुत किया जाए। यदि ऐसा होता है तो तेरापंथ का प्रभाव केवल धार्मिक अनुयायियों तक सीमित नहीं रहेगा। वह विश्व-चेतना के विमर्श में अपनी विशिष्ट भूमिका निभा सकता है। युवाचार्य का मनोनयन इसलिए एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, एक संभावना का उद्घाटन है। यह संभावना उस अध्यात्म की है जो विज्ञान का विरोध नहीं करता, बल्कि विज्ञान को विवेक देता है; जो विकास को रोकता नहीं, बल्कि विकास को मानवीय बनाता है; जो भौतिक समृद्धि का निषेध नहीं करता, बल्कि उसके साथ संतुलन और संयम की चेतना जोड़ता है; जो धर्म को संकीर्ण पहचान नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों का माध्यम बनाता है।

आज विश्व को किसी नये संघर्ष की नहीं, नई चेतना की आवश्यकता है। उसे ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो सत्ता के बिना प्रभाव पैदा कर सके, संसाधनों के बिना परिवर्तन की प्रेरणा दे सके और किसी पर नियंत्रण किए बिना आत्मानुशासन का मार्ग दिखा सके। संत परम्परा का वास्तविक सामर्थ्य यही है। युवाचार्य महावीर कुमार जी के व्यक्तित्व में यह संभावना दिखाई देती है कि वे तेरापंथ की आध्यात्मिक विरासत को नई पीढ़ी की चेतना से जोड़ते हुए व्यापक मानव समाज तक पहुंचाने वाले प्रभावी संवाहक बनें। उनका युवाचार्यत्व इसलिए केवल तेरापंथ के भविष्य की घोषणा नहीं है। यह अध्यात्म के भविष्य के प्रति एक विश्वास की घोषणा है। यह उस यात्रा का प्रारंभ है जिसमें साधना व्यक्तिगत मुक्ति से आगे बढ़कर लोकमंगल की शक्ति बन सकती है; ज्ञान पुस्तकालयों से निकलकर जीवन का प्रकाश बन सकता है; संयम व्यक्तिगत तपस्या से आगे बढ़कर सामाजिक संतुलन का आधार बन सकता है और अहिंसा केवल सिद्धांत न रहकर वैश्विक जीवन-पद्धति का विकल्प बन सकती है।

आचार्य श्री महाश्रमण जी ने मुनि महावीर कुमार जी को युवाचार्य बनाकर जिस उत्तरदायित्व की धवल चादर ओढ़ाई है, उसमें केवल तेरापंथ की परम्परा का भार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की आशाएं भी समाहित हैं। इस अवसर पर आचार्यश्री ने उन्हें आचार्य श्री भिक्षु की परम्परा को आगे बढ़ाने का प्रयास करते रहने का संदेश दिया। यही इस घटना का सबसे गहरा संदेश है-उत्तराधिकार किसी पद का नहीं, मूल्यों का है। और जब मूल्य किसी ऐसे साधक को सौंपे जाते हैं, जिसके जीवन में साधना की गहराई, ज्ञान की व्यापकता, मानवीय चेतना की ऊष्मा, विनम्रता की ऊंचाई और नेतृत्व की विलक्षण प्रतिभा एक साथ दिखाई देती हो, तब वह घटना केवल एक धर्मसंघ की घटना नहीं रहती बल्कि भारतीय अध्यात्म के एक नये वैश्विक अध्याय के उद्घाटन के रूप में देख सकता है। यही इस घटना की ऐतिहासिकता है। यही इसकी आध्यात्मिक ऊंचाई है। और यही युवाचार्य महावीर कुमार जी से जुड़ी सबसे बड़ी आशा भी- 'वे स्वयं साधना की ज्योति बनें और उस ज्योति से मनुष्य के भीतर के अंधकार को दूर करते हुए समूचे विश्व की चेतना को करुणा, संयम, अहिंसा और सह-अस्तित्व के प्रकाश से आप्लावित करें।'

ललित गर्ग

शांति के लिए नारायणोपनिषद की विशेषताएं

आज युद्ध नेपाल में आपदा के कारण दु:ख का माहौल है इस माहौल में मानवता सेवा और शांति की आवश्यकता है जिसके लिए भगवान नारायण से हाथ जोड़ कर विनती करते हैं आप इस पीड़ा को हरे इसका वर्णन नारायणोपनिषद में है नारायणोपनिषद कृष्ण यजुर्वेदीय शाखा से संबंधित एक लघु और महत्वपूर्ण उपनिषद है, जो संस्कृत भाषा में रचित है। इसमें भगवान नारायण को ही परम ब्रह्म, सर्वव्यापक परमात्मा और सृष्टि का मूल आधार बताया गया है। नारायणोपनिषद का मूल संस्कृत पाठ कृष्ण यजुर्वेदीय शाखा से संबंधित है और इसमें भगवान नारायण को सर्वोच्च माना गया है। मूल पाठ का सार यह है कि मंत्र (1-12) के श्लोक भगवान नारायण के सर्वव्यापकता का वर्णन करते हैं, जो हृदय के भीतर सूक्ष्म अग्नि के रूप में स्थित हैं। इसमें नारायण की महिमा बताई गई है- नारायण को सर्वव्यापक, अजन्मा और विश्व का आधार बताया गया है, जो ? नमो नारायणाय मंत्र का केंद्र हैं। फलश्रुति (अंतिम भाग)- इस उपनिषद का पाठ करने वाला व्यक्ति सभी पापों से मुक्त होकर नारायण सायुज्य प्राप्त करता है। मुख्य विशेषताएं सर्वव्यापकता- इस उपनिषद के अनुसार ब्रह्मा, शिव, इंद्र और संपूर्ण जगत नारायण ही हैं। अष्टाक्षर मंत्र- इसमें ? नमो नारायणाय इस आठ अक्षर वाले महामंत्र और उसके जप के महात्म्य का वर्णन है। मोक्ष प्राप्ति- इस उपनिषद का पाठ करने वाला व्यक्ति सभी पापों से मुक्त रूप विष्णु स्वरूप (नारायण सायुज्य) को प्राप्त करता है जो भगवान नारायण शाश्वत हैं। ब्रह्माजी भी नारायण हैं। भगवान निशि और दाराज भी नारायण हैं। समय और दिशाएँ भी नारायण हैं। दिशाएँ (दिशाओं के समुद्र तट) भी नारायण हैं। ऊपरी भाग भी नारायण है और निचला भाग भी नारायण है। इसलिए, बाहरी व्यक्ति भी नारायण है। जो कुछ भी हुआ है, जो हो रहा है और जो होने वाला है, वह सब भगवान नारायण ही हैं। नारायण ही एकमात्र मुक्त, आनंदमयी, बिना किसी विकल्प के, अवर्णनीय और शुद्ध देवता हैं। भगवान रुद्र का जन्म नारायण से हुआ है। नारायण के माध्यम से ही डेराज प्रकट हुए। नारायण के पेज भी अनुभव में आई। राजा अनादित्य का जन्म नारायण से हुआ। भगवान नारायण से बारह रुद्र, असिसु और संपूर्ण श्लोक प्रकट हुए। नारायण से प्रेरित होकर, हर कोई अपने-अपने काम में शामिल हो जाता है और एकमात्र भगवान नारायण में ही शामिल हो जाता है। यह ऋग्वैदिक उपनिषद का वर्णन है। ?। नारायण ही ब्रह्मा हैं, नारायण ही निशि हैं, नारायण ही इन्द्र हैं, नारायण ही आकाश और पृथ्वी हैं। नारायण ही काल हैं, नारायण ही नाद हैं। नारायण ही ऊर्ध्व (ऊपर) हैं, नारायण ही अध: (नीचे) हैं, नारायण ही बाहर हैं। नारायण ही शिव हैं। जो भूतकाल में था और जो भविष्य में होगा, वह सब नारायण ही हैं। वे निश्चल (बिना टुकड़ों के), निरंजन (दोषरहित), निर्विकल्प (बिना किसी विकल्प के), शुद्ध और एकमात्र नारायण हैं। वे ही विष्णु हैं, वे ही विष्णु हैं। नारायण ही एकमात्र मुक्त, मनोरंजन-अनिवार्य, निर्विकार, अवर्णनीय और शुद्ध देव हैं। अ, उ और म इन तीन मात्राओं से यह प्रत्यक्ष (ओंकार) स्वरूप आनंदमय और ब्रह्मपुरुष का प्राण-रूप है। ये अलग-अलग हैं, लेकिन इनमें से तीन मात्राओं के अद्भुत रूप को ही ओम कहा जाता है। इस ओम मंत्र का जाप करने से योगी-साधक जन्म-मृत्यु के बंधनों से मुक्त हो जाता है। जो व्यक्ति ओम नमो नारायणाय मंत्र का जाप करता है, वह वैकुंठ धाम जाता है। इसी वैकुंठ धाम को पुण्डरीक (हृदय-कमल) के रूप में जाना जाता है। वैसे, इसका स्वरूप परम प्रकाशमय और बिजली के समान है। ब्रह्ममय देवकीनंद भगवान श्री कृष्ण ही ब्राह्मण यानी ब्राह्मणों के आराध्य हैं। मधुसूदन, पुण्डरीकाक्ष और विष्णु- ये सभी अचूक और अज्ञानी हैं। हर आत्मा में केवल भगवान नारायण ही निवास करते हैं। वे सभी गुण के मूल (कारण-पुरुष) होने पर भी स्वयं कारण-रहित हैं। वे ही परम पुरुष हैं। पवित्र अक्षर ? के रूप में प्रकट होने से इस सार का अध्ययन और भोर में इस उपनिषद के पाठ से रात में पाप धोए जाते हैं। दोनों साध्य-कालों (भोर और शाम) में इसका पाठ करने से साधक पापों से मुक्त हो जाते हैं, यहाँ तक कि पिछले जन्मों के पापों से भी। दो में सूर्य देव की ओर से इसका पाठ करने से मनुष्य पाँच महापापों (*महापातक*) और छोटे पापों (*उपपातक*) से सदा के लिए मुक्त हो जाता है। इससे चारों वेदों के पाठ का पुण्य प्राप्त होता है और नश्वर शरीर त्यागने पर भगवान नारायण के साथ शाश्वत मिलन (*सायुज्य*) प्राप्त होता है। जो इस सत्य को जानता है, वह भी भगवान नारायण में अवतरित होता है। 77577 हे भगवान! आप सत्य, निजी और आनंद के स्वरूप हैं! मेरी वाणी मेरे मन में स्थित हो और मेरा मन मेरी वाणी में स्थित हो। हे प्रकाश के स्वामी! आप स्वयं को मेरे साथ प्रस्तुत करें। हे मन और वाणी! आप मेरे लिए वैदिक ज्ञान के भंडार। मैंने जो ज्ञान सुना है, वह कभी मुझसे दूर नहीं हो गया। मैं सदैव श्रेष्ठ शब्द बोलूं और केवल सत्य ही कहूं। वह परम सत्य (*ब्रह्म*) मेरी और मेरे गुरु की रक्षा करे। 77 ? शांति, शांति, शांति! 77 भगवान शांति के स्वरूप हैं; वे तीन प्रकार के पदार्थ हैं—भौतिक (आधिभौतिक), दैवीय (आधिदैविक) और आध्यात्मिक (आध्यात्मिक)—को पूरी तरह से शांत करें।जो अनंत सिरों वाला है (वही विश्वरूप जिससे सब लोकों की उत्पत्ति होती है, वही महेश्वर का शरीर है। इसलिए हमारी आत्माओं के सिर भी उन्हीं के सिर हैं। इसलिए वह महेश्वर अनंत सिरों वाला है। इसी तर्क से), अनंत नेत्रों वाला है, जिससे सब लोकों का सुख उत्पन्न होता है, वही विश्वशंभु, जगत् को देने वाला, नारायण (जो जगतों के कारण पाँच तत्वों में विद्यमान है), स्वयं प्रकाशित करने वाला, अक्षर, सबका कारण, परम और बुद्धिमानों को प्राप्त होने वाला है; उसी ब्रह्म (महेश्वर) का ध्यान करना चाहिए।

सभी भौतिक श्रेणियों से ऊपर, वह परमात्मा अविनाशी, शाश्वत, सर्वव्यापी होने के कारण, ब्रह्मांड, दुनिया के कारण में स्थित होने के कारण नारायण है, और पाप और अज्ञान का नाश करने वाला होने के कारण हरि है; इसी तरह, अज्ञानी को जो कुछ भी दिखाई देता है, वह मूल रूप से परमात्मा ही है। वह परमात्मा इस ब्रह्मांड में रहता है यानी, अपने कामों के लिए इसमें (ब्रह्मांड में) शरण लेता है

पतिं विश्वस्याईत्मेश्वत शिवाम्चुत्मे भगवान का ध्यान करना चाहिए क्योंकि वे जगत के पालक हैं, भगवान क्योंकि वे पति हैं, भगवान क्योंकि वे आत्मा के नियंत्रक हैं, भगवान क्योंकि वे निरंतर और शाश्वत हैं, भगवान क्योंकि वे परम शुभ हैं, भगवान क्योंकि वे अपरिवर्तनीय हैं, भगवान क्योंकि वे नारायण हैं, भगवान क्योंकि वे ज्ञेय सिद्धांतों में सर्वोच्च हैं, भगवान क्योंकि वे महान ज्ञेय हैं, भगवान क्योंकि वे जगत के कारण हैं और इसलिए जगत से अलग हैं, भगवान क्योंकि वे ब्रह्मांड हैं, और भगवान क्योंकि वे श्रेष्ठ हैं, भगवान क्योंकि वे पारलौकिक हैं।

पुराणों में नारायण शब्द से जाने जाने वाले भगवान सत्य और ज्ञान आदि का सिद्धांत हैं, जो परम प्रकाश है। नारायण ही परमात्मा हैं। नारायण ही परम ब्रह्म हैं। नारायण ही सर्वोच्च हैं। वे ध्यात (वेदांत के रचयिता), ध्यान (परमात्मा के बारे में दृष्टिकोण) और पापियों के शत्रु हैं।

इस वर्तमान संसार में जो कुछ भी निकट जगत में देखा जाता है या दूर जगत में सुना जाता है, नारायण उसमें भीतर और बाहर से व्याप्त हैं। (जैसे मुकुट, कंगन आदि आभूषणों का सोना, उनमें भीतर और बाहर से व्याप्त है, वैसे ही नारायण हर जगह व्याप्त हैं।

नारायण का स्वरूप असीम, विनाशरहित, निराकार, सर्वज्ञ, सागर के समान विशाल, जगत का अंत और उसकी उत्पत्ति का कारण है। जैसे आठ पंखुड़ियों वाले कमल के बीच के छिद्र का हृदय नीचे की ओर होता है।

-संजय गोस्वामी

(स्मृति शेष) कविता का सवाल अब भी बाकी है

कई साल बीत गए। वर्ष ठीक-ठीक याद नहीं। तब मुंगेर का गंगा पुल नहीं बना था। बेगूसराय का स्थापना दिवस था और विमल कीर्ति सिंह वहां के जिला पदाधिकारी। उसी अवसर पर कवि सम्मेलन हुआ था। मुंगेर से अनिरुद्ध सिन्हा, छंदराज और सियाराम प्रहरी काव्यपाठ के लिए गए थे। मैं कला-संस्कृति की रिपोर्टिंग के सिलसिले में वहां था। उसी मंच पर पहली बार सत्यनारायण और गोपी वल्लभ सहाय को एक साथ सुनने का अवसर मिला। परिचय औपचारिक नहीं था। वे मुझे नाम से जानते थे। आगे चलकर यह परिचय आत्मीयता में बदल गया।

28 अगस्त 2026 को पटना के कदमकुआं स्थित आवास पर सत्यनारायण का निधन हो गया। सात दशकों से अधिक समय तक कविता को अपने समय की बेचैनी से जोड़कर रखने वाला यह कवि अपने रचनात्मक जीवन के समग्र प्रकाशन 'सत्यनारायण समग्र' की प्रतीक्षा कर रहा था। विडंबना यह कि उनकी रचनाओं का समग्र पाठकों तक पहुंचने वाला था, लेकिन कवि स्वयं उसका साक्षी नहीं बन सका।

सत्यनारायण को याद करने का सबसे सार्थक तरीका शायद उनके पुरस्कारों, सम्मानों और पदों की सूची दोहराना नहीं, बल्कि उस सवाल तक लौटना है जो उनकी कविता बार-बार उठाती है—अन्याय कब तक चलेगा और चुप्पी आखिर किसकी रक्षा करती है?

卐जुल्म का चक्का और तबाही,
केतना दिन-केतना दिन!
वे करते हैं हम भरते हैं,
अईसन काहे-अईसन काहे!!卐

'केतना दिन' केवल लोकभाषा का मुहावरा नहीं है। यह सत्ता और समाज के बीच जवाबदेही का प्रश्न है। सत्यनारायण की कविता पाठक को केवल सहमत कराने नहीं आती, उसे असहज भी करती है। यही उनकी जनधर्मी कविता की केंद्रीय शक्ति थी।

कविता का सड़क पर उतरना

1974 का जेपी आंदोलन सत्यनारायण की कविता के लिए निर्णायक प्रसंग था। गोपी वल्लभ सहाय, परेश सिन्हा, लाल धुआं और अनेक साहित्यकार उस दौर की जनचेतना से जुड़े थे। फणीश्वरनाथ रेणु जैसे साहित्यकार भी आंदोलन की सामाजिक बेचैनी के साथ खड़े दिखाई देते थे। सत्यनारायण ने कविता को सभागार से निकालकर नुक्कड़ तक पहुंचाया।

नुक्कड़ कविता का महत्व केवल यह नहीं था कि वह अधिक लोगों तक पहुंचती थी। उसका असली महत्व यह था कि उसने कविता और नागरिकता के बीच सीधा संबंध बनाया। सभागार में कविता श्रोता तक पहुंचती है, सड़क पर वह श्रोता को नागरिक में बदलने की कोशिश करती है।

1974 में बिहार की सड़कों पर कविता का यह रूप असाधारण था। सत्ता के केंद्रीकरण, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और राजनीतिक असंतोष के बीच कविता ने प्रतिरोध की भाषा खोजी। सत्यनारायण की भारी आवाज और सहज लोकभाषा इस वातावरण में दूर तक जाती थी। उनकी कविता आंदोलन का घोषणापत्र नहीं थी, लेकिन उसने आंदोलन की भावनात्मक और नैतिक जमीन को मजबूत किया।

इसीलिए सत्यनारायण को केवल गीतकार के रूप में देखना उनके कवि-व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। उनके गीत में राजनीतिक चेतना थी, लेकिन वे कविता को नारे में बदल देने से बचते थे। उनका आग्रह मनुष्य की गरिमा और सच बोलने के अधिकार से शुरू होता था।

卐राज नंगा है, मत कहना।
राज नंगा है तो है, इससे तुमको क्या?
सच को सच कहने पर होगी घोर समस्या
सभी सयाने चुप हैं, तुम भी चुप।卐

इन पंक्तियों का निशाना किसी एक सरकार या किसी एक कालखंड तक सीमित नहीं है। यहां सत्ता से अधिक खतरनाक वह सामाजिक विवेकहीनता है, जो सत्ता की भाषा को अपनी भाषा बना लेती है। 'सयाने' लोग चुप हैं, क्योंकि सच बोलने की कीमत है। कविता इसी कीमत का हिसाब मांगती है।

इसलिए सत्यनारायण की कविता को केवल जेपी आंदोलन की राजनीतिक स्मृति में रख देना उसके अर्थ को छोटा करना होगा। जेपी आंदोलन उनके कवि-व्यक्तित्व में मौजूद उस बेचैनी का ऐतिहासिक क्षण था, जिसमें कविता और नागरिक प्रतिरोध एक-दूसरे से मिले।

कविता और सत्ता का द्वंद्व

सत्यनारायण की रचनात्मक यात्रा का एक रोचक विरोधाभास बाद में सामने आता है। जिस कवि ने सत्ता से सवाल किए, उसी की रचना 'मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार' बिहार का राज्यगीत बनी।

क्या सत्ता द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद कविता का प्रतिरोध समाप्त हो जाता है? क्या किसी कवि की रचना का राज्यगीत बन जाना उसके आलोचनात्मक तेवर को निष्प्रभावी कर देता है?

इन सवालों का उत्तर सत्यनारायण की समूची रचनात्मकता को साथ रखकर ही मिल सकता है। राज्यगीत में वे बिहार की सांस्कृतिक स्मृति को वाल्मीकि, वैशाली, बुद्ध, महावीर, नालंदा, अशोक, आर्यभट्ट, शेरशाह, कुंवर सिंह और गांधी से जोड़ते हैं। बिहार उनके लिए इतिहास, ज्ञान, करुणा, लोकतंत्र और संघर्ष की भूमि है।

यानी जिस कवि की कविता कहती है—'राज नंगा है'—वही कवि राज्य से अपने इतिहास और आत्मसम्मान को पहचानने का आग्रह करता है। सत्ता की आलोचना और समाज की सामूहिक स्मृति का निर्माण परस्पर विरोधी नहीं हैं। असली प्रश्न यह है कि राज्यगीत बनने के बाद भी कवि की दूसरी कविताएं अपने सवाल बचाए रखती हैं।

सत्यनारायण की रचनाओं को पढ़ते हुए इसका उत्तर हां में मिलता है।

卐चिरागों से धुआं उठने लगा, कुछ कीजिए!
अब तो इस घर में भी दम घुटने लगा, कुछ कीजिए!!卐

यहां 'घर' राज्य भी हो सकता है, समाज भी और मनुष्य का निजी संसार भी। चिराग से धुआं उठना उस व्यवस्था का रूपक है जिसमें रोशनी की संस्थाएं ही घुटन पैदा करने लगती हैं। यह कविता किसी एक सत्ता को नहीं, सत्ता के उस चरित्र को संबोधित करती है जो अपने मूल उद्देश्य से विचलित हो जाए।

लोकभाषा की ताकत

सत्यनारायण की कविता की बड़ी विशेषता उसकी भाषा है। भोजपुरी और हिंदी के बीच उनका आना-जाना महज भाषिक प्रयोग नहीं था। यह सामाजिक अनुभवों के बीच आवाजाही भी थी। लोकभाषा उनके यहां सजावट नहीं, कविता की सामाजिक ऊर्जा थी।

'केतना दिन' और 'अईसन काहे' जैसी अभिव्यक्तियां साहित्यिक भाषा की कृत्रिम शालीनता को तोड़ती हैं। वे उस मनुष्य की भाषा हैं जो व्यवस्था से सवाल कर रहा है और जिसे अपने सवाल के लिए किसी साहित्यिक प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं।

उनकी लोकप्रियता केवल भारी आवाज की वजह से नहीं थी। आवाज के पीछे भाषा की पहचान थी और भाषा के पीछे जीवन का अनुभव। वे गीत, नवगीत और नई कविता के बीच कठोर विभाजन को भी स्वीकार नहीं करते थे। उनका विश्वास था कि रचना अपने कथ्य के अनुरूप अपना शिल्प स्वयं खोजती है। इसीलिए उनकी कविता में गीत की लय, नवगीत की आधुनिक बेचैनी और जनकविता का प्रतिरोध एक साथ दिखाई देता है।

उनका जन्म 13 सितंबर 1935 को भोजपुर जिले के कौलोडिहरी गांव में हुआ था। पटना कॉलेज के दिनों में काव्यपाठ से उनकी साहित्यिक यात्रा को गति मिली। डॉ. रामखेलावन पांडे और रामगोपाल रूद्र जैसे साहित्यिक संस्कारों से उन्हें दिशा मिली। हरिवंश राय बच्चन को सुनने का अनुभव भी उनकी काव्य-चेतना के निर्माण में महत्त्वपूर्ण रहा। लेकिन उनकी वास्तविक पहचान उनके लंबे जीवन-वृत्तांत से नहीं, उस रचनात्मक आग्रह से बनी जिसमें कविता जीवन से अलग नहीं थी।

'तुम ना नहीं कर सकते', 'सुनें प्रजाजन', 'टूटते जल बिंब' और 'सभाध्यक्ष हंस रहा है' जैसी कृतियां उनके रचनात्मक संसार के अलग-अलग पक्ष खोलती हैं। 'नुक्कड़ कविता' जैसी पत्रिका के संपादन के जरिए भी उन्होंने कविता को सार्वजनिक जीवन से जोड़ने का प्रयास किया।

मेरी स्मृति में सत्यनारायण

मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बेगूसराय के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा 'बेचन' तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान बनी रही।

आज पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है कि उस समय कविता से मिलने का अनुभव अलग था। मुंगेर का गंगा पुल नहीं बना था। शहरों की दूरी सड़क से तय होती थी। इंटरनेट, मोबाइल और सोशल मीडिया नहीं थे। कवि को सुनने जाना पड़ता था। बातचीत के लिए बैठना पड़ता था। परिचय को आत्मीयता में बदलने में समय लगता था।

शायद साहित्य का एक अर्थ समय को थोड़ा धीमा करना भी है।

सत्यनारायण उसी धीमे समय के कवि थे, लेकिन उनके सवाल धीमे नहीं थे।

शोक के बाद शुरू होती है असली परीक्षा

सत्यनारायण के निधन पर राजनीतिक और साहित्यिक जगत से श्रद्धांजलियां आईं। उन्हें हिंदी का 'ध्रुवतारा', जेपी आंदोलन का सशक्त सिपाही और बिहार की सांस्कृतिक पहचान को स्वर देने वाला कवि कहा गया।

लेकिन मृत्यु के बाद किसी कवि की असली परीक्षा श्रद्धांजलियों से नहीं, पाठ से होती है।

क्या हम उनकी कविता इसलिए पढ़ेंगे कि वे बिहार गीत के रचनाकार थे? या इसलिए कि उन्होंने एक दौर में जनांदोलन के साथ कविता को सड़क पर उतारा? या इसलिए कि उन्होंने लोकभाषा में सत्ता से सवाल करने का जोखिम उठाया?

इन तीनों के बीच से ही सत्यनारायण का कवि निकलता है।

'सत्यनारायण समग्र' का प्रकाशन इसलिए महज एक साहित्यिक घटना नहीं होगा। वह यह देखने का अवसर भी होगा कि सात दशकों में फैली उनकी रचनात्मक यात्रा में कौन-से प्रश्न लगातार बने रहे और कौन-से बदल गए। किसी कवि की प्रासंगिकता इस बात से तय नहीं होती कि उसे कितने सम्मान मिले, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी कविता अपने समय से आगे जाकर कितने सवाल छोड़ती है।

सत्यनारायण की कविता का सवाल आज भी हमारे सामने है—अन्याय कब तक चलेगा? चुप्पी किसकी रक्षा करती है? और सच बोलने की कीमत से बचने के लिए हम कब तक 'सयाने' बने रहेंगे?

कवि की आवाज खामोश हुई है, लेकिन कविता का सवाल अब भी बाकी है।

卐केतना दिन-केतना दिन!卐

यह सवाल सत्ता से जितना है, समाज से भी उतना ही। और शायद साहित्य से भी।

क्योंकि कविता का अंतिम अर्थ केवल सुंदर होना नहीं है। उसका एक अर्थ यह भी है कि जब समय चुप रहने का दबाव बनाए, तब कविता बोल सके।

सत्यनारायण की सबसे बड़ी विरासत शायद यही है—उन्होंने कविता को सवाल करने का साहस दिया। अब उस सवाल को जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी है।

- कुमार कृष्णन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। सरकार के हस्तक्षेप के बाद आलौच्य सप्ताह के दौरान शक्कर में बाजार लुड़क गये। नारियल भी घटाकर बोला गया। खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन में मामूली गिरावट दर्ज हुई। दलहनों में उड़द बाजार बड़त पर रहे।

किराना ः- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा अच्छी ही रही। राखी के लि?ए नारियल, खोपरा गोला व बुरा में जहां एकतरफा खरीद देखी गयी, वहीं शक्कर में बाजार लम्बी छलांक के बाद टूट गये। बाजार सूत्रों के अनुसार शक्कर में बड़ती कीमतों पर नियंत्रण के लि?ए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बाद बाजार पुनः पुराने स्तर की ओर लौटने लगे है। शक्कर में बाजार 6450-6500 रू. प्रति क्विंटल से टूटकर 5300-5400 रू. प्रति क्विं?टल पर आ गये। खोपरा गोला उठाव सुस्त पड़ने के बाद 10-15 रू. प्रति कि?लो हल्का पड़ा। मसाला जिंसों में सौंफ, जीरा व हल्दी में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। नारियलों में औसत आवक 5-6 गाड़ी से अधि?क नहीं देखी गयी। राखी की भरपूर माँग निकलने के बाद नारियल सभी भारती मालों में 100-200 रू. प्रति थैले तक टूट गये। इस दौरान नारियल (120) भरती मालों में 3400 रू. प्रति थैले से टूटकर 3300 रू. प्रति थैले पर आ गये। अन्य किराना जिंसों में बाजार सुस्ती पर देखे गये।

तेल तिलहन ः- आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। बाजार सूत्रों का मानना है कि सींगदाना तेलों में माँग व पूर्ती सामान्य रहने के बीच बाजार में विशेष तेजी मंदी का अभाव रहा। इस दौरान सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1730-1750 रू. प्रति 10 कि?लो पर बने रहे। वहीं, सोया तेल ऊपरी स्तरों से 15-20 रू. प्रति 10 किलो तक टूटा और सोया तेल इंदौर लाइन पर 1410-1415 रू. प्रति कि?लो से टूटकर 1395-1400 रू. प्रति 10 कि?लो पर आ गया। कपास्या तेलों में भाव बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन में भाव 100 रू. प्रति क्विं?टल हल्के पड़कर 6900 रू. प्रति क्विं?टल पर आ गये। सरसो व रायडा में बाजार बने रहे।

दाल दलहन ः- समीक्षा सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। चने में पूरे सप्ताह बाजार 6600-6700 रू. प्रति क्विं?टल के दायरे में रहे। तुअर में बाजार 6500-6700 रू. प्रति क्विं?टल पर मजबूत नज़र आये। उड़द में लेवाली के चलते भावों में 100-200 रू. प्रति क्विं?टल का इजाफा रहा और उड़द बढ़ि?या मालों में बाजार 9100-9300 रू. प्रति क्विं?टल पर आ गये। मूंग में बाजार बने रहे।

शीर्ष सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.13 लाख करोड़ से अधिक घटा

मुंबई । पिछले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में जारी गिरावट के बीच, सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात को भारी नुकसान हुआ। इन कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,13,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमी दर्ज की गई। इस दौरान भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक झटका लगा, जो सप्ताह की बाजार रिपोर्ट में प्रमुखता से सामने आया। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 276.32 अंक (0.35 प्रतिशत) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 76.35 अंक (0.31 प्रतिशत) गिरकर बंद हुआ। इस बाजार गिरावट का सीधा असर देश की सबसे बड़ी कंपनियों पर पड़ा। समीक्षाधीन अवधि में, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 40,500.85 करोड़ रुपये घटकर 11,74,462.30 करोड़ रुपये रह गया, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,056.32 करोड़ रुपये घटकर 17,38,119.27 करोड़ रुपये पर आ गया। इन दोनों कंपनियों को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा। अन्य प्रमुख कंपनियों में, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 11,558.35 करोड़ रुपये घटकर 11,09,600.70 करोड़ रुपये रह गई। बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में भी 10,086.05 करोड़ रुपये की कमी आई। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने भी अपने बाजार मूल्यांकन में क्रमश: 6,473.45 करोड़ रुपये, 3,162.5 करोड़ रुपये और 1,550.73 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की। हालांकि, इस गिरावट के विपरीत, कुछ कंपनियों ने बढ़त भी दर्ज की। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 16,643.20 करोड़ रुपये बढ़कर 8,48,079.71 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत में 4,475.28 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में 599.99 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

गहरे समुद्र में तेल-गैस खोज तेज करेगी ओएनजीसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज में तेजी लाने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव की तैयारी कर रही है। कंपनी अब गहरे पानी में ड्रिलशिप खरीदने या किसी वैश्विक कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम (जेवी) बनाने पर विचार कर रही है। इसका मकसद विशेष खुदाई क्षमताओं तक स्थायी और प्राथमिकता के आधार पर पहुंच सुनिश्चित करना और विदेशी रिग पर निर्भरता कम करना है। यह कदम ओएनजीसी के मिशन समुद्र मंथन कार्यक्रम का हिस्सा है। इस दिशा में, ओएनजीसी ने एक वैश्विक विशेषज्ञ समुद्री रिग-ब्रोकर सलाहकार नियुक्त करने के लिए रुचि पत्र (ईओआई) जारी किया है। यह सलाहकार वैश्विक भागीदारों की पहचान कर तकनीकी-व्यावसायिक आकलन में मदद करेगा। यह पहल केंद्र सरकार की समुद्र मंथनङ्क राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना के अनुरूप है, जिस पर 2030-31 तक 84,084 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसका लक्ष्य घरेलू उत्पादन बढ़ाकर आयात निर्भरता कम करना है। वर्तमान में भारत में अत्याधुनिक गहरे पानी की ड्रिलशिप बनाने की क्षमता नहीं है, जिससे ओएनजीसी विदेशी कंपनियों पर निर्भर रहती है। ड्रिलशिप का स्वामित्व या संयुक्त उद्यम इस निर्भरता को कम करेगा और कंपनी को समयबद्ध तरीके से गहरे पानी में अन्वेषण कार्यक्रम चलाने में मदद मिलेगी।

विदेशी मजबूती के बावजूद तेल-तिलहन बाजार में कहीं बढ़त, कहीं गिरावट

सरसों में सीमित बढ़त, सोयाबीन और बिनौला फिसले; आयातकों की लागत से कम बिक्री से बाजार पर दबाव

नई दिल्ली । बीते सप्ताह भारतीय खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। विदेशी बाजारों की मजबूती के बावजूद, घरेलू कारकों, विशेषकर आयातकों की लागत से कम बिकवाली, के चलते अधिकांश तेलों में या तो गिरावट आई या वे स्थिर रहे। केवल सरसों तेल-तिलहन में सीमित वृद्धि दर्ज हुई। सरसों तेल-तिलहन में विदेशी बाजारों की मजबूती से मामूली बढ़त दिखी। हालांकि, सीमित उपलब्धता के बावजूद ऊंची कीमतें खरीदारों को हतोत्साहित कर रही हैं, जिससे लिवाली कमजोर बनी हुई है। दूसरी ओर सोयाबीन तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में गिरावट आई। सूत्रों के अनुसार, बड़े संयंत्रों द्वारा सस्ते में खरीद के प्रयास और आयातकों की लागत से नीचे की बिकवाली ने सोयाबीन पर दबाव बनाया, भले ही उसकी उपलब्धता कम थी। मूंगफली तेल-तिलहन और कच्चे पामतेल (सीपीओ) व पामोलीन तेल के दाम स्थिर रहे। सोमवार को मलेशिया एक्सचेंज बंद रहेगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये

की मजबूती के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सरसों तेल दादरी 100 रुपये के सुधार के साथ 16,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,735-2,835 रुपये और 2,735-2,885 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-100 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,675-6,725 रुपये और 6,525-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।इसी तरह, दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम भी 13,950 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 15,850 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 14,600 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। मूंगफली तेल का दाम नहीं बढ़ने के कारण बिनौला तेल का दाम 225 रुपये की गिरावट के साथ 16,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पहले दिन ही 2 गुना हुआ आईपीओ, निवेशक 1 सितंबर तक लगा सकते हैं दांव

नई दिल्ली। ईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ ग्रे मार्केट में इस समय एक बेहतर स्थिति में है। आईपीओ का जीएमपी 372 रुपए के स्तर पर है। जोकि 86 फीसदी के लिस्टिंग का संकेत दे रहा है। इस समय आईपीओस ग्रे मार्केट में सबसे मजबूत स्थिति में है। बता दें अगर यही जीएमपी लिस्टिंग के वक्त भी रहा तो आईपीओ एक लॉट पर 12648 रुपए का फायदा दे सकता है। ग्रे मार्केट से मिल रहे रिस्पॉन्स का ही असर है कि पहले दिन ही आईपीओ पूरी तरह से भर गया। अब तक इस आईपीओ को 2.21 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को अबतक 2.84 गुना, क्यूआईबी में 0.01 गुना और एनआईआई कैटगरी में 3.70 गुना सब्सक्राइब किया गया है।

ईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ का प्राइस बैंड का प्राइस बैंड 408 रुपए से 429 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का लॉट साइज 34 शेयरों का है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14586 रुपए का दांव लगाना होगा। बता दें आईपीओ 28 अगस्त को खुला था। निवेशकों के पास 1 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। यह आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 27 अगस्त को खुल गया था। एंकर इनवेस्टर्स से कंपनी ने 216 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

ईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ का साइज 720 करोड़ रुपए का है। आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है। आईपीओ के जरिए कंपनी 1.68 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। बता दें डेम केपिटल एडवाइजर लिमिटेड को लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया को रजिस्ट्रार बनाया गया है। इस आईपीओ से जुटाए 576 करोड़ रुपए से कंपनी इक्विपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रयोग करेगी। बाकि पैसों का उपयोग जनरल कॉरपोरेट कार्यों के लिए होगा। इस इश्यू में मौजूदा निवेशक शेयर नहीं बेच रहे हैं। प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप के पास 46.06 फीसदी हिस्सा है। वहीं, पोस्ट आईपीओ के बाद 39.47 फीसदी हिस्सा है। वहीं, पब्लिक की हिस्सेदारी 53.04 फीसदी से बढ़कर 60.53 फीसदी हो जाएगी।

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए उम्मीद और खुशियों की छोटी-छोटी सौगात लेकर आ सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनचाही खबर मिल सकती है। वहीं, सिंगल लोगों की मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है जो दिलचस्पी जगाए। परिवार और रिश्तेदारों का साथ आपको मजबूत बनाएगा। बस बेवजह की बहस से खुद को दूर रखें।

वृषभ राशि- मन में थोड़ी बेचैनी रहेगी, लेकिन आपकी मेहनत आर्थिक स्थिति को संभालने में अहम भूमिका निभाएगी। पैसों से जुड़ी निजी बातें हर किसी से साझा न करें। शेयर मार्केट में कदम बढ़ाने से पहले अच्छी तरह सोच लें। किसी करीबी का अचानक आना पुरानी यादों को फिर से जीवंत कर सकता है।

मिथुन राशि- आज ऐसा लग सकता है जैसे मेहनत का परिणाम आखिरकार आपके सामने आने लगा है। सफलता के संकेत मजबूत हैं। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात दिल को खुशी देने के साथ भावुक भी कर सकती है। संतान की खुशी के लिए कोई जरूरी या पसंदीदा खरीदारी हो सकती है।

कर्क राशि- आज कुछ मामलों में स्थिति थोड़ी उलझी हुई नजर आ सकती है, इसलिए जल्दबाजी के बजाय समझदारी से आगे बढ़ें। परिवार की किसी बात को लेकर मतभेद हों तो प्यार से बात करना बेहतर रहेगा। प्रॉपर्टी या लोन से जुड़े मामलों में सकारात्मक प्रगति हो सकती है।

सिंह राशि- आर्थिक मोर्चे पर आज किस्मत आपका साथ देती दिखाई दे रही है। लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे तो आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। कारोबार में पार्टनर के साथ भविष्य की नई योजनाओं पर बातचीत अच्छे परिणाम दे सकती है। स्वादिष्ट भोजन और सुख-सुविधाओं का आनंद लेने का मौका मिलेगा। निवेश के नए अवसर सामने आ सकते हैं, लेकिन उत्साह में आकर जल्दबाजी न करें। धन लाभ की खुशी पूरे दिन चेहरे पर दिखाई दे सकती है।

कन्या राशि- आज कोई बड़ा सपना सिर्फ सपना न रहकर उसे पूरा करने की दिशा में पहला कदम बन सकता है। किसी जरूरतमंद की मदद करने से मन को गहरी संतुष्टि मिलेगी। यात्रा को फिलहाल टालना आपके लिए बेहतर रहेगा। माता-पिता की कोई सलाह आज बेहद काम की साबित हो सकती है। संतान के भविष्य से जुड़ा फैसला आगे चलकर आपको गर्व महसूस करा सकता है। सकारात्मक सोच रखें, क्योंकि आज आपकी सोच ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

तुला राशि- आज आपको अपनी सूझबूझ और सतर्कता दोनों का पूरा इस्तेमाल करना होगा। कुछ विरोधी आपकी राह में परेशानी खड़ी करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आप अपनी समझदारी से स्थिति को अपने पक्ष में कर लेंगे। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने की खुशी मिल सकती है। आय बढ़ाने का नया रास्ता खुल सकता है। सामाजिक या सेवा से जुड़े किसी काम में सम्मान मिलने से आत्मविश्वास और प्रतिष्ठा दोनों बढ़ेंगे।

वृश्चिक राशि- आज परिवार और अपनी सेहत, दोनों को नजरअंदाज न करें। जीवनसाथी के साथ छोटी-सी नोकझोंक संभव है, लेकिन बातचीत में प्यार बनाए रखेंगे तो बात ज्यादा नहीं बढ़ेगी। कारोबारियों के लिए दिन खास रह सकता है। मेहनत के दम पर बड़ा ऑर्डर मिलने या किसी अच्छे अवसर के आने के संकेत हैं। वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी रखें। साथ ही, बढ़ते खर्चों पर नजर रखना जरूरी होगा, वरना बजट बिगड़ सकता है।

धनु राशि- आज आपका प्रभाव लोगों पर साफ दिखाई देगा और सम्मान भी बढ़ सकता है। घर में कोई शुभ या मांगलिक आयोजन खुशियों का माहौल बना सकता है। सरकारी कामों में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। दूर रह रहे किसी प्रियजन की याद आपको भावुक कर सकती है। संतान के करियर से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण फैसला भविष्य की दिशा बदल सकता है। आज परिवार से जुड़ा कोई निर्णय लंबे समय तक सकारात्मक असर छोड़ सकता है।

मकर राशि- आज मेहनत का फल मिलने और अधूरी इच्छाओं के पूरे होने की उम्मीद है। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली बॉस को प्रभावित करेगी। समाज सेवा या किसी अच्छे काम में योगदान देने से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। अतीत में हुई कोई गलती आज आपके लिए सीख बनकर काम आएगी।

कुंभ राशि- आज अवसर खुद आपके आसपास आते दिखाई दे सकते हैं। नया काम शुरू करने का विचार आगे चलकर लाभदायक साबित हो सकता है। रिश्तेदारों के साथ छोटी-मोटी बहस संभव है, लेकिन परिवार के बड़े आपकी स्थिति समझकर आपका साथ देंगे। महिला मित्रों या सहयोगियों के माध्यम से व्यापार में लाभ मिलने के संकेत हैं।

मीन राशि- आज मन में चल रही किसी दुविधा के कारण निर्णय लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। कोई महत्वपूर्ण डील अंतिम समय में अटक जाए तो परेशान होने के बजाय धैर्य रखें। कार्यक्षेत्र में कुछ लोगों का व्यवहार तनाव बढ़ा सकता है, लेकिन जल्द प्रतिक्रिया देने से बचें। नौकरी के नए अवसर उम्मीद की नई किरण लेकर आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ अनावश्यक बहस से बचना बेहतर रहेगा। सेहत और खासकर खानपान पर ध्यान दें, क्योंकि छोटी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है।

शब्दजाल - 8366

प्र	अ	मे	क	रा	म	रा	ज	र	प	म
न	द	क	म	व	डो	ने	ग	ति	मा	हा
अ	रा	र	ला	ण	ग	अं	द	ह	प	रा
जी	ज	ल	का	रा	न	स	ध	ह	लि	ज
त	अ	अ	र	ज	जा	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	धि	त	ह	र	वि
ए	ख	रा	ज	व	अ	ला	रा	मा	न	रा
त	न	भा	र	प	र्व	त	रा	ज	वि	ज
रा	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
ज	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स्र	का	प	श
बां	र	मे	घ	रा	ज	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'राज' लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

रामराज, रावणराज, मेघराज, राजाधिराज, एतराज, पर्वतराज, महाराज, विराज, दराज, स्वराज

शब्दजाल - 8365 का हल

म	अ	मु	न	मू	ल्य	वा	न	ग	ल	व
रा	वि	प	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	भा
चु	मे	ष	ह	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ग्य
इं	को	ब	न	ल	वा	स	थु	ल	ष	वा
डि	च	मी	भ	ग	वा	न	क्रो	न	भ	न
य	वा	न	र	रा	क	न	ती	ण	य	र
द	न	निं	ग	ट्रे	न	र	स	सा	श	स
क	ह	ऊ	द	द	ब	क	फ	ग	वा	क
रा	म	तु	ला	या	म	प	क	वा	न	आ
क	गॉ	ल	प	लि	वा	कुं	भ	न	प	द
ज्ञा	न	वा	न	या	क	न	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

31 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 243 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 08.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **योग** गण्ड 01.51 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 08.52 बजे तदनन्तर बव 20.20 बजे को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.58 बजे से
चंद्र	मीन में	तुला	09.09 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.23 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.39 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.44 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	17.31 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.04 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.34 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.14 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मिथुन	00.13 बजे से
		कर्क	02.26 बजे से
		सिंह	04.42 बजे से

चन्द्रायु 18.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872818
जूलियन दिन 2461283.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल
तारीख 17
विशेष कजरी तीज, बहुला चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: वेदांत का मर्म

उन दिनों स्वामी विवेकानंद पैरिस में थे। वहां इटालियन डचेस (राजकुमारी) ने उनसे अनुरोध किया कि वह उन्हें आसपास के इलाके में घुमाना चाहती हैं। दोनों घोड़ागाड़ी से घूमने निकले। चलते हुए वे शहर से बाहर आ गए। कोचवान ने एक जगह गाड़ी रोकी और सड़क किनारे के एक पार्क में चला गया। वहां एक बूढ़ी नौकरानी एक लड़का-लड़की का हाथ पकड़ कर बैठी थी। कोचवान ने उन बच्चों को प्यार किया। बच्चों से कुछ देर बात करने के बाद वह फिर से घोड़ागाड़ी चलाने लगा। डचेस को यह सब थोड़ा अजीब लगा। उन दिनों वहां अमीर-गरीब के बीच बड़ा कठोर विभाजन था। वे बच्चे अभिजात लग रहे थे और कोचवान का इस तरह उन्हें प्यार करना डचेस को खटका। डचेस ने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया। कोचवान ने डचेस से कहा, 'वे मेरे बच्चे हैं। मैं पैरिस के सबसे बड़े बैंक का मैनेजर था। मैंने इतना घाटा उठाया कि उसे चुकाने में कई साल लग जाएंगे। अपनी पत्नी और बच्चों को मैंने इस जगह पर एक किराए के मकान में रखा है। एक बूढ़ी औरत उनकी देखभाल करती है। कुछ रकम जुटाकर मैंने यह घोड़ागाड़ी ले ली और अब इसे चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता हूं। कर्ज चुका देने के बाद मैं फिर से एक बैंक खोलूंगा और उसे विकसित करूंगा।' उसका आत्मविश्वास देखकर विवेकानंद बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने डचेस से कहा, 'इसे वेदांत का मर्म मालूम है। अपनी हैसियत से गिरने के बाद भी अपने व्यक्तित्व और कर्म पर उसकी आस्था डिगी नहीं है। यह अपने मकसद में अवश्य सफल होगा।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7310

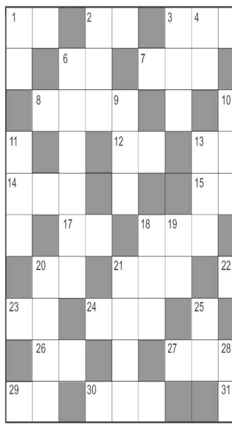

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7309

गु	ना	ह		ग	ज	ब		बा	गी
स		व	जू	द		हा	र	जी	त
	द	स		र	फ्ता	र		ग	
दो	स्त		द				शा	र	दा
	क	या	म	त		घ			स्ता
क		दें		ह	म	रा	ज		न
ल	ज्जा		खे	ल		ना		बा	
हो		ना		का	श्र		जं	ग	ल
ना	जा	य	ज		रा	नी		बा	
हो		क		बॉ	बी		जा	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7619

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7618 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

शब्द पहेली - 8834

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8833 का हल

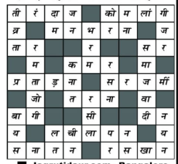

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज माताऐं पुत्र की दिर्घायू के लिये करेगी हरछठ माता की पूजा अर्चना

पद्मेश न्यूज। लांजी। संतान की सुख-समृद्धि, दीर्घायु और मंगलकामना के लिए माताएं भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि पर हलषष्ठी (हरछठ) का व्रत रखेंगी। भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम के जन्मोत्सव से जुड़ा यह पर्व क्षेत्र में श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। पर्व को लेकर लांजी नगर सहित ग्रामीण अंचलों में तैयारियां शुरू हो गई हैं और बाजारों में हलषष्ठी पूजन सामग्री की दुकानें सज गई हैं।

संतान की लंबी उम्र के लिए माताएं रखेंगी हलषष्ठी व्रत

हलषष्ठी के दिन महिलाएं प्रातः स्नान आदि के बाद व्रत रखकर हरछठ माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करती हैं। प्राचीन परंपरा के अनुसार महिलाएं पूजन सामग्री एकत्रित कर सामूहिक रूप से पूजन करती हैं तथा हलषष्ठी माता की कथा का श्रवण-वाचन कर संतान के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामना करती हैं। लांजी नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस पर्व को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। घरों में जहां पूजन की तैयारियां चल रही हैं, वहीं महिलाएं बाजार पहुंचकर आवश्यक पूजन सामग्री की खरीदारी कर रही हैं।

परसोड़ के चावल और टुकनी की बढ़ी मांग

हलषष्ठी पर्व को लेकर लांजी के बाजार में पूजन सामग्री की अस्थायी दुकानें सज गई हैं। पर्व में उपयोग होने वाली पारंपरिक सामग्री के साथ विशेष रूप से परसोड़ के चावल, छोटी टुकनियां, पूजन सामग्री एवं अन्य आवश्यक सामान बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। महिलाएं अपनी जरूरत के अनुसार सामग्री की खरीदारी कर रही हैं।

परंपरा और आस्था का पर्व है हलषष्ठी

हलषष्ठी केवल व्रत और पूजा का पर्व ही नहीं, बल्कि मातृत्व की श्रद्धा और संतान के प्रति ममता का प्रतीक भी माना जाता है। इस दिन महिलाएं कठिन व्रत रखकर अपनी संतान की खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना करती हैं। सामूहिक पूजन और कथा श्रवण के माध्यम से वर्षों पुरानी लोक परंपरा आज भी पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवंत बनी हुई है।

मानवता की मिसाल-सड़क किनारे घायल मिली बुजुर्ग महिला को डॉक्टरों ने निजी वाहन से पहुंचाया अस्पताल

कालीमाटी रोड पर सिर में चोट लगने से खून बह रहा था, डॉक्टरों ने तत्काल प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल किया रेफर

पद्मेश न्यूज। लांजी। कालीमाटी रोड पर घायल अवस्था में बैठी एक बुजुर्ग महिला को देखकर दो डॉक्टरों ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए अपना सफर रोक दिया। महिला के सिर से खून बहता देख उन्होंने बिना देर किए उसे अपने निजी वाहन से सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया, जहां तत्काल प्राथमिक उपचार किया गया। डॉक्टरों की इस मानवीय पहल की क्षेत्र में सराहना हो रही है। जानकारी के अनुसार, 1 सितंबर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रिसेवाड़ा से लांजी की ओर आ रहे डॉक्टर अक्षय कुमार उपराडे एवं डॉक्टर निर्मल दास की नजर ग्राम कालीमाटी की सड़क पर घायल अवस्था में बैठी बुजुर्ग महिला पर पड़ी। महिला के सिर पर चोट लगी थी और खून बह रहा था। स्थिति को देखते हुए दोनों डॉक्टरों ने तत्काल मदद का निर्णय लिया और महिला को अपने निजी वाहन से सिविल अस्पताल लांजी लेकर पहुंचे। सिविल अस्पताल में डॉक्टर अक्षय कुमार उपराडे ने महिला का प्राथमिक उपचार किया। उन्होंने बताया कि महिला की पहचान लता चौधरी, उम्र लगभग 65 वर्ष, निवासी कालीमाटी के रूप में हुई है। महिला को देखकर यह भी प्रतीत हो रहा था कि वह मानसिक रूप से कुछ अस्वस्थ हैं। प्राथमिक उपचार के बाद महिला की स्थिति में सुधार देखा गया, लेकिन सिर में चोट को देखते हुए बेहतर उपचार एवं आवश्यक जांच के लिए उन्हें जिला चिकित्सालय बालाघाट रेफर किया गया।

समय पर मिली मदद, टली परेशानी

घायल महिला को सड़क पर ही छोड़ने के बजाय डॉक्टरों द्वारा तत्काल अस्पताल पहुंचाए जाने से उसे समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सकी। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि मुसीबत में फंसे व्यक्ति की मदद के लिए संवेदनशीलता और तत्परता सबसे महत्वपूर्ण होती है। डॉक्टर अक्षय कुमार उपराडे एवं डॉक्टर निर्मल दास की इस पहल की स्थानीय स्तर पर प्रशंसा की जा रही है।

महावीर इंटरनेशनल के निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर में हुई मरीजों की जांच

पद्मेश न्यूज। लांजी। महावीर इंटरनेशनल लांजी केंद्र, जिला बालाघाट, महाकौशल जोन (रीजन-9) द्वारा 26 से 31 अगस्त तक निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए। लांजी सहित भानेगांव, कुम्हारीकला, बोलेगांव, घोटी, बहेला, साडरा, कान्द्रिकला, रिसेवाड़ा और कारंजा में आयोजित शिविरों में लोगों की स्वास्थ्य एवं नेत्र संबंधी जांच कर आवश्यक परामर्श और मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में प्रशिक्षित चिकित्सक कर्मवीर सिंह के साथ सहयोगी अरशद खान एवं इंद्रकुमार राजा भुते ने स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। जांच के दौरान चयनित मरीजों को आगे की जांच, उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन के लिए महावीर इंटरनेशनल की ओर से आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की बात कही गई।

'सेवा, प्रेम और शांति' को बनाया सेवा का आधार

महावीर इंटरनेशनल का मूल मंत्र 'सबकी सेवा, सबको प्यार' है। संस्था का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य एवं सेवा सुविधाएं पहुंचाना है, ताकि जरूरतमंद लोगों को छोटी-बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता न पड़े। महाकौशल जोन के जोन चेयरमैन एवं महावीर इंटरनेशनल लांजी केंद्र के चेयरमैन विशाल राउत खोंगल ने कहा कि प्राणी मात्र की सेवा के उद्देश्य से लांजी क्षेत्र में महावीर स्वास्थ्य सेवा केंद्रों के माध्यम से स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य जांच, परामर्श और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। नागरिक अपने निकटतम सेवा केंद्र पर पहुंचकर इन सुविधाओं का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि संस्था का प्रयास सेवा, समर्पण और प्रेम के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है।

लिबर्टी कोचिंग के तीन विद्यार्थियों ने हासिल की शिक्षक पद पर सफलता

डॉली, ममता और सुखचरण बने प्राथमिक शिक्षक, ग्रामीण युवाओं के लिए पेश की मिसाल

पद्मेश न्यूज। लांजी। कर्मचारी चयन मंडल, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित शिक्षक चयन परीक्षा-2025 के परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को मध्यप्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षणिक संवर्ग) के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षक के पद पर नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं। इस चयन में लांजी के लिबर्टी कोचिंग सेंटर से मार्गदर्शन प्राप्त करने वाले तीन अभ्यर्थियों ने सफलता अर्जित कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। तीनों के चयन से उनके परिवारों, मित्रों, शिक्षकों एवं क्षेत्र के युवाओं में खुशी का माहौल है। नियुक्ति आदेश के अनुसार डॉली घरते पिता स्व. रणजीत घरते, निवासी ग्राम बोरीकला, पोस्ट मोहझरी का चयन जिला जबलपुर के विकासखंड कुण्डम अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला शहादरा में प्राथमिक शिक्षक के पद पर हुआ है। वहीं ममता घोरमारे पति भागीरथ प्रसाद घोरमारे, निवासी ग्राम सोगलपुर, पोस्ट बिसोनी का चयन जिला मैहर के विकासखंड रामनगर अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला देवरी कलां में प्राथमिक शिक्षक के रूप में हुआ है। इसी क्रम में सुखचरण वाकड़े पिता राधेश्याम वाकड़े, निवासी ग्राम निमटोला, लांजी का चयन शासकीय माध्यमिक शाला धनवाही में प्राथमिक शिक्षक के पद पर हुआ है।

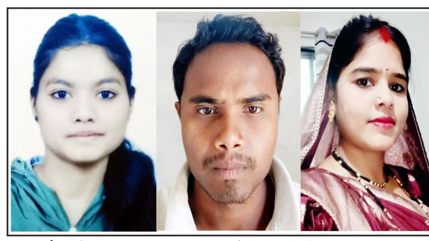

मेहनत, मार्गदर्शन और निरंतर तैयारी का परिणाम

तीनों अभ्यर्थियों की सफलता यह संदेश देती है कि ग्रामीण अंचल में रहने वाले विद्यार्थी भी उचित मार्गदर्शन, नियमित अध्ययन और निरंतर मेहनत के बल पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर सकते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षक बनने का सपना देखने वाले इन युवाओं ने अपनी मेहनत से उस सपने को साकार किया है।

ई-लर्निंग और कैरियर मार्गदर्शन पर संस्थान का जोर

लांजी क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को लिबर्टी कोचिंग सेंटर द्वारा ई-लर्निंग, कैरियर मार्गदर्शन एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण एवं छोटे शहरों के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक शैक्षणिक संसाधन, सही दिशा और बेहतर मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

9 वर्षों से प्रतियोगी विद्यार्थियों को मिल रहा मार्गदर्शन

लिबर्टी लर्निंग सेंटर पिछले 9 वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों का निरंतर मार्गदर्शन कर रहा है। संस्थान से मार्गदर्शन प्राप्त अनेक विद्यार्थी विभिन्न शासकीय सेवाओं में चयनित होकर जिले और प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विद्यार्थियों की लगातार मिल रही सफलता ने क्षेत्र के युवाओं में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति विश्वास और उत्साह बढ़ाया है। इसी सफलता की कड़ी में डॉली घरते, ममता घोरमारे और सुखचरण वाकड़े का प्राथमिक शिक्षक के पद पर चयन संस्थान के लिए भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

तीनों अभ्यर्थियों को दी बधाई

तीनों अभ्यर्थियों के चयन पर लिबर्टी कोचिंग सेंटर के संस्थापक, शिक्षकगण, परिवारजन, मित्रगण एवं साथी विद्यार्थियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डॉली, ममता और सुखचरण की यह उपलब्धि उन ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से शासकीय सेवा में जाने का लक्ष्य लेकर तैयारी कर रहे हैं। उनकी सफलता ने यह साबित किया है कि सही दिशा में की गई मेहनत और निरंतर प्रयास सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

हट्टा पुलिस की दबिश से जंगल में मची भगदड़

धू-धू कर जलती मिलीं अवैध शराब भट्टियां, कोठिया टोला के जंगल में चल रहा था कच्ची शराब का कारोबार, 10 क्विंटल महुआ लाहन नष्ट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम कोठिया टोला के जंगल में नाले के किनारे लंबे समय से चल रहे अवैध कच्ची शराब के कारोबार पर मंगलवार को हट्टा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। दोपहर करीब 2 बजे अचानक जंगल में पहुंची पुलिस टीम को देखते ही अवैध शराब बनाने वालों में भगदड़ मच गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही शराब बनाने में जुटे लोग जंगल का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके पर जलती हुई शराब भट्टियों को तोड़कर नष्ट किया और करीब 10 क्विंटल महुआ लाहन बरामद कर मौके पर ही नष्ट कर दिया।

सूचना मिलते ही जंगल में पहुंची पुलिस

जानकारी के अनुसार 1 सितंबर को हट्टा पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम कोठिया टोला के जंगल में नाले के किनारे हाथ भट्टी से कच्ची शराब तैयार की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल जंगल में पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस टीम जैसे ही नाले के पास पहुंची।अवैध शराब बनाने वालों को इसकी भनक लग गई और वे अपना सामान छोड़कर मौके से भाग निकले।

जल रही थीं शराब भट्टियां-बोरियों में भरा था लाहन

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर देखा तो जंगल में अवैध शराब बनाने के लिए कई भट्टियां धधक रही थीं। आसपास बड़ी संख्या में बोरियों में महुआ लाहन भरा हुआ था। जिसका उपयोग कच्ची शराब बनाने में किया जा रहा था। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शराब बनाने वाली भट्टियों को तोड़ा और करीब 10 क्विंटल महुआ लाहन नष्ट कर दिया।

जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले आरोपी

पुलिस की अचानक कार्रवाई से शराब बनाने वालों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। सभी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल सामग्री को नष्ट कर दिया है। वहीं फरार आरोपियों की पहचान और उनकी तलाश के लिए पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है।हट्टा पुलिस की इस कार्रवाई से जंगल में अवैध रूप से संचालित कच्ची शराब के कारोबार में लिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति है।

लांजी में गूंजेगा मां दुर्गा का जयकारा, 5 से 24 घंटे चलेगा श्री दुर्गा चालीसा अखंड पाठ

नशामुक्ति का संदेश लेकर निकलेगी विशाल जनजागरण रैली

पद्मेश न्यूज। लांजी। नशा-मांसाहार मुक्त, चरित्रवान एवं सद्भावनापूर्ण समाज के निर्माण के संकल्प के साथ लांजी में पहली बार 24 घंटे का विशाल श्री दुर्गा चालीसा अखंड पाठ आयोजित होने जा रहा है। धर्मसम्राट युगचेतना पुरुष सद्गुरुदेव परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज की प्रेरणा से भगवती मानव कल्याण संगठन एवं पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रमधाम के संयुक्त तत्वावधान में भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा बालाघाट द्वारा यह आयोजन किया जाएगा।

5 सितंबर दोपहर 2 बजे से होगा शुभारंभ

आयोजन समिति के अनुसार 24 घंटे का श्री दुर्गा चालीसा अखंड पाठ 5 सितंबर 2026, शनिवार को दोपहर 2 बजे प्रारंभ होगा, जिसका समापन 6 सितंबर 2026, रविवार को दोपहर 2 बजे होगा। आयोजन का स्थल भारती मैरिज लॉन, भिलाई रोड, सिंघाड़ा तालाब के पास, लांजी निर्धारित किया गया है। अखंड पाठ के दौरान श्रद्धालु निरंतर मां दुर्गा की आराधना एवं श्री दुर्गा चालीसा पाठ में सहभागी बनेंगे।

समापन अवसर पर सौरभ द्विवेदी 'अनूप भैया' की विशेष उपस्थिति

आयोजन का प्रमुख आकर्षण समापन अवसर पर भगवती मानव कल्याण संगठन के केंद्रीय महासचिव एवं सिद्धाश्रम रत्न श्री सौरभ द्विवेदी जी (अनूप भैया) की विशेष उपस्थिति रहेगी। उनके मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में अखंड पाठ का समापन किया जाएगा। आयोजन को लेकर संगठन के कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं द्वारा तैयारियां की जा रही हैं।

नशामुक्ति का संदेश देगी विशाल जनजागरण रैली

धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से 6 सितंबर, रविवार को सुबह 10 बजे लांजी नगर में विशाल नशामुक्ति जनजागरण रैली निकाली जाएगी। रैली के माध्यम से समाज को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने, युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने तथा परिवार एवं समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने का संदेश दिया जाएगा।

आयोजन समिति के अनुसार श्री दुर्गा चालीसा अखंड पाठ का उद्देश्य धार्मिक चेतना के साथ-साथ समाज में सदाचार, संस्कार, आपसी सद्भाव और नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। संगठन ने क्षेत्रवासियों से इस पुण्यमय एवं जनजागरण से जुड़े आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

संकट की घड़ी में पूरी सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ - मुख्यमंत्री

चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का पैदल निरीक्षण, राहत शिविर पहुंचकर प्रभावितों को बांटी सामग्री अधिकारियों को तीन दिन चित्रकूट में रहकर राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को चित्रकूट पहुंचकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में पूरी सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है। बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई नियमानुसार की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने प्राचीन मुखारविंद के पास बनाए गए राहत शिविर में पहुंचकर प्रभावित परिवारों की कुशल-क्षेम जानी तथा उन्हें वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न सहित राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनजीवन सामान्य होने तक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी चित्रकूट में ही रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करें। अधिकारियों को कम से कम तीन दिन तक मौके पर रहकर प्रभावितों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने रामधाम मोहल्ले के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया। कीचड़ से भरे रास्तों से होते हुए वे प्रभावित परिवारों के घरों तक पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने रामफल गर्ग और किस्मत कुमार गर्ग से चर्चा कर जलभराव से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

सतना-चित्रकूट मार्ग पर माधव धर्मशाला के समीप अग्रहरि किराना स्टोर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने दुकानदार कामता प्रसाद गुप्ता से भी मुलाकात की और दुकान में पानी भरने से हुए नुकसान का जायजा लिया।

भोजन, पानी और चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार हुई अतिवृष्टि के कारण सेमरावल और मंदाकिनी नदियों का जलस्तर बढ़ने से चित्रकूट में बाढ़ की स्थिति बनी। कई घरों में पानी घुसने से घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा है। जिला प्रशासन की तत्परता से अब तक किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी हैं।

उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित लोगों के लिए भोजन, वस्त्र, पेयजल और चिकित्सा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान का सर्वे कराया जाएगा। जिन लोगों के पशुओं की हानि हुई है अथवा अन्य नुकसान हुआ है, उन्हें भी नियमानुसार राहत एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने शनिवार रात रीवा में रुककर सतना और रीवा जिलों में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की थी। मौसम पूर्वानुमान के कारण प्रशासन पहले से अलर्ट था, जिससे राहत एवं बचाव कार्य समय पर शुरू किए जा सके। उन्होंने कहा कि फिलहाल सरकार का पूरा ध्यान राहत कार्यों में तेजी लाने और जलस्तर कम होने के बाद प्रभावित परिवारों को सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचाने पर है।

राहुल के कार्यक्रम में 50 हजार जेन जी इकट्ठा करने का टारगेट

- लाइव कंसर्ट भी...जिसके माध्यम से युवाओं को जोड़ सके
- 30 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को लाने का टारगेट
- इंदौर और आसपास के जिलों से भी आएंगे युवा
- मध्यप्रदेश के मूद्दों पर भी बोलेंगे राहुल गांधी

भोपाल। अगले महीने की 12 तारीख को इंदौर आ रहे लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लाइव कंसर्ट को लेकर रूपरेखा बनना शुरू हो गई है। फिलहाल कांग्रेस ने नेहरू स्टेडियम जैसी बड़ी जगह मांगी है, जहां ज्यादा व्यवस्थाएं जुटाना नहीं पड़ेगी। कार्यक्रम में इंदौर तथा आसपास के जिलों से 50 हजार जेन जी युवाओं को लाने का टारगेट है, जिन्हें राहुल गांधी संबोधित करेंगे।

12 सितम्बर को राहुल गांधी का इंदौर दौरा तय हुआ है। कोटा, पुणे, प्रयागराज और बिहार में अब तक इस तरह के लाइव कंसर्ट आयोजित किए जा चुके हैं, जिसको लेकर कांग्रेस को जेन जी का सपोर्ट मिला है। कांग्रेस इसी क्रम को आगे बढ़ाना चाहती है और इंदौर जैसे शहर में राहुल गांधी के युवाओं से संवाद की योजना बनाई गई है। छात्रों की गूंज कार्यक्रम के तहत होने वाले इस संवाद में विशेषकर इंदौर के सभी कॉलेज-होस्टलों के साथ-साथ आसपास के शहरों से युवाओं को इंदौर लाने का टारगेट रखा गया है। अगर नेहरू स्टेडियम की अनुमति मिल जाती है, तो राहुल गांधी की टीम आकर यहां का निरीक्षण करेगी और स्थानीय नेताओं को निर्देश देगी। जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने बताया कि पूरी बागडौर राहुल गांधी के दिल्ली स्थित कार्यालय के हाथों में ही हैं, वे ही तय करते हैं कि कार्यक्रम की रूपरेखा कैसी हो? फिलहाल तय हुआ है कि राहुल गांधी के मंच पर आने के पहले प्रसिद्ध सिंगर का लाइव कंसर्ट भी होगा। कार्यक्रम के लिए प्रत्येक युवा का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय और प्रदेश की टीम यूनिवर्सिटी, कॉलेज और होस्टल में जाकर छात्रों से संपर्क करेगी। 30 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को ही कार्यक्रम में बुलाया जा रहा है। राहुल गांधी कार्यक्रम में जेन जी की बात तो करेंगे ही, इसके साथ ही मध्यप्रदेश के मूद्दों पर भी वे बोलेंगे। फिलहाल कांग्रेस नेता स्टेडियम की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं, जैसे ही अनुमति आएगी, मैदानी तैयारियां शुरू कर दी जाएगी।

संस्कारहीन नौजवान देश को आगे नहीं बढ़ा सकता - नरेन्द्र सिंह तोमर

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि युवाओं को अध्ययन के साथ अनुशासन, आत्मसंयम और आध्यात्मिक संस्कारों को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। संस्कारहीन नौजवान देश को आगे नहीं बढ़ा सकता। युवा देश निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं, इसी में समाज, धर्म और भारत का भविष्य निहित है।

श्री तोमर संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित 'विद्याकुल सेरेमनी' एवं 'युवाओं का विकासङ्कसंस्कारों के साथ' विषयक युवक-युवती सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में उन्होंने आचार्य श्री के चरणों का पाद-प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और इसके बाद सभागार में मौजूद सैकड़ों युवक-युवतियों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक संस्कारों का बीजारोपण बचपन से ही होना चाहिए। बचपन में लगाए गए संस्कारों का बीज धीरे-धीरे वृक्ष और फिर वटवृक्ष बनता है, जिसके फल का लाभ पूरे समाज को मिलता है। युवाओं को अपने जीवन में अच्छे संस्कार अपनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। श्री तोमर ने कहा कि इतिहास में बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय परिवर्तन करने वाले अनेक महान व्यक्तित्वों ने युवावस्था में ही महत्वपूर्ण कार्य किए। आदि गुरु शंकराचार्य ने देश को एकसूत्र में जोड़ने के लिए यात्रा की, जबकि स्वामी विवेकानंद ने युवावस्था में शिकागो की धर्म संसद में ऐतिहासिक उद्बोधन दिया। रानी लक्ष्मीबाई, राम प्रसाद बिस्मिल, सुखदेव, राजगुरु और अशफाक उल्ला खान जैसे क्रांतिकारियों ने भी युवावस्था में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

उन्होंने कहा कि बचपन जानने, तरुणाई सीखने और युवावस्था काम करने का समय है। युवाओं को भगवान महावीर के बताए मार्ग तथा आचार्य विद्यासागर जी के विचारों से प्रेरणा लेकर ऐसा जीवन जीना चाहिए, जिससे भारत पुन: विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित हो।

तकनीक के उपयोग पर श्री तोमर ने कहा कि तकनीक के लाभ और नुकसान दोनों हैं। दूर रहने वाले लोग तकनीक के माध्यम से संतों के प्रवचन सुन सकते हैं, लेकिन जहां संभव हो, संतों के सानिध्य में प्रत्यक्ष रूप से प्रवचन सुनना अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से तकनीकी शिक्षा के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने और राष्ट्र एवं समाज की सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

51 सडक़ों की जांच में खामियां, 20 जगह क्रैश बैरियर गायब

- कैग रिपोर्ट ने खोली मप्र की सडक़ों की पोल, कहीं संकरे मोड़ तो कहीं जरूरत से ज्यादा ढाल

भोपाल। मध्य प्रदेश में सडक़ हादसों के बीच अब सडक़ की गुणवत्ता के साथ उसकी डिजाइन और सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। राजगढ़ के घुमावदार ब्रिज पर हुए भीषण बस हादसे के बाद नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की सडक़ संबंधी प्रदर्शन लेखापरीक्षा रिपोर्ट चर्चा में आ गई है। रिपोर्ट में प्रदेश की कई सडक़ों पर ऐसी खामियां दर्ज की गई हैं, जो दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ा सकती हैं। कैग ने विभागीय अधिकारियों के साथ 51 सडक़ों का संयुक्त भौतिक निरीक्षण किया। इसमें कहीं घुमावदार हिस्सों पर पर्याप्त चौड़ाई नहीं मिली तो कहीं क्रैश बैरियर और रोड मार्किंग जैसी जरूरी सुरक्षा व्यवस्थाएं अधूरी मिलीं। कुछ जगह सडक़ की ढाल भी निर्धारित मानकों से काफी अधिक पाई गई।

कैग के निरीक्षण में भोपाल, बुरहानपुर और उज्जैन संभागों की तीन सडक़ों के घुमावदार हिस्सों पर कैरिजवे को आवश्यक अतिरिक्त चौड़ाई नहीं दिए जाने की बात सामने आई। सडक़ इंजीनियरिंग में घुमावदार हिस्सों पर पर्याप्त चौड़ाई और उचित डिजाइन जरूरी माना जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक खराब डिजाइन, तीखे मोड़ और अधिक ढाल वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ा सकते हैं। यही मुद्दा राजगढ़ के हादसे के बाद और महत्वपूर्ण हो गया है, जहां घुमावदार ब्रिज पर तेज रफ्तार स्लीपर बस अनियंत्रित होकर सुरक्षा दीवार से टकराई थी।

20 सडक़ परियोजनाओं में क्रैश बैरियर नहीं

कैग ने नौ संभागों में 20 सडक़ कार्यों का निरीक्षण किया। इनमें ऐसे स्थान भी मिले जहां क्रैश बैरियर की जरूरत थी, लेकिन उन्हें नहीं लगाया गया था। तीखे मोड़, पुल, ऊंचे तटबंध और सडक़ किनारे मौजूद बाधाओं वाले स्थानों पर क्रैश बैरियर वाहन के सडक़ से बाहर जाने या टकराने की स्थिति में नुकसान कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। रिपोर्ट में कई ऐसे स्थानों का उल्लेख किया गया है जहां तटबंध की ऊंचाई तीन मीटर से अधिक थी, लेकिन वहां आवश्यक सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए। सडक़ सुरक्षा की दूसरी बड़ी कमी रोड मार्किंग को लेकर सामने आई। कैग ने 13 संभागों के 26 सडक़ कार्यों में रिफ्लेक्टिव थर्मोप्लास्टिक रोड मार्किंग का प्रावधान या उसका क्रियान्वयन नहीं पाया। यह कमी कुल 404.75 किलोमीटर सडक़ पर दर्ज की गई। इन सडक़ों के निर्माण पर करीब 478.27 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। सरकार की ओर से ऑडिट के दौरान धन की कमी के कारण कुछ जगह रोड मार्किंग नहीं होने की बात कही गई और बाद में सभी कार्यों में इसे लागू करने की जानकारी दी गई। हालांकि कैग ने इस जवाब को स्वीकार नहीं किया और रोड मार्किंग को अनिवार्य सडक़ सुरक्षा प्रावधान माना।

एक सडक़ पर 17 प्रतिशत ढाल, मानक 5 से 7 प्रतिशत

कैग के संयुक्त निरीक्षण में रायसेन संभाग की चंदन-पिपलिया से जूना-रायपुरा सडक़ के एक हिस्से में करीब 17 प्रतिशत ढाल मिली। रिपोर्ट के अनुसार निर्धारित अधिकतम ढाल करीब 5 से 7 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए। ऐसे में 17 प्रतिशत ढाल वाला हिस्सा अत्यधिक असुरक्षित और दुर्घटना संभावित क्षेत्र बन सकता है। यह मामला बताता है कि सडक़ बनाने के दौरान केवल सडक़ की लंबाई और निर्माण पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके डिजाइन, ढाल, मोड़ और सुरक्षा सुविधाओं का मानकों के अनुरूप होना भी जरूरी है।

कैग ने सरकार को दिए तीन अहम सुझाव

सडक़ सुरक्षा से जुड़ी कमियों के बाद कैग ने सरकार को कई सुधारात्मक कदम उठाने की अनुशंसा की है। इनमें प्रमुख रूप से सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के निर्धारित मानकों का पालन किया जाए। जहां जरूरी हो, वहां क्रैश बैरियर अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। सडक़ सुरक्षा ऑडिट की प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाए। कैग की रिपोर्ट का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सडक़ निर्माण को केवल परियोजना पूरा होने के आंकड़े से नहीं देखा जा सकता।

1.22 लाख विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए मिलेंगे 25-25 हजार रुपये

भोपाल। कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के करीब 1 लाख 22 हजार मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 1 सितंबर को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के खातों में राशि का अंतरण करेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों को यह राशि प्रदान की जा रही है। इस वर्ष योजना में विद्यार्थियों को कुल 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी।

सरकार का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने और उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ना है। लैपटॉप मिलने से विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन, ई-लर्निंग, डिजिटल पाठ्य सामग्री और अन्य तकनीकी संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। यह पहल विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा का संबल देने के साथ उनके शैक्षणिक विकास को गति देने में सहायक होगी।

'असामाजिक साबित हुए तो छोड़ दूंगा राजनीति' - गुना में भाजपा विधायक और जिला मंत्री के बीच छिड़ी खुली जंग

गुना । जिले में भाजपा का अंदरूनी सियासी घमासान थम नहीं रहा है। पार्टी की चांचौड़ा विधायक और संगठन के पदाधिकारियों के बीच चल रही खींचतान अब सार्वजनिक मंचों पर खुलकर सामने आ रही है। गतदिवस मधुसूदनगढ़ में त्री जनश्विास शिविर में क्षेत्रीय विधायक ने पार्टी के जिला मंत्री का नाम लिए बिना बसस्टैंड की जमीन से जुड़े मामले को लेकर उन्हें असामाजिक तत्व कह दिया, तो जिला मंत्री ने वीडियो जारी कर विधायक के आरोपों का खंडन किया। इससे पहले गुना में रविदास समरसता कार्यक्रम में जगह न मिलने पर चांचौड़ा विधायक ने मंच से ही भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पर तंज कसा था।

जनविश्वास शिविर में कलह उजागर

दरअसल, मधुसूदनगढ़ मंडी परिसर में शनिवार को मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का चौथा जिलास्तरीय शिविर लगा था। इसमें जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, क्षेत्रीय विधायक प्रियंका मीना सहित कलेक्टर किशोर कन्याल और पुलिस अधीक्षक हितिका वासल भी मौजूद थीं। इस दौरान मंच से चांचौड़ा विधायक श्रीमती मीना ने कहा था कि गोशाला के लिए जमीन देख ली है, जो पठारी इलाका है। वहीं बसस्टैंड के मुद्दे पर विधायक ने कहा कि 'कुछ असामाजिक तत्व बोलते हैं कि रिश्तेदार हैं, वहां पहुंचाना चाहती हैं विधायक। तो मैं कहना चाहूंगी कि आप सब मेरा परिवार है। वहीं जो असामाजिक तत्व बोल रहे हैं, तो मुझे लगता है कि वहां उनकी जमीनें हैं।' इसके तत्काल बाद मधुसूदनगढ़ निवासी और भाजपा जिला मंत्री रुद्रदेव सिंह ने इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो जारी कर पलटवार किया। उन्होंने विधायक श्रीमती मीना के आरोपों को खारिज किया, तो खुद व स्वयं जैसों को असामाजिक तत्व भी स्वीकार किया। साथ ही कहा कि 'वे मधुसूदनगढ़ बसस्टैंड का मुद्दा वर्ष 2021 से उठा रहे हैं, जब प्रियंका मीना विधायक तो दूर भाजपा की सदस्य भी नहीं थीं।'

वर्ग-3 के 7हजार शिक्षकों की शाला आवंटन प्रक्रिया आज से

भोपाल। एमपी में वर्ग-3 के करीब 7 हजार चयनित शिक्षकों की शाला आवंटन प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी। 400 शिक्षकों को म्यूचुअल ट्रांसफर की सुविधा देने के बाद अब विभाग पदस्थापना की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है। शाला आवंटन के बाद चयनित शिक्षकों को एक सप्ताह के भीतर संबंधित स्कूलों में जॉइन करना होगा। इसी दिन वर्ग-2 के चयनित शिक्षकों के लिए वेटिंग काउंसलिंग का दूसरा चरण भी शुरू किया जाएगा।

लोक शिक्षण आयुक्त कार्यालय ने शाला आवंटन की प्रक्रिया की तैयारियां पूरी कर ली हैं। विभाग का कहना है कि शिक्षकों की पदस्थापना होने के बाद स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने में मदद मिलेगी। लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने बताया कि वर्ग-3 के शिक्षकों की पदस्थापना 15 अगस्त तक करने की तैयारी थी। हालांकि, चयनित शिक्षकों के सामने पदस्थापना स्थल को लेकर गतिरोध की स्थिति सामने आई। इसके बाद विभाग ने पहली बार चयनित शिक्षकों को म्यूचुअल ट्रांसफर की सुविधा दी। इसके तहत शिक्षकों को आपस में संपर्क कर स्थानांतरण के लिए आवेदन करने का मौका दिया गया। करीब 400 चयनित शिक्षकों ने इस सुविधा का लाभ लिया। इस प्रक्रिया के कारण शाला आवंटन में कुछ देरी हुई, लेकिन अब सोमवार से आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

एम्स भोपाल की पीएचडी शोध छात्रा मयूरी बिसेन ने राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

भोपाल। एम्स भोपाल के जैवरसायन विभाग की पीएचडी शोध छात्रा सुश्री मयूरी बिसेन ने राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक सम्मेलन बायबायोमेडिका-2026 में मौखिक शोध प्रस्तुति श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने डॉ. सुखेस मुखर्जी के मार्गदर्शन में 卐भारी धातुओं के संपर्क से उत्पन्न कोशिकीय तनाव में सर्वाइवरिन की भूमिका- एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन卐 विषय पर शोध प्रस्तुत किया।

शोध प्रस्तुति का सारांश कोड एनएमएमटीए-बीओपी-01 था। शोध में यह समझने का प्रयास किया गया कि सीसा, पारा और अन्य भारी धातुओं के संपर्क में आने पर शरीर की कोशिकाओं में किस प्रकार का तनाव उत्पन्न होता है और इस दौरान सर्वाइवरिन किस तरह भूमिका निभाता है। भारी धातुओं के संपर्क से कोशिकाओं की सामान्य कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। ऐसे में सर्वाइवरिन कोशिकाओं की गतिविधियों और तनाव के प्रति उनकी प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शोध का उद्देश्य इसी प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझना है। भारी धातुओं का संपर्क पर्यावरण और कुछ कार्यस्थलों के माध्यम से होने की संभावना के कारण इस क्षेत्र में शोध महत्वपूर्ण माना जाता है।

सरकार आते ही खत्म करेंगे यूसीसी

भोपाल । मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने समान नागरिक संहिता को लेकर बड़ा बयान देते हुए प्रदेश की राजनीति में सरगर्मी बढ़ा दी है। 'आजादी-उलेमा की कुर्बानी' कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में उन्होंने राज्य सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े किए। सिंघार ने स्पष्ट कहा कि बहुमत के दम पर विधानसभा में इस काले कानून को पास कराया गया है और 2028 में कांग्रेस की सरकार बनते ही इसे तत्काल प्रभाव से खत्म कर दिया जाएगा।

समान नागरिक संहिता के अलावा नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश के सतना और रीवा में आई भीषण बाढ़ की स्थिति पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ की वजह से सैकड़ों परिवार बेघर हो चुके हैं और उनके पास खाने-पीने तक का सामान नहीं बचा है। सरकार को महज 'हवाई सर्वे' का नाटक बंद करके बाढ़ प्रभावितों को तुरंत आर्थिक मदद और ठोस राहत पैकेज उपलब्ध कराना चाहिए।

आरिफ मसूद ने खोली मोहब्बत की दुकान

विधायक आरिफ मसूद द्वारा आयोजित आज़ादी के पखवाड़े के समापन कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान अतिथियों द्वारा बच्चों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने विधायक आरिफ मसूद के प्रयासों की जमकर सराहना की। पटवारी ने कहा, नफरत के इस दौर में आरिफ मसूद जी ने आज़ादी का पखवाड़ा मनाकर राहुल गांधी जी की 'मोहब्बत की दुकान' को सही मायनों में खोला है।

बीजेपी कार्यसमिति और राहुल गांधी के इंदौर दौरे पर साधा निशाना

बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति बैठक को लेकर हमला बोलते हुए उमंग सिंघार ने कहा कि हेमंत खंडेलवाल को अध्यक्ष बने एक साल से अधिक का समय हो गया, लेकिन पहली कार्यसमिति बैठक अब बुलाई जा रही है। यह सीधे तौर पर उनकी नेतृत्व क्षमता की नाकामी को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश का युवा अपनी मांगों और रोजगार को लेकर सडक़ों पर उतरने को मजबूर है। इसी युवाओं की आवाज को बुलंद करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी 12 सितंबर को इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। अगर सरकार वाकई युवा हितैषी है, तो उसे युवाओं की मांगें मानकर उन्हें रोजगार देना चाहिए।

लगातार गर्मा रहा है खरगे की सभा के बाद शुद्धिकरण का मामला

एफआईआर दर्ज कराने थाने पहुंचे कांग्रेसी

भोपाल। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद कार्यक्रम स्थल के कथित शुद्धिकरण का मामला लगातार गर्माता जा रहा है। घटना के विरोध में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अनुसूचित जाति विभाग) के कार्यकर्ताओं ने एमपी नगर थाने पहुंचकर शिकायती आवेदन देते हुए दोषियों के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इस दौरान कार्यकर्ताओ ने थाने के बाहर जमीन पर बैठकर भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा और आरएसएस की इस कथित मनुवादी मानसिकता की कड़े शब्दों में निंदा की। उनका कहना है कि इस तरह की घटनाएं समाज में छुआछूत जैसी अमानवीय कुप्रथाओं को बढ़ावा देती हैं, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस को आवेदन देने प्रदीप अहिरवार (प्रदेश अध्यक्ष, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग), अभिनव बारोलिया (प्रदेश प्रवक्ता), मुकेश बंसल (प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कार्यालय प्रभारी), रमेश चंद्र बकोरिया (प्रदेश संगठन महामंत्री), जगदीश रोहर (प्रदेश सचिव), महेश वर्मा (प्रदेश सचिव) और नीरज चंडाले (जिला अध्यक्ष) सहित विभाग के कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

- ये है मामला

जानकारी के अनुसार कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक जनसभा को संबोधित किया था। मल्लिकार्जुन खरगे की यह सभा समाप्त होने के बाद भाजपा और आरएसएस समर्थित कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर गंगाजल छिड़ककर मंच और मैदान का कथित तौर पर शुद्धिकरण किया था। कॉंग्रेस इसका देश भर में कड़ा विरोध कर रही है, इसी कड़ी में भोपाल में कांग्रेसियों ने पुलिस को शिकायती आवेदन देकर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 5 रन बनाकर आउट

थाईलैंड के खिलाफ भारत का स्कोर 110/3, शेफाली फिफ्टी बनाकर खेल रहीं

दुबई। भारत ने विमेंस एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ तीसरा विकेट गंवा दिया है। कप्तान हरमनप्रीत कौर 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। प्रतिका रावल 22 रन और ओपनर स्मृति मंधाना 19 रन बना सकीं। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 12 ओवर के बाद टीम इंडिया का स्कोर 110/3 है। शेफाली वर्मा फिफ्टी लगाकर खेल रही हैं। भारती फूलमाली उनका साथ दे रही हैं। थाईलैंड ने ग्रुप-ए के इस मुकाबले का टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। प्रतिका रावल डेब्यू कर रही हैं। वहीं, दीप्ति शर्मा 150वां मैच खेल रही हैं। जेमिमा रोड्रिग्स चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं।

भारत ने तीसरा विकेट गंवाया, कप्तान कौर आउट

12वें ओवर की तीसरी बॉल पर भारत ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां पर कप्तान हरमनप्रीत कौर 5 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें थिपाचा पुथावोंग ने पॉइंट पर फन्निता माया के हाथों कैच कराया। हरमनप्रीत कौर ने 9 गेंदों पर 5 रन बनाए। थिपाचा पुथावोंग महिला टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं।

प्रतिका आउट, शेफाली की फिफ्टी

9वें ओवर की आखिरी बॉल पर प्रतिका रावल 22 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें सुलेपोर्न लाओमी ने बोल्ड कर दिया।

5वीं बॉल पर शेफाली वर्मा ने सिंगल लेकर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल में 19वीं फिफ्टी लगाई है। इस ओवर के बाद टीम इंडिया का स्कोर 91/2 है।

शेफाली-प्रतिका में फिफ्टी पार्टनरशिप

7वें ओवर में शेफाली वर्मा और प्रतिका रावल में फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी की। शेफाली ने सुनीदा चतुरोंगरत्तना की चौथी बॉल पर छक्का लगाकर पार्टनरशिप को 50 पार पहुंचाया।

ब्रेविस की आक्रामक पारी से दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया

विंडहॉक। युवा दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने नामीबिया में जारी त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज में 32 गेंदों पर नाबाद 75 रन बनाकर अपनी टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत दिलायी है। ब्रेविस की तूफानी पारी से दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराकर सीरीज में वापसी की है। इससे पहले के मैच में उसे नामीबिया के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में ब्रेविस ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 7 चौके और 6 छक्के लगाये। उनकी इस आक्रामक पारी से टीम को आसानी से जीत मिल गयी। ब्रेविस ने अपने बल पर ही टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे दक्षिण अफ्रीका ने केवल 13.4 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया।

वहीं इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 144 रन बनाए। जिम्बाब्वे की ओर से सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने 4 चौके और 1 छक्के लगाकर सबसे अधिक 34 रन बनाये। वहीं तादिवानाशे मारुमानी ने 30 रन बनाये। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की ओर से ब्रेविस के अलावा कुछ अन्य बल्लेबाजों ने अच्छी पारी खेली। सलामी बल्लेबाज लुहान-ड्रे प्रेटोरियस ने 22 रन और जॉर्डन हरमन ने 20 रन बनाए। वहीं टोनी डी जोर्जी ने भी 15 बनायेया। अंत में, रुबिन हरमन ने नाबाद 11 रन बनाकर टीम को 13.4 ओवर में ही लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं इससे पहले के मैच में मेजबान नामीबिया ने दक्षिण अफ्रीका को हराया था। अब जिम्बाब्वे पर जीत के साथ ही टीम मुकाबले में बनी हुई है।

श्रीलंका से छिनी महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

-आईसीसी ने लगाया सरकारी दखल का आरोप; अब दूसरे देश में होगा टूर्नामेंट

दुबई। 2027 में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी श्रीलंका से छिन गई है। आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट में सरकारी दखल को लेकर आपत्ति जताई है। अब 14 से 28 फरवरी तक होने वाला छह टीमों का टूर्नामेंट किसी दूसरे देश में खेला जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का कामकाज फिलहाल सरकार की बनाई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी देख रही है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक सदस्य बोर्ड को सरकार के हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से काम करना होता है।

पाक टीम के कोच सरफराज बोले, मैच के बहिष्कार का इरादा नहीं था

लंदन । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच सरफराज अहमद ने कहा है कि उनकी टीम का लॉर्ड्स में जारी पहले क्रिकेट टेस्ट के बहिष्कार का कोई इरादा नहीं था। वहीं इससे पहले कहा गया था कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और दिग्गज क्रिकेटर इमरान खान के बेटों सुलेमान और कासिम खान के इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथर्टन के साथ एक साक्षात्कार के मीडिया में आने के बाद से ही पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भड़क गया था और उसने मैच से हटने की धमकी तक दी थी। इसी को लेकर सरफराज ने कहा कि उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली थी और टीम का ध्यान खेल पर ही था। इस साक्षात्कार में इमरान के दोनों बेटों ने जेल में बंद अपने पिता की खराब सेहत का मामला उठाते हुए आरोप लगाया था कि पाक सरकार उन्हें इलाज तक उपलब्ध नहीं करा रही। इसके बाद पीसीबी ने इस संबंध में इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से आधिकारिक शिकायत भी दर्ज कराई थी, जिससे यह मामला गरमा गया था। पीसीबी की कथित आपत्ति के बाद, मीडिया में यह अटकलें जोर पकड़ने लगीं कि यदि यह संवेदनशील साक्षात्कार टीवी पर प्रसारित किया गया, तो टीम विरोध स्वरूप मैदान पर उतरने से इनकार कर सकती है। हालांकि, इन अटकलों के बावजूद, ये साक्षात्कार प्रसारित किया गया। इसी को लेकर जब सरफराज सवाल किया गया, तो उन्होंने बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा कि उन्हें इस मामले की कोई भी जानकारी नहीं थी।सरफराज ने से कहा कि उनका और उनकी पूरी टीम का एकमात्र ध्यान चल रहे टेस्ट मैच पर लगा था। उन्होंने उन सभी खबरों को बेबुनियाद बताया जिनमें पाकिस्तानी खिलाड़ियों के मैच का बहिष्कार करने या मैदान पर नहीं उतरने की बात कही जा रही थी। उनके मुताबिक, जिस समय इमरान खान के बेटों का इंटरव्यू ब्रॉडकास्ट किया जा रहा था, उस वक्त टीम के खिलाड़ी आराम से अपना लंच कर रहे थे, और टीम के भीतर मैच छोड़ने या मैदान पर न उतरने जैसी किसी भी बात पर कोई चर्चा नहीं हुई थी।

श्रीलंका ने महिला एशिया कप क्रिकेट में यूएई को 9 विकेट से हराया

दुबई । श्रीलंका टीम ने महिला टी20 एशिया कप क्रिकेट के दूसरे मुकाबले में मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को आसानी से हरा दिया। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में श्रीलंका ने यूएई को केवल 47 गेंदों में ही 9 विकेट से हरा दिया। इस मैच में यूएई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 79 रन बनाये। इसके बाद श्रीलंकाई टीम ने एक विकेट पर 80 रन बनाकर ये लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की ओर से कप्तान चमारी अटापटु ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए 25 गेंदों में ही 7 चौके और 2 छक्के लगाकर नाबाद 48 रन बनाये। इसके अलावा इमेशा दुलानी ने 18 गेंदों में 5 चौके लगाकर तेजी से 25 रन बनाए। इससे श्रीलंकाई टीम असानी से लक्ष्य तक पहुंच गयी। यूएई की टीम एक भी विकेट नहीं ले पायी।

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम लंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। टीम की केवल चार बल्लेबाज ही दो अंकों तक तक पहुंच पाईं, कप्तान ईशा ओजा ने सर्वाधिक 24 गेंदों में 18 रन बनाए, जबकि समायरा धरनिधारका ने 25 गेंदों में 17 रनों का योगदान दिया। इनके अलावा, रिनिथा रजित ने 15 और हीना होटचंदानी ने 10 रन बनाए। वहीं बाकी की बल्लेबाज विफल रही और पूरी टीम 79 रन ही बना पायी।

श्रीलंका की ओर से मिताली अयोध्या और चेतना विमुक्ति ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 3-3 महत्वपूर्ण विकेट लिए। वहीं सुगंदिका कुमारी ने भी 2 विकेट लिए। कप्तान चमारी अटापटु और कविशा दिलहारी ने 1-1 विकेट लिया। इससे श्रीलंका ने यूएई को 79 रनों पर ही आउट कर दिया। इस मैच में अपने शानदार प्रदर्शन से श्रीलंकाई टीम ने दिखाया है कि वह खिताब की प्रबल दावेदार है।

अर्जेंटीना ने तीसरी बार खिताब जीता

पैनाल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को 3-1 से हराया

एम्सटलवीन । अर्जेंटीना ने नौ बार की विजेता डच टीम नीदरलैंड्स को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर एफआईएच हॉकी विश्वकप जीत लिया है। दोनो ही टीमों के बीच ये मुकाबला बेहद कड़ा रहा और तय समय में परिणाम नहीं निकलने के बाद इसका फैसला पैनाल्टी शूटआउट में हुआ। इसी के साथ ही अर्जेंटीना ने तीसरी बार विश्वकप जीता है। अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी यह खिताब जीता था। वही डच टीम का लगातार चौथा विश्व कप जीतने का सपना टूट गया। अर्जेंटीना ने इसी के साथ ही पिछली बार नीदरलैंड से मिली करारी हार का हिसाब भी बराबर कर लिया।

फाइनल मुकाबला तय समय तक 1-1 से बराबरी पर रहा। डच टीम की ओर से जैनसेन यिब्बी ने मैच के 30वें मिनट पर पहला गोल किया। इसके बाद अर्जेंटीना की ओर से ग्रनाटो मारिया ने 54वें मिनट में एक गोल कर स्कोर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया। बढ़ा। पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना की खिलाड़ियों ने काफी अच्छा खेल देखाते हुए डच टीम को 3-1 से हरा दिया। अर्जेंटीना के लिए विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने एक-एक गोल किये। वहीं नीदरलैंड के लिए एकमात्र गोल वीन मारिन ने किया।अर्जेंटीना ने इस टूर्नोमेंट में पूल स्तर में तीन में से दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला, जिससे वे अगले चरण में पहुंचे। स्टेज-2 में भी उन्होंने तीन में से दो मैच जीते और एक ड्रॉ पर समाप्त किया, जिससे उन्हें सेमीफाइनल और फिर फाइनल में जगह मिली।

इंटर मियामी ने मेजर लीग फुटबॉल में मॉन्ट्रियल को 7-1 से हराया, मेसी ने किये चार गोल

फ्लोरिडा। स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के चार गोलों से इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के एक रोमांचक मुकाबले में मॉन्ट्रियल को 7-1 से हरा दिया। टीम की जीत में मेसी के चार गोलों की सबसे बड़ी भूमिका रही। इस शानदार जीत के साथ ही इंटर मियामी ने लगातार पांच मैचों से चले आ रहे अपने जीत के सूखे को भी समाप्त कर दिया। गौरतलब है कि इससे पहले लीग मुकाबलों में इंटर मियामी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और पिछले पांच मैचों में टीम चार में हारी थी। वहीं अब फ्लोरिडा में मॉन्ट्रियल के खिलाफ मिली जीत से टीम को अपनी लय मिल गयी है।

इस मैच में इंटर मियामी शुरुआत से ही हावी रही। टीम के लिए एकमात्र गोल स्टार मिडफील्डर कासेमिरो ने 20वें मिनट में किया। ये गोल उन्होंने हेडर के जरिए कर टीम को बढ़त दिलाई। यह विश्व कप के बाद क्लब से जुड़ने के बाद इंटर मियामी के लिए कासेमिरो का पहला गोल था। हालांकि, मॉन्ट्रियल ने 37वें मिनट में वापसी करते हुए फैबियन हर्बर्स के बेहतरीन लो शॉट से मुकाबले को 1-1 से बराबर कर दिया।

इसके बाद मेसी ने एक शानदार फ्री-किक से गोल कर इंटर मियामी को फिर से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने अपनी बढ़त और मजबूत कर ली, जब मेसी ने में अपना दूसरा गोल पूरा किया।

इसके बाद मेसी की सहायता से सुआरेज ने एक गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। मैच के 83वें मिनट में मेसी ने अपनी हैट्रिक पूरी कर ली। रोड्रिगो डी पॉल से पास मिलने के बाद, मेसी ने एक और गोल दागकर स्कोर 5-1 पहुंचा दिया। इसके बाद 89वें मिनट में युवा स्थानापन्न खिलाड़ी एलेक्स शॉ ने बॉक्स के बाहर से एक लो शॉट लगाकर इंटर मियामी का स्कोर 6-1 कर दिया। मेसी यहीं नहीं रुके। इंजरी टाइम में उन्हें एक और फ्री-किक मिली और उन्होंने एक और गोल दाग दिया। इस गोल के साथ मेसी ने मुकाबले में चार गोल पूरे किए और इंटर मियामी की 7-1 की बड़ी जीत दिला दी।

उत्तरप्रदेश के ऑलरांउर अयान को मिली भारतीय अंडर-19 टीम में जगह

मुम्बई । उत्तर प्रदेश के सरारनपुर के युवा क्रिकेटर अयान अकरम को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाली मल्टी-डे सीरीज के लिए भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। अयान को गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी के कारण भी टीम में जगह मिली है।

अयान का सकारात्मक पक्ष आक्रामक बल्लेबाजी है। वह अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की तरह खेलते हैं। वह न केवल तेज से रन बनाते हैं बल्कि अपनी सटीक गेंदबाजी से अहम अवसरों पर विकेट भी लेते हैं। उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हुए उन्होंने साल 2024-25 के अंडर-16 सत्र में उन्होंने 200 रन बनाने के साथ-साथ 25 विकेट भी लिए थे। इसके बाद, 2025-26 के अंडर-19 सत्र में उनका प्रदर्शन और बेहतर होकर सामने आया। उन्होंने 300 रन बनाए और 37 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनका यह दमदार प्रदर्शन ही उन्हें राष्ट्रीय अंडर-19 टीम में जगह दिलाने का मुख्य आधार बना है।

अयान की इस उपलब्धि के पीछे उनके पिता अकरम सैफी का भी एक अधूरा सपना छुपा है। अकरम सैफी खुद एक प्रतिभाशाली क्रिकेटर थे और विश्वविद्यालय स्तर तक खेले, लेकिन आर्थिक तंगी और परिवार की जिम्मेदारियों के चलते उन्हें अपने क्रिकेट करियर को बीच में ही छोड़ना पड़ा। अयान ने कहा कि उन्होंने बचपन से ही अपने पिता के संघर्ष की कहानी सुनी है, और अब उनके पास अपने पिता के उस अधूरे सपने को पूरा करने का सुनहरा अवसर है।

गौरलब है कि ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम भारत दौरे पर तीन एकदिवसीय और दो मल्टी-डे मैचों की सीरीज खेलने वाली है। वनडे सीरीज की शुरुआत 18 सितंबर से होगी जिसके बाद दूसरा एकदिवसीय 21 और तीसरा 23 सितंबर को खेला जाएगा। ये तीनों एकदिवसीय मुकाबले राजकोट में आयोजित होंगे। इसके बाद, मल्टी-डे सीरीज शुरू होगी, जिसका पहला मैच 27 से 30 सितंबर के बीच राजकोट में ही खेला जाएगा, और दूसरा मल्टी-डे मैच 5 से 8 अक्टूबर के बीच अहमदाबाद में होगा।

मर्सिडीज बेंज सुपरकार चलाते दिखे शुभमन

मुम्बई। भारतीय टेस्ट वह एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान और युवा बल्लेबाज शुभमन गिल अपनी स्टायलिश जीवनशैली के लिए भी जाने जाते हैं। शुभमन को महंगी कारों का भी शौक है और उनके पास एक से बढ़कर एक कारें हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें शुभमन एक बेहद ही महंगी लग्जरी मर्सिडीज सुपरकार चलते दिख रहे हैं।

यह वीडियो उनके श्रीलंका में टेस्ट सीरीज जीतकर स्वदेश पहुंचने के बाद का है। सीरीज समाप्त होने के बाद यह वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। इसमें नजर आ रही नीले रंग की यह सुपरकार सड़क पर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही थी। वीडियो में शुभमन स्वयं कार चलाते नजर आ रहे हैं, और उनके बगल वाली सीट पर भी एक व्यक्ति बैठा दिखाई दे रहा है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह वीडियो कब और कहां का है, और सबसे बड़ी बात, क्या यह कार वाकई गिल की ही है। वायरल वीडियो को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं कि ये शुभमन गिल की नई कार है, हालांकि इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जिस कार में गिल को देखा गया है, वह मर्सिडीज बेंज एएमजी जीटी मॉडल है। भारत में इस लग्जरी सुपरकार की कीमत करीब 4 करोड़ रुपये के आसपास पड़ती है। हालांकि, इस मॉडल में कुछ निचले वेरिएंट भी आते हैं, जिनकी कीमत थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन फिर भी यह एक बेहद महंगी और शानदार कार मानी जाती है। जहां एक तरफ शुभमन गिल की लग्जरी कार चर्चा का विषय बनी हुई है, वहीं दूसरी तरफ हाल ही में समाप्त हुए श्रीलंका दौरे पर उनके प्रदर्शन की भी समीक्षा की जा रही है। बल्लेबाजी में शुभमन इस दौरे में असफल रहे और दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में केवल 74 रन बना पाये।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण-सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 26/ व0ले0लि0/2026-27 बालाघाट, दिनांक 25.08.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं क्र.	टेण्डर क्र0	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_532248	बालाघाट	1.तिरोड़ी खांडीटोला हीरापुर रोड का मजबूतीकरण का कार्य कुल लं0 2.60 प्रस्तावित लं0 2.00 कि0मी 2.झालीवाड़ा बासी अन्सेरा जर्राहमोहगांव रोड का मजबूतीकरण का कार्य कुल लं0 20.20 कि0मी0	द्वितीय आमंत्रण	248.11	248110.00	15000.00	08 माह वर्षाऋतु सहित
				कुल योग	248.11			

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 09/09/2026 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगें । विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

जी-17901/26

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक 1 बालाघाट

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

कार्यालय सेनानी, हॉक फोर्स
कनकी, बालाघाट (म0प्र0)
Email- co-hawk@mppolice.gov.in
दूरभाष 07632-292200

क्रमांक-सेनानी/हॉक/कनकी/एम0टी0/ MT 405 /2026 दिनांक 20/8/2026

:: निविदा सूचना ::
---000---

हॉक फोर्स मुख्यालय कनकी बालाघाट के वाहनों से निकले अनुपयोगी पार्टस/टायर विक्रय हेतु खुली नीलामी के माध्यम से क्रयकर्ताओं को आमंत्रित किया जाता है। नीचे दर्शित निष्प्रयोज्य टायर/पार्टस की खुली नीलामी दिनांक 05/09/2026 को हॉक मुख्यालय कनकी बालाघाट में सम्पन्न कराई जावेगी। क्रयकर्ता को पार्टस/टायर की प्रतिभूति राशि 5000/-(पॉच हजार रू.) की राशि वाहन शाखा हॉक फोर्स कनकी बालाघाट के कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य है।

वाहनों से निकला अनुपयोगी वाहन पार्टस एवं टायर की सूची

क्रमांक	अनुपयोगी सामान का नाम	तादाद
01	1000-20 टायर	02 नग
02	750-16 टायर	55 नग
03	215-75 आर 15 टायर	50 नग
04	मोटर सायकल टायर	37 नग
	कुल योग टायर	
05	लोहा मिक्स	325 कि.ग्रा.
06	प्लास्टिक	10 कि.ग्रा.
07	एल्यूमिनियम	02 कि.ग्रा.
08	बैट्री	20 कि.ग्रा.

नीलामी की मुख्य शर्ते

01- क्रयकर्ता को टायर/पार्टस की प्रतिभूति राशि रू 5000.00/नीलामी के स्थान के कार्यालय **हॉक फोर्स कनकी बालाघाट** मे जमा कराना अनिवार्य है, किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु 7049939168 एवं 9425490014 से संपर्क करे।
02- दिनांक 03/09/2026 को सायः काल कार्यालयीन समय 05:00 बजे तक **नीलामी स्थल के हॉक फोर्स मुख्यालय कनकी बालाघाट** कार्यालय में नगद/डी0डी0 एसबीआई जमा की जावेगी।
03- सुरक्षा निधि राशि नीलामी की समाप्ति पर असफल बोली लगाने पर उसके आवेदन पत्र पर लौटाई जावेगी।
04- बोली स्वीकार होने की स्थिति में पूर्ण राशि 05 दिवस के अन्दर राशि जमा नही की जाती है, तो सुरक्षा निधि राशि को राजसात करके उससे कम बोलीकर्ता को विक्रय की जावेगी। जिसकी बोली ऑफसेट प्राईज से अधिक हो।
05- नीलामी स्वीकृति/अस्वीकृति करने का अंतिम निर्णय समिति का होगा।
06- पार्टस/टायर को खुली नीलामी के माध्यम से उपरोक्त दर्शित स्थान व दिनांक 05/09/2026 को नीलामी की कार्यवाही की जावेगी।
07- बोली स्वीकार होने की दशा में सुरक्षा निधि उसमें समाहित कर दी जावेगी।

जी -17881/26

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

20/8/2026
सेनानी
हॉक फोर्स,बालाघाट

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की नई डिजिटल साजिश

आतंकी पोर्न वेबसाइट्स पर कर रहे सीक्रेट चैटिंग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क द्वारा सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचने के लिए इंटरनेट के अलग-अलग माध्यमों का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर्स कथित तौर पर पोर्नोग्राफी वेबसाइट्स के रियल-टाइम चैट फीचर का इस्तेमाल घाटी में मौजूद संपर्कों तक संदेश पहुंचाने के लिए कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सामान्य सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर निगरानी बढने के बाद आतंकी नेटवर्क संचार के ऐसे माध्यम तलाश रहा है, जिनसे उनकी गतिविधियों और पहचान का पता लगाना मुश्किल हो।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, कुछ पोर्नोग्राफी प्लेटफॉर्म पर मौजूद रियल-टाइम चैट टूल का मूल उद्देश्य यूजर्स को आपस में जोडना होता है। कथित तौर पर आतंकी हैंडलर्स इसी सुविधा का दुरुपयोग कर अपने संपर्कों तक संदेश पहुंचा रहे हैं। एजेंसियों की जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ संदिग्ध नेटवर्क एन्क्रिप्टेड और गुमनाम संचार माध्यमों पर निर्भर हैं। इससे संदेश भेजने वाले और प्राप्त करने वाले की पहचान का पता लगाना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

टोर आधारित प्लेटफॉर्म भी जांच के घेरे में

सुरक्षा एजेंसियां टोर नेटवर्क पर आधारित कुछ मैसेजिंग प्लेटफॉर्म की भी जांच कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, ऐसे नेटवर्क में संचार कई स्तरों से होकर गुजरता है, जिससे उपयोगकर्ता की वास्तविक पहचान और लोकेशन का पता लगाना कठिन हो सकता है। जांच एजेंसियों ने कोटेक्स और कोनियन जैसे प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल की भी जानकारी जुटाई है। अधिकारियों के अनुसार, इन माध्यमों का इस्तेमाल कथित तौर पर आतंकी हैंडलर्स और घाटी में उनके संपर्कों के बीच संवाद के लिए किया गया।

बिना नंबर के एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग

जांच में ऐसे विदेशी ऐप्स का भी जिक्र आया है, जिनमें फोन नंबर या सिम कार्ड के बिना एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग की सुविधा उपलब्ध है। सुरक्षा एजेंसियों के लिए ऐसे प्लेटफॉर्म पर सक्रिय संदिग्धों की पहचान करना अपेक्षाकृत कठिन हो सकता है। कुछ अन्य विदेशी और गुमनाम मैसेजिंग प्लेटफॉर्म भी एजेंसियों की निगरानी में हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इनके अलग-अलग वर्जन में एन्क्रिप्शन और पारंपरिक रजिस्ट्रेशन से बचने जैसी सुविधाएं मौजूद हो सकती हैं।

वीपीएन के जरिए प्रतिबंधित ऐप्स तक पहुंच

अधिकारियों ने यह भी बताया कि भारत में प्रतिबंधित या ब्लॉक किए गए कुछ पोर्नोग्राफी ऐप्स तक पहुंच बनाने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किए जाने के मामले सामने आए हैं। वीपीएन इंटरनेट ट्रैफिक को एन्क्रिप्ट करने और उपयोगकर्ता के वास्तविक आईपी एड्रेस को छिपाने में मदद करता है। सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती यह है कि ऐसे माध्यमों का इस्तेमाल सामान्य यूजर्स के साथ-साथ आपराधिक या आतंकी नेटवर्क भी कर सकते हैं।

2 प्रतिशत नेटवर्क पर चलने वाले ऐप्स पर भी नजर

जांच के दौरान एजेंसियों को ऐसे ऐप्स की जानकारी मिली है, जो धीमे 2 प्रतिशत और एज नेटवर्क पर भी काम कर सकते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में कमजोर इंटरनेट कनेक्टिविटी को देखते हुए ऐसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। कुछ ऐप्स में अकाउंट बनाने के लिए फोन नंबर या ईमेल की अनिवार्यता नहीं होने से डिजिटल पहचान स्थापित करना और मुश्किल हो सकता है।

वर्चुअल सिम के इस्तेमाल की जांच से खुला मामला

सुरक्षा एजेंसियों की यह जांच विदेशी कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली वर्चुअल सिम तकनीक के कथित इस्तेमाल को रोकने की कार्रवाई के दौरान आगे बढ़ी। वर्चुअल सिम के जरिए वास्तविक मोबाइल सिम के बिना इंटरनेट आधारित नंबरों का इस्तेमाल किया जा सकता है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, आतंकी नेटवर्क पहले भी ऐसी तकनीकों का इस्तेमाल संचार के लिए करता रहा है। 2019 के पुलवामा आतंकी हमले की जांच के दौरान भी वर्चुअल सिम के इस्तेमाल की बात सामने आई थी।

अभिषेक बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें

-बिलबोर्ड विवाद मामले में टीएमसी सांसद को पुलिस का नोटिस, अब तक 14 गिरफ्तार

कोलकाता। इस हफ्ते की शुरुआत में पार्टी के निशान वाले बिलबोर्ड को हटाने के विवाद में कोलकाता पुलिस ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है। इस विवाद के दौरान अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में अधिकारियों और प्राइवेट गार्ड्स के बीच हाथापाई हुई थी। बनर्जी को उनके घर पर यह नोटिस दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि डायमंड हार्बर के सांसद से कहा गया है कि वे इस मामले के सिलसिले में मंगलवार दोपहर शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में पेश हों।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के सिलसिले में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में बनर्जी को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर में डेरेक ओब्रायन और पूर्व विधायक हुमायूं कबीर समेत पार्टी के अन्य नेताओं के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डेरेक ओ ब्रायन को रविवार को नोटिस दिया गया। गुरुवार को अभिषेक बनर्जी के ऑफिस के प्राइवेट गार्ड्स, उनके समर्थकों और पार्टी के कुछ नेताओं की पुलिस और कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ हाथापाई हुई थी। वे उन्हें कैमक स्ट्रीट पर स्थित इमारत में घुसने और एक अनधिकृत बिलबोर्ड को हटाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि वहां मौजूद टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने प्राइवेट गार्ड्स द्वारा विरोध की कोशिशों की खबरों को फर्जी बताया। उन्होंने कहा कि गार्ड्स इमारत के प्रवेश द्वार पर ड्यूटी पर तैनात थे। इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर सडक़ की ओर बने लोहे के ढांचे पर लगे टीएमसी के निशान वाले बिलबोर्ड को केएमसी के कर्मचारियों ने हटा दिया, जब पुलिस ज़बरदस्ती अंदर घुस गई। डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया था कि पुलिस एक गैर-कानूनी नोटिस लेकर ऑफिस में घुस गई, वरिष्ठ नेताओं के साथ मारपीट की और पार्टी समर्थकों व ऑफिस के कर्मचारियों के साथ बदसलूकी की।

सोनिया गांधी नागरिकता मामले की फैसला सुनाने की तारीख बढ़ाई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी की नागरिकता से जुड़े विवाद में दिल्ली की अदालत ने शनिवार को अपना आदेश टाल दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने 11 सितंबर 2025 के मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली पुनरीक्षण याचिका पर आदेश सुनाने की तारीख बढ़ाकर 21 सितंबर कर दी है।

मामले की सुनवाई के दौरान सोनिया गांधी की ओर से उनके वकील ने जवाब दाखिल किया। बचाव पक्ष ने शिकायत को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए कहा कि इसे किसी अन्य उद्देश्य से दायर किया गया है। वकील ने शिकायत के पीछे राजनीतिक मंशा होने का भी आरोप लगाया।

यह शिकायत राउज एवेन्यू अदालत की सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अधिवक्ता विकास त्रिपाठी की ओर से दायर की गई थी। मजिस्ट्रेट अदालत ने शिकायत को खारिज कर दिया था। अब निचली अदालत के इसी फैसले के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका पर विशेष अदालत का फैसला 21 सितंबर को आने की संभावना है।

बिहार के 40 नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता रद्द, हजारों छात्रों की चिंता बढ़ी

इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने सुविधाविहीन कॉलेजों के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई

पटना। बिहार के नर्सिंग शिक्षा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनसी) ने राज्य के 40 नर्सिंग कॉलेजों की राष्ट्रीय मान्यता रद्द कर दी है। इन संस्थानों में संचालित 45 कोर्स प्रभावित हुए हैं और हजारों छात्रों के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। मान्यता रद्द होने से तय तारीख के बाद इन संस्थानों से डिग्री या डिप्लोमा हासिल करने वाले छात्रों को बिहार के बाहर नौकरी और नर्सिंग रजिस्ट्रेशन में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

काउंसिल की जांच में कई संस्थानों में निर्धारित मानकों की गंभीर अनदेखी सामने आई। कुछ निजी नर्सिंग कॉलेज महज दो कमरों में संचालित पाए गए। कई संस्थानों में पर्याप्त संख्या में योग्य शिक्षक नहीं थे, जबकि कुछ जगह शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता से जुड़े दस्तावेज भी स्पष्ट नहीं पाए गए। क्लिनिकल लैब और अन्य जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी भी कार्रवाई की प्रमुख वजह बनी।

बैक डेट से मान्यता रद्द होने से बढ़ी परेशानी

काउंसिल ने अलग-अलग संस्थानों की मान्यता अलग-अलग पिछली तारीखों से रद्द की है। ऐसे में संबंधित तारीख के बाद इन संस्थानों से पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों के सामने डिग्री की मान्यता को लेकर गंभीर संकट पैदा हो गया है। इससे उनकी आगे की नौकरी, रजिस्ट्रेशन और उच्च शिक्षा की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं।

दूसरे राज्यों में रजिस्ट्रेशन पर असर

मान्यता रद्द होने का सबसे बड़ा असर छात्रों के अंतरराज्यीय रोजगार पर पड़ सकता है। प्रभावित संस्थानों से पढ़े अभ्यर्थियों के लिए दूसरे राज्यों के नर्सिंग काउंसिल में रजिस्ट्रेशन कराने में दिक्कत होगी। रजिस्ट्रेशन नहीं होने की स्थिति में वे दूसरे राज्यों में निकलने वाली नर्सिंग की सरकारी और निजी नौकरियों के लिए पात्र नहीं हो पाएंगे।

एम्स, रेलवे और केंद्रीय अस्पतालों की भर्तियों में भी मुश्किल

मान्यता संबंधी समस्या का असर केंद्र सरकार की नौकरियों पर भी पड़ सकता है। एम्स, रेलवे और केंद्रीय अस्पतालों में नर्सिंग ऑफिसर समेत अन्य पदों के लिए होने वाली भर्तियों में मान्य संस्थान से प्राप्त योग्यता और आवश्यक रजिस्ट्रेशन जरूरी होता है। ऐसे में प्रभावित छात्रों के लिए केंद्रीय सेवाओं में अवसर सीमित हो सकते हैं। विदेशों में नर्सिंग की नौकरी या उच्च शिक्षा के लिए आवेदन करने वाले छात्रों के सामने भी परेशानी खड़ी हो सकती है। राष्ट्रीय स्तर की मान्यता खत्म होने से उनकी शैक्षणिक योग्यता की स्वीकार्यता पर सवाल उठ सकता है।

सरकारी संस्थान भी कार्रवाई की चपेट में

इस कार्रवाई की खास बात यह है कि केवल निजी संस्थान ही नहीं, बल्कि कुछ बड़े सरकारी और चिकित्सा संस्थानों से जुड़े नर्सिंग संस्थान भी निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतर पाए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ऐसे कॉलेजों में पीएमसीएच पटना का जीएनएम नर्सिंग इंस्टीट्यूट, भगवान महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, पावापुरी का बीएससी नर्सिंग कॉलेज और भागलपुर मेडिकल कॉलेज का जीएनएम स्कूल शामिल हैं।

नाबालिग से यौन शोषण केस में उद्योगपति गिरफ्तार

चेन्नइ। नाबालिग लडक़ी के साथ कथित यौन शोषण के मामले में उद्योगपति वीरमणी, उनकी सहयोगी शांति और शांति के पति महेंद्र चिक्कन को गरिफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक 6 अक्टूबर 2025 को चेन्नई में एक अज्ञात व्यक्ति ने चेन्नई पुलिस के एक अधिकारी को शिकायत के साथ एक पेनड्राइव सौंपी थी। कहा गया कि पेन ड्राइव में एक वीडियो है, जिसमें उद्योगपति वीरमणी अपनी सहयोगी शांति के बेडरूम में कथित तौर पर एक नाबालिग लडक़ी के साथ यौन अपराध करते हुए दिख रहे हैं। शिकायत के बाद जब पेन ड्राइव की जांच की गई तो इसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति नाबालिग लडक़ी के साथ यौन अपराध करता पाया गया। शिकायत के आधार पर चेन्नई पुलिस की सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज किया। वीडियो की गहनता से जांच हुई तो पता चला कि वीडियो में दिख रहा शख्स चर्चित उद्योगपति वीरमणी है।

भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों को नई उड़ान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी के तहत 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 5 अरब डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों की आकांक्षाएं एक जैसी हैं और वे व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में है और इस क्षेत्र के साथ भारत की भागीदारी के केंद्र में है। उन्होंने उल्लेख किया कि 2026 में भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे हो जाएंगे। मोदी ने कहा कि दोनों देश अब अपने संबंधों को एक व्यापक और अधिक महत्वाकांक्षी ढांचा देने की दिशा में काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान की सोच और आकांक्षाओं में गहरी समानताएं हैं। युवा, नवाचार, समावेशी विकास और आधुनिक प्रौद्योगिकी, यंग उज्बेकिस्तान और डेवलप्ड इंडिया 2047 दोनों के मूल सिद्धांतों में निहित हैं। इसी साझा दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, हम दोनों देशों के लोगों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस वर्ष हमारी रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस विशेष अवसर पर, हमने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा द्विपक्षीय व्यापार 1 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है। अब हमने 2030 तक 5 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया है।

रक्षा एवं सुरक्षा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क, सह-उत्पादन और सह-विकास के माध्यम से रक्षा और सुरक्षा सहयोग का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास को दर्शाता है। भविष्य में हम दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क, सह-उत्पादन और सह-विकास को बढ़ावा देंगे। मोदी ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद से लडऩे के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करते हैं। इन खतरों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बनाए रखना हमारा साझा संकल्प रहा है और आगे भी रहेगा। प्रधानमंत्री ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और पारंपरिक चिकित्सा में सहयोग पर भी जोर दिया और कहा कि दोनों देशों की ताकतें एक-दूसरे की पूरक हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि उज्बेकिस्तान के बागवानी के अनुभव और भारत की आधुनिक कृषि पद्धतियों को मिलाकर हम दोनों देशों की खाद्य सुरक्षा में योगदान देंगे। उज्बेकिस्तान की औषधीय जड़ी-बूटियां और भारत की आयुर्वेद विशेषज्ञता एक स्वाभाविक संयोजन है।

जब बार काउंसिल का सम्मान उसके सदस्य ही न करें-छलका सुप्रीम कोर्ट के जज का दर्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जज बी.वी. नागरत्ना ने दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर कानूनी व्यवस्था की मौजूदा चुनौतियों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था लंबित मामलों, देरी और बढ़ती लागत जैसी समस्याओं परेशान है। जस्टिस नागरत्ना ने वकीलों से अपनी सोच बदलने, अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करने और न्याय व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया।

उन्होंने बार काउंसिल पर गंभीर सवाल उठाकर कहा कि यदि किसी बार काउंसिल को उसके सदस्य ही सम्मान नहीं देता, तब यह कानूनी पेशे के भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं। उन्होंने बार काउंसिल से पेशेवर नैतिकता, सदाचार और दक्षता बनाए रखने में अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करने का आग्रह किया। जस्टिस नागरत्ना ने वकीलों को चेतावनी दी कि उन्हें परेशान वादियों को न्याय दिलाने और लोकतंत्र को मजबूत करने के प्रति अपने कर्तव्यों पर विचार करना चाहिए, अन्यथा वे भविष्य में अपनी प्रासंगिकता खो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा होना हमारी न्याय व्यवस्था और देश में कानून के शासन के लिए विनाशकारी होगा। जस्टिस नागरत्ना की यह टिप्पणी तब आई है जब बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) स्वयं विवादों में घिरी हुई है। बीते दिनों, सीजेआई सूर्यकांत ने भी बीसीआई पर छात्रों और न्यायपालिका के बीच अनावश्यक हस्तक्षेप के लिए फटकार लगा दी थी। यह विवाद हैदराबाद की नालसर यूनिवर्सिटी के छात्रों द्वारा सीजेआई के एक वीडियो टिप्पणी के विरोध के बाद पैदा हुआ था, जिसके जवाब में बीसीआई चेयरमैन मनन मिश्रा ने छात्रों का पंजीकरण न करने का फैसला किया था, हालांकि बाद में उन्हें यह निर्णय वापस लेना पड़ा।

कर्नाटक एसआईआर : दावे व आपत्तियां दर्ज कराने समय अवधि बढ़ाने की मांग

-सीएम शिवकुमार बोले- ऐसी मतदाता सूची तैयार हो जिस पर लोग कर सकें भरोसा

बेंगलुरु,। कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने राज्य में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची के सत्यापन के लिए ज्यादा समय देने और दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने चुनाव आयोग से यह भी तय करने का आग्रह किया कि कोई भी वास्तविक मतदाता मतदाता सूची से बाहर न हो। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर सीएम शिवकुमार का पत्र साझा करते हुए कहा कि कर्नाटक में एसआईआर प्रक्रिया के जरिए बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने की आशंका है और सीएम ने इस संबंध में मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर चिंता जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम शिवकुमार ने 25 अगस्त को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लिखे पत्र में बताया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं को एएसडीडीओ श्रेणी में रखा गया है। पत्र के मुताबिक कर्नाटक के कुल 5.54 करोड़ मतदाताओं में से करीब 1.08 करोड़ मतदाता इस श्रेणी में शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 24 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद करीब 43.8 लाख मतदाताओं को तार्किक विसंगतियों या 2002 की मतदाता सूची से लिंक न होने के कारण सत्यापन नोटिस भेजे जाने की संभावना है। शिवकुमार ने विशेष रूप से बेंगलुरु का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां अकेले 46.88 लाख मतदाता एएसडीडीओ श्रेणी में रखे गए हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय पर दावे दाखिल नहीं किए गए तो करीब 1.5 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटने का खतरा पैदा हो सकता है। सीएम शिवकुमार ने कहा कि 卐अनुपस्थित卐 श्रेणी में शामिल कई लोग वास्तविक मतदाता हो सकते हैं, जो नौकरी, स्वास्थ्य या अन्य कारणों से गणना प्रपत्र जमा नहीं कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे मतदाता जिन्होंने अपना निवास या मतदान केंद्र बदला है और बूथ स्तर अधिकारियों की घर-घर सत्यापन प्रक्रिया से छूट गए हैं, उन्हें भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्थान परिवर्तन किसी व्यक्ति को मताधिकार से वंचित करने का कारण नहीं बनना चाहिए। सीएम शिवकुमार ने चुनाव आयोग के सामने चार प्रमुख मांगें रखीं। इनमें दावे दर्ज कराने की अवधि बढ़ाना, शहरी क्षेत्रों में वार्ड समिति और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामसभा बैठकों का आयोजन सुनिश्चित करना, मतदाताओं को जवाब देने के लिए तीन से चार सप्ताह का पर्याप्त समय देना और ज्यादा एएसडीडीओ मामलों वाले जिलों में अतिरिक्त अधिकारियों की तैनाती शामिल है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामसभा और वार्ड समिति बैठकों, जागरूकता अभियानों तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में चुनाव आयोग को पूरा सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि 卐उद्देश्य ऐसी मतदाता सूची तैयार करना होना चाहिए जिस पर कर्नाटक के लोग भरोसा कर सकें।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने किया ऐलान...

सत्ता में आए तो 3 महीने में कराएंगे जातीय जनगणना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। इस बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को राजधानी लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने योगी सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि कहा कि जुझौतिखण्ड गढकुंडार नरेश महाराजा खेतसिंह खंगार जूदेव जी को वह सम्मान नहीं मिला जो मिलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि महाराजा खंगार की प्रतिमा लखनऊ की प्रतिष्ठित जगह पर लगाई जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि गोमती नदी के किनारे हम महाराजा खेतसिंह खंगार की प्रतिमा लगवाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि जाति जनगणना हो और खंगार समाज को सम्मान मिले । उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश में उनकी सरकार आती है तो वो 3 महीने में जाति जनगणना करवाएंगे और उन्हें सम्मान देंगे। उन्होंने कहा कि अर्कवंशी , खंगार समाज के लोग धोखा खाए हैं।

सपा प्रमुख ने कहा कि झांसी में जब वो प्रतिमा लगाने के लिए गए तब लोगों ने कहा पहली बार हेलीकॉप्टर आया है। उन्होंने कहा कि झांसी की उस रैली में बड़ी संख्या में लोग आए थे। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने पर अर्कवंशी खंगार समाज के लोग लाल बत्ती लगा कर अपने घर जाएंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोगों ने महाराजा खेतसिंह खंगार की प्रतिमा लगाई लेकिन वो भ्रष्टाचार से बनी थी और टूट गई।

महिलाओं को 40 हजार रुपए देने का वादा

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने अपने पहले प्रधानमंत्री और पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष की प्रतिमा लगाई और बोले कि वो पीतल की है, लेकिन जब बारिश हुई तो पता चला कि वो तो मिट्टी की है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार खंगार समाज के राजा की अष्टधातु की प्रतिमा लगाएगी और सरकार बनने पर इस समाज को एडजस्ट करेंगे। उन्होंने ऐलान किया कि सपा सरकार बनते ही महिलाओं को 40 हज़ार रुपए दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद खंगार समाज को कुछ नहीं मिला हम कन्या विद्या धन ,और अन्य राहत देंगे।

एक्सप्रेस वे को लेकर सरकार को घेरा

अखिलेश यादव ने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पीएम मोदी के उद्घाटन के बाद टूट गया। गंगा एक्सप्रेस वे धंस गया। कानपुर एक्सप्रेस खत्म हो गया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि इनकी स्पेस टेक्नॉलोजी कहां है। उन्होंने कहा कि हर दिन एक्सप्रेस वे टूट रहा आखिर डिजाइन करने वाला कौन है।

कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

पूर्व सीएम ने उत्तर प्रदेश पुलिस पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलिस का एक ही काम चल रहा है हथेली गर्म पुलिस नर्म। उन्होंने कहा कि आज पुलिस की हिम्मत कौन बढ़ा रहा है। उन्होंने अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर कहा कि दूसरे प्रदेश के माफिया आकर प्रदेश में 18 गोलियां मार कर चले गए। उन्होंने कहा कि बालियान का पूरा परिवार न्याय मांग रहा है। उन्होंने कहा कि यह लूट वाली सरकार है। कन्नौज में उत्तर प्रदेश का पहला सीओ2 मिल्क प्लांट भी बेच दिया है। क्लार्क होटल के बगल की कीमती जमीन बेच दी।

इन लोगों ने राम मंदिर को भी नहीं छोड़ा

अखिलेश यादव ने राम मंदिर दान चोरी के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि मंदिर के सामने कई लोग दान मांगते हैं। लेकिन वो मंदिर में चोरी नहीं करते हैं। मगर इन्होंने मंदिर को भी नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि यह लोग अधर्मी लोग हैं। इस बार इनको कोई माफ़ नहीं करेगा। यह लोग मिलावटी लोग हैं। पेट्रोल मिलावटी है , चीनी मंहगी है। उन्होंने कहा कि ये मिलवाती लोग है,पेट्रोल में भी मिलावट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 26 हजार स्कूल जो बंद हुए हैं, जिसे उनकी सरकार खोलेगी।

अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह संपति विवाद में पहुंचे थाने, चाची समेत 7 पर मामला दर्ज

अलीगढ़। अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह परिवार के संपत्ति बंटवारे के विवाद से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अपनी चाची, चचेरे भाई-बहन समेत सात लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज के आधार पर पैतृक हवेली और करोड़ों की संपत्ति हड़पने का मुकदमा पंजीकृत कराने के बाद वह अपने भाई और फिल्म निर्देशक अभिमन्यु सिंह के साथ पुलिस थाने पहुंचे। दोनों भाइयों से करीब आधे घंटे तक पूछताछ की गई। इस दौरान दोनों ने संपत्ति से संबंधित दस्तावेज जांच अधिकारी को सौंपे। बता दें पैतृक हवेली खैर रोड स्थित जलालपुर में है। यह 1885 में बनी थी यह करीब 10 एकड़ क्षेत्र में फैली है। इससे जुड़ी करीब 56 एकड़ जमीन है। चंद्रचूड़ सिंह के पिता कैप्टन बलदेव सिंह सेना में थे और अवकाश के दिनों में यहां आते थे। उनके छोटे भाई पुण्य प्रताप सिंह और गंगा सिंह हवेली में रहते थे और जमीन की देखभाल और खेती करते थे। कैप्टन बलदेव सिंह के तीनों बेटे चंद्रचूड़ सिंह, अभिमन्यु सिंह और नारायण सिंह फिल्मी क्षेत्र से जुड़े होने के कारण मुंबई में रहते हैं। उनके चाचा पुण्य प्रताप सिंह और गंगा सिंह के परिवार के सदस्य विदेश में रहते थे। रिपोर्ट के मुताबिक सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद बलदेव सिंह राजनीति में आए और विधायक बने। तब यहां रहने लगे। बाद में बलदेव सिंह और उनके भाई पुण्य प्रताप सिंह का निधन हो गया है। गंगा सिंह का अक्टूबर 2025 में निधन हुआ था। तब चंद्रचूड़ सिंह परिवार के साथ पैतृक हवेली पहुंचे थे। आरोप है कि गंगा सिंह की पत्नी गायत्री देवी ने उन्हें हवेली में प्रवेश करने से रोक दिया। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में चंद्रचूड़ सिंह को हवेली में प्रवेश कराया गया था। इसी घटनाक्रम के बाद पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद खुलकर सामने आया।

चंद्रचूड़ सिंह और अभिमन्यु सिंह का आरोप है कि उनके दादा हरेंद्र पाल सिंह की गंभीर बीमारी का फायदा उनके चाचा गंगा सिंह ने उठाया। हरेंद्र पाल सिंह के निधन से एक दिन पहले 30 जनवरी 1997 को फर्जी वसीयत तैयार कराकर उनके नाबालिग पुत्र जय सिंह के नाम संपत्ति करा ली गई। 1995 की वसीयत पंजीकृत है, जिसमें पैतृक संपत्ति तीनों पुत्रों में बराबर बांटी गई है। करीब 150 करोड़ रुपए की पैतृक संपत्ति पहले ही बेची जा चुकी है। इस मामले को लेकर वह 2025 में नवंबर और दिसंबर में एसएसपी और डीएम से मिले थे।

न्यूज गैलरी

पुरानी रंजिश पर युवक को पटक-पटक कर पीटा-कंधा टूटा

पद्मेश न्यूज। मलाजखंड। थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक के साथ जमकर मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपी ने युवक को हाथ-मुक्कों से पीटा और घुमा-घुमाकर जमीन पर पटक दिया।जिससे उसका दायां कंधा बुरी तरह घायल हो गया। पुलिस ने घायल नितेश सिलाहे 34 वर्ष मोहगांव निवासी की रिपोर्ट पर आरोपी नितेश जैतवार के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नितेश सिलाहे निवासी मोहगांव निवासी कान्हा ट्रेजर रिजॉर्ट में नौकरी करता है। उसका गांव पौनी निवासी जियो कंपनी में काम करने वाले नितेश जैतवार से पुराना विवाद चल रहा था।घटना 29 अगस्त सुबह करीब 9 बजे की है। नितेश सिलाहे अपने दोस्त जितेंद्र बघेल के साथ बस स्टैंड पर खड़ा होकर जितेंद्र की बहन का इंतजार कर रहा था जो रायपुर से आ रही थी। तभी वहां नितेश जैतवार पहुंचा और पुराने विवाद को लेकर नितेश सिलाहे को अश्लील गालियां देने लगा। मौके पर मौजूद जितेंद्र बघेल और मोजेश बघेल ने बीच-बचाव कर झगड़ा शांत कराया, जिसके बाद नितेश अपने घर चला गया। कुछ देर बाद नितेश जैतवार नितेश सिलाहे के घर पहुंचा और दरवाजे पर जोरदार लात मारी जिससे दरवाजा टूट गया। जब नितेश बाहर निकलकर दरवाजा तोड़ने का कारण पूछने लगा तो नितेश जेतवार फिर गाली-गलौज करने लगा। मना करने पर नितेश जेतवार ने उसका कॉलर पकड़ लिया और हाथ-मुक्कों से मारपीट करते हुए उसे घुमा-घुमाकर जमीन पर पटक दिया। इससे नितेश सिलाहे के दाएं कंधे सहित अंदरूनी हिस्से में गंभीर चोट आई और कंधा नीचे झुक गया।चीख-पुकार सुनकर जितेंद्र बघेल और मोजेश बघेल मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कराया। इसके बाद नितेश ने ज्यादा उलझने पर जान से खत्म करने की धमकी दी।घायल अवस्था में नितेश सिलाहे ने मेड़की में अपना इलाज कराया। दर्द अधिक होने पर 1 सितंबर को वह अपने दोस्त जितेंद्र बघेल के साथ मलाजखंड थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने नितेश सिलाहे का मेडिकल मुलाहिजा बिरसा अस्पताल में करवाया।मलाजखंड पुलिस ने नितेश सिलाहे की रिपोर्ट पर आरोपी नितेश जैतवार के विरुद्ध अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

आदिवासी बच्चों की मौत के मामले में कल बालाघाट बंद

30 बच्चों की मौत को लेकर आदिवासी समाज में उबाल, 3 सितंबर को बंद का आह्वान; इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर बाजार, बस, मंडी और व्यापारिक प्रतिष्ठान रहेंगे बंद

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के आदिवासी और बैगा अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के बीच बच्चों की हुई कथित मौतों के मामले ने अब बड़ा आंदोलन का रूप ले लिया है। करीब 30 आदिवासी बच्चों की मौत के मामले में लगातार धरना-प्रदर्शन, ज्ञापन और आवेदन देने के बावजूद मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए आदिवासी समाज ने 3 सितंबर को बालाघाट बंद का आह्वान किया है। मंगलवार शाम धरना स्थल पर आयोजित पत्रकार वार्ता में समाज के पदाधिकारियों ने बंद को लेकर अपनी रणनीति स्पष्ट की।समाज ने साफ किया है कि बंद के दौरान अस्पताल, एंबुलेंस, दवा दुकान, स्कूल, कॉलेज, रसोई गैस सहित अन्य आवश्यक और इमरजेंसी सेवाओं को बंद से मुक्त रखा जाएगा। वहीं बाजार, व्यापारिक प्रतिष्ठान, बस एवं अन्य परिवहन सेवाएं, सब्जी मंडी सहित अधिकांश व्यावसायिक गतिविधियां बंद रखने का आह्वान किया गया है।

बंद को विभिन्न संगठनों का समर्थन, बाजार बंद रखने की अपील

आदिवासी समाज के पदाधिकारियों के अनुसार 3 सितंबर के बंद को विभिन्न व्यापारी संगठनों, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, बस एसोसिएशन, मंडी व्यापारी संघ सहित अन्य संगठनों का समर्थन मिला है। समाज ने व्यापारियों और नागरिकों से बंद को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है।पदाधिकारियों का कहना है कि यह बंद केवल विरोध दर्ज कराने के लिए नहीं, बल्कि आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक स्थिति और बच्चों की मौत के मामले में जिम्मेदारी तय कराने के लिए किया जा रहा है। उनका आरोप है कि लंबे समय से आवेदन, निवेदन और धरना-प्रदर्शन किए जाने के बाद भी उनकी प्रमुख मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

धरना स्थल पर होगी आमसभा, फिर निकलेगी विशाल रैली

बालाघाट बंद के दौरान धरना स्थल पर विशाल आमसभा का आयोजन किया जाएगा। आमसभा के बाद आदिवासी समाज और विभिन्न संगठनों के लोग संयुक्त रूप से नगर में रैली निकालेंगे। रैली के माध्यम से लोगों को मामले की जानकारी देने के साथ शासन-प्रशासन से जवाब मांगने की बात कही गई है रैली धरना स्थल से जय स्तंभ चौक, बिरसा मुंडा चौक, जिला अस्पताल, रानी अवंती बाई चौक, काली पुतली चौक, मेन मार्केट, हनुमान चौक, सर्किट हाउस रोड, अंबेडकर चौक, एलआईसी और विश्वेश्वरैया चौक होते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगी।

कलेक्टर कार्यालय में सौंपेंगे ज्ञापन, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

रैली के माध्यम से कलेक्टर कार्यालय पहुंचने के बाद आदिवासी समाज और विभिन्न संगठनों की ओर से संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपा जाएगा। समाज की प्रमुख मांगों में जिला स्वास्थ्य एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा प्रभावित क्षेत्रों के बीएमओ को हटाने/बर्खास्त करने, बच्चों की मौत के मामले में जिम्मेदारी तय करने तथा शासन द्वारा प्रभावित परिवारों को दी जा रही मुआवजा राशि बढ़ाने की मांग शामिल है।पदाधिकारियों का कहना है कि आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। ऐसे में केवल आर्थिक सहायता देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि मौतों के कारणों की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

एक दिन का बंद, लेकिन आंदोलन रहेगा जारी

आदिवासी समाज ने स्पष्ट किया है कि 3 सितंबर का बालाघाट बंद एक दिवसीय रहेगा, लेकिन उनका धरना-प्रदर्शन इसके बाद भी जारी रहेगा। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को आगे और व्यापक किया जाएगा।पत्रकार वार्ता में यह भी कहा गया कि बंद और धरना-प्रदर्शन के दौरान ही आगामी बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी।आंदोलनकारियों का कहना है कि बच्चों की मौत जैसे संवेदनशील मामले में सरकार और प्रशासन को जनता के सवालों का जवाब देना होगा।

बच्चों की मौत का मामला बना बड़ा मुद्दा

आदिवासी और बैगा अंचलों में बच्चों की मौत का मामला पिछले कई दिनों से जिले में लगातार चर्चा और विरोध का विषय बना हुआ है। अलग-अलग सामाजिक और राजनीतिक संगठनों की ओर से भी मामले की जांच, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और प्रभावित परिवारों को पर्याप्त आर्थिक सहायता देने की मांग उठाई जा रही है।अब 3 सितंबर को प्रस्तावित बालाघाट बंद और उसके बाद निकलने वाली रैली से यह मुद्दा एक बार फिर जिला मुख्यालय पर जोर पकड़ रहा है। आदिवासी समाज ने इसे बच्चों के लिए न्याय और स्वास्थ्य व्यवस्था में जवाबदेही की लड़ाई बताते हुए जिलेवासियों से बंद को समर्थन देने की अपील की है।

महिंद्रा शोरूम के ड्राइवर पर जानलेवा हमला

कार साइड लगाने को लेकर विवाद कड़े और बांस के डंडे से सिर पर किये वार, घायल ड्राइवर जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के सरेखा बाईपास स्थित महिंद्रा शोरूम के वर्कशॉप में कार सुधारने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

कार मालिक के बेटे ने अपने साथियों के साथ मिलकर शोरूम के ड्राइवर पर हाथ-बुक्कों, हाथ में पहने कड़े और बांस के डंडे से हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से ड्राइवर घायल हो गया।जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घायल ड्राइवर अनुज पिता रमेश बसेने 32 वर्ष निवासी वार्ड नंबर-2 पंप हाउस गली भटेरा चौकी बालाघाट निवासी है। जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

वर्कशॉप बंद होने पर छिंदवाड़ा ले जाने की दी थी सलाह

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोलेरो कार क्रमांक एमपी-50 जेडसी-5170 संतोष कुमार गेडाम निवासी वार्ड नंबर-24 इंदिरा नगर, बालाघाट के नाम पर है। कार महिंद्रा शोरूम बालाघाट से ही खरीदी गई थी। वर्तमान में शोरूम का वर्कशॉप बंद है। करीब 15 दिन पहले कार में खराबी आने पर उसे सुधारने के लिए छिंदवाड़ा स्थित मुख्य ब्रांच ले जाया गया था।1 सितंबर को करीब 11 बजे संतोष कुमार गेडाम का बेटा कार लेकर दोबारा महिंद्रा शोरूम पहुंचा। शोरूम के कर्मचारियों ने वर्कशॉप बंद होने की बात कहते हुए कार को छिंदवाड़ा स्थित मुख्य ब्रांच ले जाने की सलाह दी। इसके बाद वह कार लेकर चला गया। कुछ देर बाद वह अपने साथियों के साथ फिर शोरूम पहुंचा और कार को वर्कशॉप के सामने तिरछा खड़ा कर दिया तथा कार सुधारने की मांग करने लगा।

कार साइड लगाने के दौरान बढ़ा विवाद

इसी दौरान वर्कशॉप के सामने तिरछी खड़ी कार को शोरूम का ड्राइवर अनुज बसेने साइड लगाने का प्रयास कर रहा था। आरोप है कि तभी कार मालिक का बेटा अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और अनुज के साथ गाली-गलौज करने लगा। अनुज ने गाली देने से मना किया तो विवाद बढ़ गया। कार मालिक के बेटे और उसके साथियों ने अनुज को पकड़कर हाथ-बुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान हाथ में पहने कड़े और बांस के डंडे से उसके सिर पर वार किया गया। सिर में चोट लगने से अनुज का सिर फट गया और खून निकलने लगा।

शोरूम के कर्मचारियों ने कराया अस्पताल में भर्ती

मारपीट की आवाज सुनकर शोरूम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद कार मालिक के अपने साथियों के साथ कार लेकर मौके से फरार हो गए। घायल अनुज को शोरूम कर्मचारियों ने तत्काल मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है।जिला अस्पताल पुलिस ने घायल अनुज का बयान दर्ज कर मामले को आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

IPCCS URBAN MULTI STATE
Co OP. Credit SOCIETY LTD. GONDIA
Reg. No. MSCS/CR/787/2013
(बचत व ऋण सहकारी समिति)
शाखा-वारासिवनी
उपभोक्ता शाखा में आवश्यकता है
• व्यवस्थापक - 01 • कर्मचारी - 01
दैनिक जमा अभिकर्ता (Agent)
संपर्क करें-9421715754, 9421715753, 7030130553

मलाजखंड के इंदिरा मार्केट में दो सगे भाइयों पर तलवार से हमला-एक गंभीर घायल हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के इंदिरा मार्केट में मंगलवार को दोपहर एक मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। यहां एक व्यक्ति ने दो सगे भाइयों पर धारदार हथियार साकपवार (तलवार) से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना में अधिक चोट लगने से एक युवक रामकुमार पिता राम अवतार शर्मा टाउनशिप मलाजखंड निवासी को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार टाउनशिप मलाजखंड निवासी लवलेश वर्मा की इंदिरा मार्केट में मोबाइल की दुकान है और थोड़ी ही दूरी पर उनके छोटे भाई रामकुमार वर्मा की भी मोबाइल दुकान है। इसी कॉम्प्लेक्स में गीता जेम्स की ब्यूटी पार्लर की दुकान है।1 सितंबर को दोपहर लगभग 12 बजे गीता जेम्स की दुकान के काउंटर पर सुनील भटनागर निवासी चारटोला खड़ा था। वहीं रामकुमार वर्मा, सोमियान जिलानी, विकास दास खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान लवलेश वर्मा भी वहां पहुंच गए।बताया जाता है कि रामकुमार वर्मा ने सुनील भटनागर से कहा कि यह दुकान हमारी है।हमारी दुकान के सामने बातचीत मत करो। इसी बात पर विवाद हो गया। आरोप है कि सुनील भटनागर ने सोमियान जिलानी को थप्पड़ मार दिया और अश्लील गालियां देने लगा। लवलेश वर्मा ने गाली देने से मना किया तो सुनील आवेश में आ गया और दौड़कर अपनी मोटरसाइकिल के पास गया और वहां से एक लोहे की साकपवार तलवार निकाल लाया सुनील ने पहले लवलेश वर्मा पर वार किया। बीच-बचाव करने आए छोटे भाई रामकुमार वर्मा के सिर पर भी उसने साकपवार से हमला कर दिया।जिससे सिर से खून निकलने लगा और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। लवलेश ने जब उसे रोकने की कोशिश की तो आरोपी ने उसके पेट पर भी वार कर दिया।हल्ला सुनकर लवलेश वर्मा के परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद सुनील भटनागर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए बस स्टैंड मलाजखंड स्थित अपनी दुकान की तरफ चला गया।घटना में गंभीर रूप से घायल रामकुमार वर्मा को तत्काल मलाजखंड माइंस के एमसीपी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है।इस मामले में पीड़ित लवलेश वर्मा 36 वर्ष की रिपोर्ट पर मलाजखंड पुलिस ने आरोपी सुनील पिता अशोक भटनागर निवासी चारटोला के विरुद्ध अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने सहित भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट